@Qpatrika @qaumipatrikahindi instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 16 नवम्बर 2025

VISIT: www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 12 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'दुनिया को राजनीति समझाता है बिहार'

● सूरत में बोले पीएम मोदी, कांग्रेस पर फिर साधा निशाना

एजेंसी

सूरत। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के सूरत का दौरा किया। इस दौरान एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बिहार का ऐतिहासिक विजय हुआ हो, और अगर हम सूरत से आगे जा रहे हों और बिहार के लोगों से मिले बिना जाएं, तो लगता है यात्रा अधूरी रह गई है। इस दौरान उन्होंने गुजरात में रहने वाले बिहार के लोगों का अभिवादन किया। पीएम मोदी ने कहा, ''गुजरात में रहने वाले और खासकर सूरत में रहने वाले मेरे बिहारी भाइयों का हक बनता है, और इसलिए मेरी स्वाभाविक जिम्मेदारी भी बनती है कि आप लोगों के बीच आकर के इस विजयोत्सव के कुछ पल का मैं भी हिस्सा बनूं।''

'दुनिया भर में छाया है बिहार'- प्रधानमंत्री ने कहा कि बिहार के लोगों का राजनीति नहीं समझानी पड़ती है। बिहार के लोग दुनिया को राजनीति समझाते हैं। उन्होंने कहा कि बिहार ने जातिवादी राजनीति को नकार दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार आज दुनिया भर में छाया हुआ है। आप दुनिया में कहीं भी जाइए, बिहार का टैलेंट आपको नजर आएगा। उन्होंने कहा, ''आप भी जानते हैं और बिहार के लोग भी जानते हैं कि हम वो पार्टी हैं जब आपने हमें गुजरात में मुख्यमंत्री के रूप में भी काम दिया था तब भी हमारा एक मंत्र था कि भारत के विकास के लिए गुजरात का विकास। हमारी मूलभूत सोच रही है- नेशन फर्स्ट।'' पीएम मोदी ने कहा, ''पिछले दो साल से ये जमानती नेता बिहार में जाकर जातिवाद-जातिवाद का भाषण दे रहे थे। जितनी ताकत थी उन्होंने जातिवाद का जहर फैलाने की कोशिश की। लेकिन बिहार के इस चुनाव ने जातिवाद के इस जहर को पूरी तरह नकार दिया है।'' उन्होंने कहा, ''यही मंत्र हमारे लिए हिंदुस्तान का हर कोना, हिंदुस्तान का हर राज्य, हर भाषा-भाषी नागरिक... ये हमारे लिए पूजनीय है, वंदनीय है। इसलिए बिहार का भी गौरव करना, बिहार के सामर्थ्य को स्वीकार करना... ये हमारे लिए बहुत सहज बात है।''

'अब कांग्रेस को कोई नहीं बचा सकता'

प्रधानमंत्री ने कहा, ''ये देश मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस को अस्वीकार कर चुका है। कांग्रेस पार्टी में जो राष्ट्रीय विचारों से पले-बढ़े लोग हैं, ऐसे कांग्रेस का बहुत बड़ा वर्ग... नामदार के हरकतों से दुखी है। कांग्रेस को अब कोई बचा नहीं सकता है, ऐसी हालत हो गई है।''

स्वतंत्रता आंदोलन में ट्राइबल समाज के योगदान को भुला नहीं सकतेः पीएम मोदी

एजेंसी

नर्मदा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के नर्मदा में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित 'जनजातीय गौरव दिवस' कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जनजातीय गौरव हजारों वर्षों से हमारे भारत की चेतना का अभिन्न हिस्सा रहा है। स्वतंत्रता आंदोलन में ट्राइबल समाज के योगदान को हम भुला नहीं सकते हैं। नर्मदा में भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मां नर्मदा की ये पावन धरती आज एक और ऐतिहासिक आयोजन की साक्षी बन रही है। अभी 31 अक्टूबर को हमने यहां सरदार पटेल की 150वीं जयंती मनाई। हमारी एकता और विविधता को सेलिब्रेट करने के लिए भारत पर्व शुरू हुआ है। आज भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के इस भव्य आयोजन के साथ हम भारत पर्व की पूर्णता के साक्षी बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2021 में हमने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की थी। जनजातीय गौरव हजारों वर्षों से हमारे भारत की चेतना का अभिन्न हिस्सा रहा है। पीएम मोदी ने कहा, 'जब-जब देश के सम्मान, स्वाभिमान और स्वराज की बात आई, तो हमारा आदिवासी समाज सबसे आगे खड़ा हुआ।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने किए ठाकुर श्रीराधा गोविंद देवजी के दर्शन

एजेंसी

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत शनिवार को उत्पन्ना एकादशी के अवसर पर यहां ठाकुर श्रीराधा गोविंद देवजी मंदिर के दर्शन करने राजभोग झांकी में पहुंचे। मंदिर के महंत अंजन कुमार गोस्वामी महाराज ने डॉ. भागवत का चौखट पूजन करवाया। इसके बाद ठाकुर श्रीजी की ओर से आशीर्वाद स्वरूप उन्हें शॉल, दुपट्टा, प्रसाद, ठाकुर श्रीजी की छवि एवं श्री गोविंद धाम शिव मंदिर का लघु स्वरूप भेंट किया गया। महंत अंजन कुमार गोस्वामी ने मंदिर के इतिहास, परंपरा और महत्व की जानकारी भी उन्हें विस्तार से प्रदान की। उन्होंने डॉ. भागवत द्वारा किए जा रहे सनातन धर्म के विभिन्न सेवा कार्यों के लिए आभार व्यक्त करते हुए उन्हें आशीर्वाद दिया तथा हिंदू राष्ट्र परिकल्पना के आवाहन का संदेश भी प्रकट किया।

लालू की बेटी रोहिणी आचार्य ने छोड़ी राजनीति

● कहा- मैं अपने परिवार से भी नाता तोड़ रही हूं

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पुत्री रोहिनी आचार्या ने राजनीति छोड़ने का एलान किया है। इतना ही नहीं उन्होंने अपने परिवार से दूरी बनाने की भी घोषणा कर दी है। रोहिणी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से भी नाता तोड़ रही हूं। यह वही बात है जो संजय यादव और रमीज़ ने मुझसे कहने को कहा था। राजद की हार की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि मैं सारी ज़िम्मेदारी ले रही हूं। दरअसल, रोहिणी आचार्य, तेजस्वी यादव के करीबी संजय यादव की राजद में दखल से नाराज चल रही हैं। 18 सितंबर को भी उन्होंने किसी अन्य के सोशल मीडिया पोस्ट को शेयर करते हुए तेजस्वी यादव के साये बने राज्यसभा सांसद संजय यादव को निशाने पर लिया था। उन्होंने अपने भाई तेजस्वी यादव के करीबी सांसद संजय यादव को निशाना साधते हुए लिखा था कि लालू-तेजस्वी की जगह लेने की कोशिश करने वालों को देखना पसंद नहीं करती हैं। रोहिणी आचार्य ने जो शेयर किया था, उसमें लिखा था कि- 'फ्रंट सीट सदैव शीर्ष के नेता - नेतृत्वकर्त्ता के लिए चिन्हित होती है और उनकी अनुपस्थिति में भी किसी को उस सीट पर नहीं बैठना चाहिए .. वैसे अगर 'कोई' अपने आप को शीर्ष नेतृत्व से भी ऊपर समझ रहा है, तो अलग बात है।

'मेरे लिए मेरा आत्म-समान सर्वोपरि है'

इसके बाद फिर से रोहिणी ने अपने पिता लालू प्रसाद यादव को जीवनदान देने वाला फोटो-वीडियो शेयर करते हुए लिखा है- 'जो जान हथेली पर रखते हुए बड़ी से बड़ी कुर्बानी देने का जज्बा रखते हैं, बेखौफी-बेबाकी-खुद्दारी तो उनके लहू में बहती है। इतना ही नहीं उन्होंने यह भी लिखा था कि 'मैंने एक बेटी व बहन के तौर पर अपना कर्त्तव्य एवं धर्म निभाया है और आगे भी निभाती रहूंगी। मुझे किसी पद की लालसा नहीं है, न मेरी कोई राजनीतिक महत्वाकांक्षा है। मेरे लिए मेरा आत्म-सम्मान सर्वोपरि है।' अब रोहिणी की यह दोनों पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। रोहिणी के समर्थकों ने लिखा कि बिहार एक बेटी की यह कुर्बानी कभी नहीं भूलेगा। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के लिए आपने जो किया उसे भूला नहीं जा सकता। दूसरे समर्थक ने लिखा कि अपनी किडनी अपने पिता को देकर आपने उन्हें जीवनदान दिया।

सेना ने पहाड़ों के लिए बनाया नया मोनोरेल सिस्टम

● सिंधिया बोले- स्वदेशी प्रतिभा का प्रमाण

एजेंसी

दुर्गम हिमालयी। अरुणाचल प्रदेश के दुर्गम हिमालयी इलाकों में तैनात भारतीय सैनिकों के लिए बड़ी राहत देने वाला नवाचार सामने आया है। 16 हजार फीट की ऊंचाई पर सेना ने ऐसा स्वदेशी मोनोरेल सिस्टम तैयार किया है, जो बर्फ से ढके, खतरनाक और बिना सड़क वाले इलाकों में सप्लाई पहुंचाने के काम को पहले से कहीं तेज और सुरक्षित बनाएगा। यह सिस्टम किसी तकनीकी प्रयोगशाला में नहीं, बल्कि सीधे मैदान में सैनिकों की जरूरतों को देखते हुए विकसित किया गया है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने एक्स पर पोस्ट करते हुए इस स्वदेशी मोनोरेल सिस्टम की सराहना की और इसे भारत की इंजीनियरिंग क्षमता और आत्मनिर्भरता का उदाहरण बताया। यह सिस्टम अरुणाचल के कमेंग सेक्टर में गजराज/4 कॉर्प्स द्वारा विकसित किया गया है। यह मोनोरेल एक ट्रिप में 300 किलो से ज्यादा भार ढो सकती है, जो भोजन, दवा, गोला-बारूद और जरूरी उपकरणों को बेहद कठिन स्थानों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगा। हेलिकॉप्टर जहां नहीं पहुंच पाते, वहां यह सिस्टम अब सेना की नई ताकत बन गया है।

दिल्ली विस्फोट के बाद मीर बलूच बोले-

पाकिस्तान के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करे भारत

● मीर ने कहा कि ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा के लिए दिल्ली और काबुल को संयुत रूप से एक भारत-अफगानिस्तान-बलूचिस्तान त्रिपक्षीय समेलन की मेजबानी करनी चाहिए।

एजेंसी

क्वेटा। दिल्ली में लाल किला के पास हुए आतंकी धमाके और इसके बाद श्रीनगर में हुए विस्फोट को लेकर बलूच मानवाधिकार कार्यकर्ता मीर यार बलूच का बड़ा बयान सामने आया है। मीर ने कहा कि भारत में हुआ हमला पाकिस्तान की ओर से युद्ध का ऐलान है। मीर यार ने कहा कि पिछले 78 सालों में दुनिया को पाकिस्तान के साथ संबंध बनाए रखने से आतंकवाद, खूनखराबा, अस्थिरता, परमाणु हथियार, ब्लैकमेलिंग की रणनीति और देश की गिरती अर्थव्यवस्था को सहारा देने के बोझ के अलावा कुछ हासिल नहीं हुआ है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मीर ने कहा, 'पाकिस्तान एक ऐसा देश है जिसका इतिहास गढ़ा गया है, जिसकी अर्थव्यवस्था बलूचिस्तान के विशाल संसाधनों के दोहन से चलती है और जिसकी सेना ने आतंकवादी समूहों को बढ़ावा दिया और ट्रेनिंग दी, जिससे कभी न खत्म होने वाले संघर्ष का एक चक्र चलता रहता है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान एक बार फिर भारत में 1990 के दशक जैसी स्थितियां पैदा करने के लिए तैयार है।' उन्होंने आगे कहा, 'बलूचिस्तान के रक्षा विश्लेषकों ने निष्कर्ष निकाला है कि पाकिस्तान का आतंकवाद छोड़ने का कोई इरादा नहीं है और इसलिए जैसा कि इजरायल ने किया है, दिल्ली को भी बड़े पैमाने पर निर्णायक कार्रवाई पर विचार करना चाहिए। इजरायल एक साथ कई और अधिक शक्तिशाली देशों पर हमले करता रहता है, जबकि पाकिस्तान भारत से एक महीने तक भी लगातार टकराव नहीं झेल पाएगा। इसलिए भारत के लिए यह जरूरी है कि वह पाकिस्तान के आतंकवादी हमलों से शुरू हुए संघर्ष को निर्णायक रूप से समाप्त करे।' मीर ने यह भी कहा कि अफगानिस्तान में, भारत को बगराम के साथ-साथ कम से कम दस अतिरिक्त हवाई अड्डे बनाने चाहिए ताकि अफगानिस्तान की जमीन से

सैन्य अभियान शुरू किए जा सकें और उसे अपने हवाई क्षेत्र की सुरक्षा और पाकिस्तानी हवाई हमलों को रोकने के लिए डिफेंस सिस्टम और लंबी दूरी की मिसाइलें उपलब्ध करानी चाहिए। मीर ने जोर देते हुए कहा कि भारत को बलूचिस्तान और अफगानिस्तान, दोनों को आपातकालीन आधार पर खुले तौर पर रक्षात्मक और सैन्य सहायता प्रदान करनी चाहिए।

देश के हर मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल में अमृत फार्मेसी स्थापित की जाएगीः जेपी नड्डा

● अब तक 6.85 करोड़ से अधिक मरीज अमृत की सेवाओं से लाभान्वित हुए हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को देशभर में अमृत नेटवर्क के व्यापक विस्तार की घोषणा करते हुए कहा कि अब लक्ष्य है कि देश के हर मेडिकल कॉलेज और हर जिला अस्पताल में अमृत फार्मेसी उपलब्ध कराई जाए, ताकि सस्ती दवाओं की पहुंच हर नागरिक तक सुनिश्चित हो सके। नड्डा यहां भारत मंडपम में अमृत (उपचार के लिए किफायती दवाएं और विश्वसनीय प्रत्यारोपण) फार्मेसी के 10वें स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। नड्डा ने कहा कि वर्ष 2014 में मोदी सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ, सस्ती और सर्वसुलभ बनाने का संकल्प लिया था। इसी दृष्टि से जन औषधि और अमृत जैसी योजनाओं की परिकल्पना की गई, जिनका उद्देश्य नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण दवाएं रियायती दरों पर उपलब्ध कराना है।

उन्होंने बताया कि 2015 में शुरू हुए अमृत फार्मेसी कार्यक्रम ने आज एक दशक में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्तमान में देशभर में 255 अमृत आउटलेट कार्यरत हैं और निकट भविष्य में इन्हें बढ़ाकर 500 तक ले जाने का लक्ष्य

रखा गया है। यह नेटवर्क न केवल बढ़ रहा है बल्कि ज्यादा कुशल और मजबूत भी हो रहा है। नड्डा ने कहा कि अमृत फार्मेसी द्वारा 50 से 90 प्रतिशत तक की छूट पर दवाएं और इम्प्लांट उपलब्ध कराना बड़ी उपलब्धि है। अब तक 6.85 करोड़ से अधिक मरीज अमृत की सेवाओं से लाभान्वित हुए हैं। इसके अतिरिक्त 17 हजार करोड़ रुपये से अधिक की एमआरपी कीमत वाली दवाएं छूट पर प्रदान की गईं, जिससे मरीजों को कुल मिलाकर 8,500 करोड़ रुपये से अधिक की बचत हुई है। अमृत फार्मेसी के बारे में जन-जागरूकता बढ़ाना अत्यंत आवश्यक है, ताकि अधिक से अधिक नागरिक इस सुविधा का लाभ उठा सकें।

समारोह में नड्डा ने कहा, 'हम सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अमृत फार्मेसी नेटवर्क इसका सशक्त माध्यम है। एचएलएल पिछले 60 वर्षों से उत्कृष्ट सेवाएं दे रहा है और नया ईको-ग्रीन सिस्टम पूरी सप्लाई चेन को और अधिक स्मार्ट, तेज़ और कुशल बनाएगा।'

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के विजन और स्वास्थ्य मंत्री नड्डा के मार्गदर्शन में अमृत पहल की शुरुआत हुई थी, जिसका उद्देश्य था- हर नागरिक के लिए गुणवत्तापूर्ण दवाओं की सस्ती और समान पहुंच सुनिश्चित करना। उन्होंने कहा कि 'एचएलएल परिवार और अमृत नेटवर्क ने यह आश्वासन दिया है कि वे जोश, जुनून और जज़्बात- ऊर्जा और उत्साह के साथ इस नेटवर्क का निरंतर विस्तार, उन्नयन और सुदृढ़ीकरण करते रहेंगे। समारोह के दौरान नड्डा ने देशभर में 10 नए अमृत आउटलेट्स का उद्घाटन किया। इसके अलावा उन्होंने अमृत आईटी - इको ग्रीन वर्जन 2.0 नामक उन्नत डिजिटल प्लेटफॉर्म भी लॉन्च किया, जो संचालन में पारदर्शिता, गति और दक्षता में सुधार लाएगा। कार्यक्रम में भारतीय डाक के सहयोग से कस्टमाइज्ड माई स्टैम्प का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर अमृत के दशकभर की उपलब्धियों, सफलता की कहानियों और प्रभाव को दर्शाती कॉफी टेबल बुक जारी की गई। ग्रामीण क्षेत्रों में किफायती दवाओं की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से मोबाइल फार्मेसी वैन को भी हरी झंडी दिखाई गई।

चुनाव आयोग ने बिहार में मतदाता संया में बढ़ोतरी के कांग्रेस के सवालों पर दिया स्पष्टीकरण

● कोई भी पात्र मतदाता मतदान के अपने अधिकार से वंचित न रहे।

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा बिहार में कुल निर्वाचकों की संख्या में अंतर को लेकर उठाए गए सवालों पर चुनाव आयोग ने शनिवार को विस्तृत स्पष्टीकरण जारी किया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि 6 अक्टूबर को बताई गई संख्या और मतदान के बाद विज्ञप्ति में दर्शायी गई संख्या के बीच का अंतर निर्वाचन नियमों के अनुरूप वैध आवेदनों से जुड़े नए मतदाताओं के कारण हुआ है। आयोग के अनुसार, 6 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार द्वारा प्रेस नोट में बिहार में कुल निर्वाचकों की संख्या 7.42 करोड़ बताई गई थी। यह संख्या 30 सितंबर को विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद प्रकाशित अंतिम निर्वाचक सूची पर आधारित थी। उस तारीख तक

उपलब्ध आधिकारिक सूची में कुल 7.42 करोड़ मतदाता दर्ज थे। चुनाव की घोषणा के बाद भी निर्वाचन नियमों के अनुसार, प्रत्येक चरण में नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि से 10 दिन पूर्व तक पात्र नागरिक नया नाम जोड़ने के लिए आवेदन कर सकते हैं। बिहार चुनाव के लिए नामांकन की अंतिम तिथियां क्रमशः–पहला चरणः 17 अक्टूबर और दूसरा चरणः 20 अक्टूबर थी। आयोग ने बताया कि 01 अक्टूबर से लेकर दोनों चरणों में नामांकन की अंतिम तिथि से 10 दिन पूर्व तक बड़ी संख्या में आवेदन प्राप्त हुए। इन सभी आवेदनों की जांच की गई और जो भी आवेदन नियमों के अनुरूप पाए गए, उन्हें निर्वाचक सूची में शामिल किया गया। आयोग ने कहा कि इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र मतदाता मतदान के अपने अधिकार से वंचित न रहे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आर.के. सिंह भाजपा से निलंबित

एजेंसी

पटना। बिहार के आरा लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राज कुमार सिंह (आर.के. सिंह) को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के परिणाम घोषित होने के साथ ही पार्टी विरोधी गितिविधी में शामिल होने के आरोप में उन्हें भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से निलंबित कर दिया गया है। आर.के. सिंह के खिलाफ यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने प्रचंड बहुमत हासिल किया है, लेकिन कई सीटों पर आंतरिक कलह और बागी उम्मीदवारों के कारण पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा। आर.के. सिंह के खिलाफ यह कार्रवाई चुनाव प्रचार के दौरान और उसके आस-पास पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने की शिकायतें मिलने के बाद की गई है। आर.के. सिंह पर आरोप है कि उन्होंने चुनाव के दौरान पार्टी उम्मीदवारों के खिलाफ काम किया और सार्वजनिक रूप से कुछ ऐसे बयान दिए, जो गठबंधन और पार्टी के हितों के विरुद्ध थे। माना जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व ने उनकी गतिविधियों को अनुशासनहीनता मानते हुए यह सख्त फैसला लिया, ताकि संगठन में एक कड़ा संदेश दिया जा सके।

मुयमंत्री ने कैथल में रन फॉर यूनिटी के प्रतिभागियों का बढ़ाया हौसला

एजेंसी

कैथल। शनिवार सुबह एनआईआईएलएम यूनिवर्सिटी से कैथल तक निकाली जा रही रन फॉर यूनिटी में अचानक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का काफिला रुका। दरअसल मुख्यमंत्री शनिवार को हिसार के गांव खरक में पूनिया खाप द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में जा रहे थे। गांव कयोड़क के निकट सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में निकाली जा रही रन फॉर यूनिटी को देखकर मुख्यमंत्री ने अपना काफिला रुकवाया। वे अपनी गाड़ी से उतरे और पूर्व विधायक लीला राम सहित अन्य कार्यकर्ताओं से रन फॉर यूनिटी के रूट बारे जानकारी हासिल की। इसके साथ ही कार्यकर्ताओं का हाल-चाल जाना। उन्होंने सभी प्रतिभागियों का हौसला भी बढ़ाया।

टीवीके ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा, परामर्श बैठकों में शामिल करने की मांग

चेन्नई। तमिलागा वेट्री कज़गम (टीवीके) ने शनिवार को भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) को औपचारिक पत्र लिखा है। पत्र में आगामी 2026 तमिलनाडु विधानसभा चुनावों की तैयारियों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाने के लिए कहा गया है। टीवीके अध्यक्ष विजय ने सीईसी को पत्र लिखकर राज्य चुनाव आयोग द्वारा आयोजित राजनीतिक दलों की परामर्शी बैठकों में अपनी पार्टी को शामिल न करने पर कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में समावेशिता की कमी का प्रतीक बताते हुए तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। पत्र में विजय ने स्पष्ट किया कि टीवीके ने तमिलनाडु में अपनी मजबूत जमीनी उपस्थिति स्थापित कर ली है और पूरे राज्य में चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुकी है।

अनियंत्रित होकर कार डैम में गिरी, डूबने से 3 पुलिसकर्मियों की मौत, एक लापता

रांची (एजेंसी)। झारखंड की राजधानी रांची में एक दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां 4 पुलिसकर्मी हटिया डैम डूब गए। जिनमें से तीन का शव बरामद किया गया है। एक पुलिसकर्मी का पता नहीं लग पाया है। शनिवार सुबह चार पुलिसकर्मी कार से जा रहे थे। जब उनकी कार हटिया डैम के पास पहुंची तो अनियंत्रित हो गई और डैम में जा गिरी। यहां डैम में डूबने के बाद जब तलाश की गई तो 3 पुलिसकर्मियों के शव बरामद हुए। चौथे पुलिसकर्मी की भी मौत की आशंका है। हालांकि, अभी तक चौथे पुलिसकर्मी का शव बरामद नहीं किया गया है।मिली जानकारी के अनुसार, चारों पुलिसकर्मी कार से कहीं जा रहे थे, इस दौरान कार अनियंत्रित होकर डैम में जा गिरी और चारों डूब गए। चारों पुलिसकर्मियों में दो न्यायिक अधिकारी के बॉडीगार्ड थे और एक सरकारी ड्राइवर भी था। डैम में गाड़ी डूबने से सभी की मौत हुई है। इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले पुलिसकर्मियों की पहचान उपेंद्र कुमार और रॉबिन कुजू के रूप में हुई है। इस घटना के बाद तलाशी के दौरान गोताखों ने 2 हथियार भी बरामद कर लिए हैं।

राजस्थान :17 दिन के मासूम की 4 मौसियों ने मिलकर कर दी हत्या...पहले हाथ-पैर तोड़े फिर गला दबा दिया

जोधपुर (एजेंसी)। जोधपुर में 17 दिन के मासूम की नृशंस हत्या का मामला सुर्खियों में है। नवजात की 4 मौसियों पर बच्चे के मर्डर का आरोप है। चारों को हिरासत में लेकर पूछताछ हो रही है। बच्चे के पिता का आरोप है कि मासूम के पहले हाथ-पैर तोड़े फिर गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस मर्डर की जांच जादू-टोने के एंगल से भी कर रही है। मामला जोधपुर के नेहरू नगर कॉलोनी का है। रातानाडा एसएचओ रामकृष्ण ने बताया कि उन्हें हत्या की सूचना शनिवार सुबह करीब साढ़े पांच बजे मिली थी। जानकारी के अनुसार सांसियों की ढाणी गुजरावास की निवासी सुमन करीब डेढ़ महीने पहले डिलीवरी के लिए पीहर आई थी। पति पूनाराम ने बताया कि पत्नी ने 17 दिन पहले बच्चे को जन्म दिया था। शुक्रवार रात को सुमन बाथरूम में थी, तब उसकी चार बहनों ने उसके बेटे प्रत्युक्ष की हत्या कर दी।

हिमालय से आ रही बर्फीली हवाओं से राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तप्रदेश में लुढ़का पारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमालय से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण उत्तर और मध्य भारत के राज्यों के तापमान में गिरावट आई है। राजस्थान के कई जिलों में सीजन में पहली बार तापमान 5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा। सीकर, अलवर, फतेहपुर (सीकर) सहित 10 से ज्यादा शहरों में सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज हुआ। फतेहपुर (सीकर) में 5 डिग्री तापमान दर्ज हुआ है। बाड़मेर-फलोदी को छोड़कर सभी शहरों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। वहीं मध्यप्रदेश के भोपाल, इंदौर, उज्जैन, सागर, ग्वालियर और जबलपुर संभाग के शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के नीचे है। प्रदेश की राजधानी भोपाल में पिछले 7 दिन से कोल्ड वेव की स्थिति है। 15 और 16 नवंबर को प्रदेश के कई शहरों में कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया गया है। गुरुवार-शुक्रवार की रात शहडोल 7.2 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा रहा। शिवपुरी 8 डिग्री के साथ दूसरा सबसे ठंडा शहर रहा। उत्तर प्रदेश में ठंडी पछुआ हवाओं के कारण तापमान में तेजी से गिरावट आई है। कानपुर 8 डिग्री सेल्सियस के साथ सबसे ठंडा रहा। यूपी के 5 जिलों में पारा 10 डिग्री सेल्सियस के नीचे दर्ज हुआ है। इसकारण कोल्ड वेव सक्रिय हो गई है। वहीं पंजाब में न्यूनतम तापमान सामान्य से कम बना हुआ है, लेकिन बारिश की संभावना नहीं है। उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों में पाला गिरा है और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से नीचे है।

महिला के बैग में ड्रग्स मिला, मुंबई एयरपोर्ट पर 17 करोड़ रुपये की कोकीन ज़ब्त

मुंबई (एजेंसी)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की मुंबई क्षेत्रीय इकाई ने मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक विदेशी महिला के पास से 1.718 किलोग्राम कोकीन ज़ब्त की है। अंतरराष्ट्रीय बाज़ार में इसकी क़ीमत लगभग 17.18 करोड़ रुपये है। इस मामले में एक तंजानियाई महिला यात्री को गिरफ़्तार किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विशिष्ट गोपनीय जानकारी के अनुसार, डीआरआई अधिकारियों ने एंटेबे (युगांडा) से मुंबई पहुंची एक महिला से हवाई अड्डे पर पूछताछ की। उसके सामान की जाँच करने पर, दो खाने के पैकेट, एक प्लास्टिक कंटेनर, एक थैली और छर्रों में छिपा हुआ पाउडर के रूप में संदिग्ध पदार्थ मिला। जाँच के दौरान, अधिकारियों ने महिला यात्री द्वारा निगले गए दो कैप्सूल भी जब्त किए। एनडीपीएस फील्ड टेस्ट किट से जाँच करने पर पता चला कि सभी वस्तुओं में कोकीन है। इसके बाद, एनडीपीएस अधिनियम, 1985 के तहत पूरा सामान जब्त कर लिया गया और महिला को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। डीआरआई मामले की आगे की जाँच कर रही है और इस मामले में ड्रग्स के स्रोत, नेटवर्क और अन्य सहयोगियों की जाँच की जा रही है।

जनता की सेवा के लिए चुनाव जीतना जरूरी नहीं, चुनाव में हार के बाद बोले राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रशांत

समस्तीपुर (एजेंसी)। समस्तीपुर जिले के उजियारपुर से एनडीए समर्थित राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रशांत कुमार पंकज चुनाव हार गए है। उन्हें आरजेडी के आलोक मेहता ने 16283 वोट से हराया। रिजल्ट के बाद उन्होंने कहा कि चुनाव में हार जीत होती रहती है। जनता की सेवा के लिए चुनाव जीतना जरूरी नहीं है। उन्होंने कहा कि भले ही उजियारपुर से चुनाव हार गया हूं, लेकिन बिहार में हमारी सरकार बन रही है। जिस तरह से पहले जनता कि सेवा करता था, आगे भी करता रहूंगा, चुनाव में कहीं कुछ कमी रह गई होगी, उसकी हम आने वाले दिनों में समीक्षा करूंगा। उस कमी को दूर करने का प्रयास करुंगा, ताकि भविष्य में उनकी जीत संभव हो सके। पंकज ने कहा कि उजियारपुर की जनता ने मुझे पर भरोसा किया है, उन्हें 86424 मत मिले। जो कम नहीं हैं। हालांकि उनकी हार हो गई। इसकी वजह क्या रही, कहां पर चूक हुई। वरीय नेताओं के साथ बैठकर इसकी समीक्षा की जाएगी। वह जिस तरह से उजियारपुर के लोगों के लिए सहज उपलब्ध थे, उनके सुख-दुख के भागी बन रहे थे। वैसा ही कार्य आगे जारी रहेगा।

टीएमसी ने चेताया कहा- भाजपा का बिहार वाला गणित बंगाल में नहीं चलेगा

कोलकाता (एजेंसी)। बिहार में मिली प्रचंड जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक बयान टीएमसी ने कड़ी चेतावनी देते हुए पलटवार किया है। बिहार विधानसभा चुनाव में भारी जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि जैसे गंगा बिहार से होकर बंगाल तक जाती है, वैसे ही बिहार की जीत पश्चिम बंगाल में भाजपा की विजय का रास्ता बनाएगी। उन्होंने दावा किया कि आने वाले चुनावों में भाजपा बंगाल से भी 'जंगलराज' उखाड़ फेंकेगी। पीएम मोदी के इस बयान के बाद टीएमसी आगबबूला हो गई। टीएमसी के वरिष्ठ नेता कुणाल घोष ने कहा कि बंगाल में बीजेपी का सपना कछुए की तरह उल्टा पड़ा हुआ है और 2026 में भी ममता बनर्जी ही प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटेंगी। कुणाल घोष बोले, बिहार में आपने कांग्रेस जैसे दलों से लड़ाई लड़ी, लेकिन बंगाल में टीएमसी हर आरोप का जवाब देने के लिए तैयार है। बिहार का गणित बंगाल में नहीं चलेगा।

कुणाल घोष ने पीएम मोदी के जंगलराज वाले बयान पर भी जोरदार प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि बंगाल में कानून-व्यवस्था को लेकर केंद्र सरकार की आलोचना तथ्यहीन है। घोष ने कहा, जंगलराज बंगाल में नहीं है। जंगलराज लेफ्ट के दौर में था। आज सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश के सुरक्षित राज्यों में बंगाल का नाम है। अगर कहीं जंगलराज है तो वह उन राज्यों में है जहां बीजेपी शासन करती है, कश्मीर से लेकर उत्तर प्रदेश तक अपराध की घटनाएं सबके सामने हैं। उन्होंने यूपी के उन्नाव, हाथरस और प्रयागराज मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन्हीं घटनाओं से असली जंगलराज का पता चलता है- जहां दुष्कर्म पीड़ितों के परिवार पर हमला होता है, अपराधी मालाओं से स्वागत पाते हैं, और कानून व्यवस्था सत्ता के आगे बौनी हो जाती है। घोष ने कहा, बंगाल के लोग बीजेपी की नफरत की राजनीति को बार-बार खारिज कर चुके हैं। भाजपा की यहां विजय का सपना एक ऐसे कछुए की तरह है जो उल्टा होकर खुद उठ भी नहीं पा रहा। और सामने खड़ी है बंगाल टाइग्रेसेस-ममता बनर्जी। घोष ने दावा किया कि 2021 और 2024 दोनों चुनाव बीजेपी के लिए कड़वा अनुभव रहे हैं, लेकिन लगता है कि प्रधानमंत्री ने अब भी उन चुनावी हारों से कोई सबक नहीं लिया है। उन्होंने कहा, आप विधानसभा हारे, पंचायतों में हारे, लोकसभा सीटें भी गंवाईं। 2026 में भी नतीजा वही रहेगा। ममता बनर्जी 250 से ज्यादा सीटों के साथ चौथी बार मुख्यमंत्री बनेंगी।

टीएमसी ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह बंगाल की संस्कृति और भाषा पर लगातार हमला करती रही है। घोष ने कहा कि केंद्र सरकार ने बंगाल के 100 दिनों के काम का पैसा रोका, आवास योजना के फंड रोके और बंगाली भाषा का कई बार अनादर किया। उन्होंने कहा, बीजेपी ने बंगालियों का अपमान किया है, कभी बंगला भाषा को नीचा दिखाकर, कभी प्रदेश की बेटियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी कर। बंगाल ऐसे अपमानों का जवाब लोकतंत्र के माध्यम से देगा। टीएमसी का दावा है कि बीजेपी की बंगाल में जमीन लगातार सिकुड़ रही है और 2026 में पार्टी 2021 से भी कम सीटों पर सिमट सकती है। घोष ने कहा कि काम और संस्कृति के आधार पर बंगाल की जनता ममता बनर्जी को ही चुनेगी, और बीजेपी को लोकतांत्रिक जवाब मिलेगा।

मायावती को यूपी के बाद बिहार में भी लगा झटका, सिर्फ एक ही सीट मिली

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमो एवं उप्र की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को यूपी की ही तरह बड़ा झटका लगा है। बिहार में बसपा को केवल एक सीट पर विजय मिली है। बिहार में रामगढ़ विधानसभा क्षेत्र में बसपा के सतीश कुमार सिंह यादव और भाजपा के अशोक कुमार सिंह के बीच कांटे की टक्कर में, बसपा उम्मीदवार ने अपने प्रतिद्वंद्वी से मात्र 30 वोटों से जीत हासिल की। इससे पहले 2022 में यूपी में भी हुए विधानसभा चुनाव में बसपा को केवल एक सीट ही हासिल हुई थी। इस बार बिहार में बसपा ने जिन 192 सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से रामगढ़ एकमात्र सीट है जिस पर उसने जीत हासिल की। सतीश यादव को 72,689 वोट मिले, जबकि भाजपा उम्मीदवार को 72,659 वोट मिले। हालांकि मतगणना के दिन यादव शुरू से ही बढ़त बनाए हुए थे, लेकिन अंतर कम होता गया। मतगणना के दूसरे-आखिरी दौर तक, यादव केवल 175 वोटों से आगे थे। इस सीट का अंतिम परिणाम शुक्रवार देर रात घोषित किया गया। वहीं 2020 में बसपा ने 78 सीटों पर चुनाव लड़ा और केवल चैनपुर सीट जीती, हालाँकि उसके विजयी उम्मीदवार मोहम्मद जमा खान बाद में जदयू में शामिल हो गए। 2025 के चुनावों में बसपा ने 2020 के 1.49 प्रतिशत की तुलना में अपने वोट शेयर में 1.62 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। ऐसा इस बार उसके अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने के कारण भी हो सकता है। पार्टी के दो शीर्ष नेता, अध्यक्ष मायावती और उनके भतीजे एवं राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद, पार्टी के प्रचार अभियान के चेहरे थे। मायावती के नेतृत्व वाली पार्टी ने राज्य विधानसभा की 243 सीटों में से 192 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने लोनावला निवासी किरायेदार को बंगला खाली करने का दिया आदेश

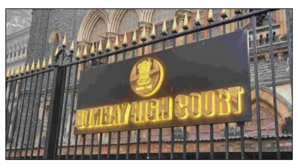

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई की हवा खराब होने के कारण बंगला खाली करने से इनकार करने वाले लोनावला में एक किरायेदार को बॉम्बे हाईकोर्ट ने 22 साल बाद बाहर का रास्ता दिखा दिया है। 2002 में, अपीलीय न्यायाधिकरण ने किरायेदार को परिसर खाली करने का आदेश दिया था। किरायेदार ने 2003 में हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर परिसर खाली करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगाने की मांग की थी। आखिरकार, 22 साल बाद, बॉम्बे हाईकोर्ट ने इस याचिका पर अपना अंतिम फैसला सुनाया है। जानकारी के अनुसार मकान मालिक ने लोनावला स्थित एक बंगले के कुछ कमरे मुंबई में रहने वाले एक व्यक्ति को किराए पर दिए थे। किरायेदार यहाँ स्थायी रूप से नहीं रहता, बल्कि कभी-कभी यहाँ आता है। इसलिए, मकान मालिक ने माँग की कि उसे परिसर खाली करने का आदेश दिया जाए।

इस बीच किरायेदार ने कोर्ट में यह दावा किया कि मुंबई की हवा हमारे स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त नहीं है। इसलिए, हम इस बंगले में केवल आराम करने आते हैं। अगर यह जगह खाली हो जाती है, तो लोनावला में कहीं और ऐसा घर मिलना संभव नहीं है। हमने मकान मालिक को पहले ही बता दिया था कि हम कभी-कभार यहाँ आएंगे। इसलिए, किरायेदार ने अदालत से जगह खाली करने के लिए दायर मालिक की अपील को रद्द करने का अनुरोध किया था। वहीं बंगला मालिक ने दावा किया कि मूलतः, यह किरायेदार यहाँ स्थायी रूप से नहीं रहता है। हमारा परिवार बहुत बड़ा है, हमारे रहने की जगह अब हमारे लिए पर्याप्त नहीं है। इसलिए, हम अपनी जगह वापस चाहते हैं, इसके लिए अपीलीय न्यायाधिकरण में माँग की गई थी कि किरायेदार को यह जगह खाली करने का आदेश दिया जाए, जिसे अपीलीय न्यायाधिकरण ने स्वीकार कर लिया और किरायेदार को यह जगह खाली करने का आदेश दिया। इसलिए, उच्च न्यायालय द्वारा इस पर लगाई गई रोक को रद्द करने के लिए अदालत में याचिका दायर की गई थी। इस मामले की सुनवाई न्यायाधीश मिलिंद साठे की एकल पीठ के समक्ष हुई। जिसमें किरायेदार ने अदालत के समक्ष जगह रखने के कई कारण बताए। उसे निम्न रक्तचाप की समस्या है। उसने एक अजीबोगरीब दावा यह भी किया था कि वह राहत पाने के लिए मुंबई से लोनावाला जाता है। हालाँकि, इस दावे में कोई सच्चाई नहीं है। क्या निम्न रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति इसे कम करने के लिए मुंबई से लोनावाला जा सकता है? आख़िरकार उच्च न्यायालय ने किरायेदार को परिसर खाली करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया है।

ओवैसी ने महागठबंधन को लताड़ा, कब तक अपनी गलतियों का ठीकरा... एसआईआर-ईवीएम पर फोड़ते रहेंगे

-सीमांचल के विकास के लिए बिहार सरकार के साथ सहयोग करेगी

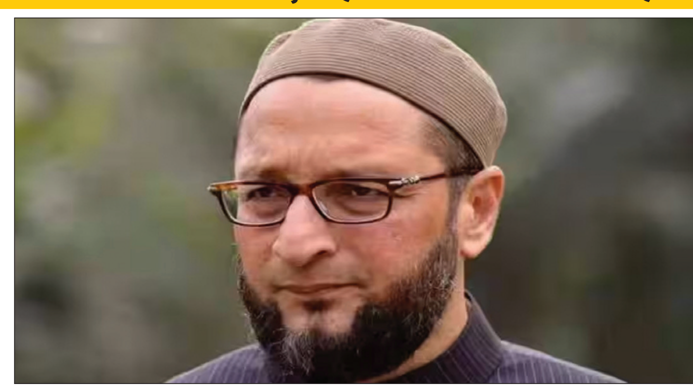

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार चुनाव के नतीजों में एनडीए ने प्रचंड जीत दर्ज की है। जीत इतनी प्रचंड हैं कि महागठबंधन सरकार बनाने के आंकड़ों के आसपास भी नहीं दिखाती है। वहीं एनडीए की इस सुनामी में भी एआईएमआईएम ने 5 सीटों पर परचम लहरा दिया है। बिहार चुनाव में विपक्ष के अप्रत्याशित नतीजों को लेकर एआईएमआईएम चीफ और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने महागठबंधन पर जमकर निशाना साधा है।

चुनाव नतीजों पर ओवैसी ने कहा कि विपक्ष को सोचना चाहिए कि आखिर वे क्यों बीजेपी को नहीं रोक पा रहे हैं? समाजवादी पार्टी प्रमुख और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने बिहार में महागठबंधन की हार का कारण एसआईआर बताया है। इस पर ओवैसी ने कहा, कब तक आप एसआईआर-ईवीएम पर बकवास बात करते रहने वाले है।

ओवैसी ने विरोधी दलों को सलाह देकर कहा कि एसआईआर-ईवीएम को छोड़कर ये देखना चाहिए कि कमजोरी कहां है? अगर आप ये सोचते हैं कि हम राजा हैं और वोटर हमारी प्रजा है, तब वहां जमाना अब चला गया है, जनता आपको वोट नहीं देगी।

बिहार में पार्टी के पांच सीटों पर मिली जीत पर ओवैसी ने कहा, हमारी पार्टी बिहार की जनता द्वारा दिए गए जनादेश का स्वागत करती है। हम मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बधाई देकर अपनी शुभकामनाएं देते हैं।

प्रेसवार्ता को संबोधित कर एआईएमआईएम ओवैसी ने कहा कि उनकी पार्टी सीमांचल के विकास के लिए बिहार सरकार के साथ सहयोग करेगी। उन्होंने कहा कि हमारा ध्यान सीमांचल में प्रगति लाने, बाल मृत्यु दर को कम करने और महिलाओं व बच्चों के लिए स्कूल, अस्पताल, पुल और उद्योग बनाने पर होगा। हम इस प्रयास में अपना पूरा सहयोग देने वाले है।

ओवैसी ने कहा कि 2022 में चार विधायकों को लालच देकर प्रतिद्वंद्वियों द्वारा विभाजन की साजिश रचने के बावजूद, हमारी पार्टी ने सीमांचल नहीं छोड़ा और घोषणा की कि वे अपनी लड़ाई जारी रखेगी। अपनी पार्टी के पांच विधायकों को चुनने के लिए सीमांचल के मतदाताओं को धन्यवाद देकर, ओवैसी ने कहा कि यह परिणाम देश भर के अल्पसंख्यकों को एक संदेश देगा। उन्होंने कहा कि मैं मुस्लिम समाज से फिर अपील करता हूं कि वे दूसरों के लिए सिर्फ वोटर न बनें, बल्कि नागरिक होने के नाते अपने अधिकार पाने के लिए नागरिक बनें।

पाकिस्तान से जुड़े हथियार और मादक पदार्थ तस्कर विशाल के खिलाफ चार्जशीट पेश

जयपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान से जुड़े हथियार और मादक पदार्थ तस्कर विशाल पचार के खिलाफ चार्जशीट पेश की है। जयपुर स्थित एनआईए की विशेष कोर्ट में चार्जशीट पेश की गई। चार्जशीट में खुलासा हुआ है कि भारत में ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से हथियार और ड्रग्स मंगाते थे। राजस्थान सहित तीन राज्यों में पचार ने नेटवर्क खड़ा किया था। पकड़े जाने से बचने के लिए आरोपी एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन और सीक्रेट रास्तों का इस्तेमाल किया था। चार्जशीट में मास्टर माइंड विशाल पचार पर यूए(पी) एक्ट, आर्म्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट और बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। चार्जशीट में खुलासा हुआ कि कथित तौर पर राजस्थान, हरियाणा और पंजाब जैसे उत्तरी राज्यों में मास्टर माइंड पचार ने नेटवर्क फैला रखा था। अवैध हथियार और मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क के तहत प्रतिबंधित हथियारों, गोला-बारूद और मादक पदार्थों की खरीद, ट्रांसपोर्ट और डिस्ट्रीब्यूट शामिल था। एनआईए की जांच के अनुसार, पाकिस्तान में मौजूद साथियों ने हथियार, गोला-बारूद और हेरोइन की सप्लाई में मास्टर माइंड पचार की मदद की। हाई पावर ड्रोन का यूज कर हथियारों व ड्रग्स की खेप को सीमावर्ती क्षेत्रों के पास भारत में गिराई जाती थी। गिरोह के बदमाशों की ओर से भारत में डिस्ट्रीब्यूशन के लिए इस लिया जाता था। एनआईए ने खुलासा किया है कि विभिन्न राज्यों के माध्यम से भारत में हथियारों और ड्रग्स की तस्करी के लिए एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन चैनलों और सीमा पार कूरियर (सीक्रेट रास्तों) का इस्तेमाल थे। एनआईए की जांच में अवैध हथियार सप्लायर और ड्रग्स तस्करों के बीच गठजोड़ मिला।

भारत के-5 बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण की तैयारी में, 5000 किमी है मारक क्षमता

-यह मिसाइल छिपकर और खतरनाक हमले कर सकती है, दुश्मन को नहीं चलेगा पता

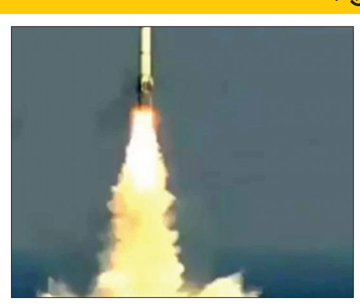

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने प्रोजेक्ट के-5 स्टेज-2 रॉकेट मोटर का स्टैटिक टेस्टिंग सफलतापूर्वक करने के बाद अब भारत के-5 बैलिस्टिक मिसाइल के परीक्षण की तैयारी कर रहा है। इस बैलिस्टिक मिसाइल की अनुमानित मारक क्षमता करीब 5000 किलोमीटर तक है। दुश्मन को पता भी नहीं चलेगा और उसपर पनडुब्बी के जरिए मिसाइल से हमला हो जाएगा। इसका निर्माण भारतीय रक्षा एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) कर रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस स्टेज-2 मोटर का परीक्षण 12 सितंबर, 2025 को नासिक स्थित एडवांस्ड सेंटर फॉर एनर्जेटिक मैटेरियल्स (एसईएम) में किया गया है, जिससे गहरे समुद्र में प्रमुख प्रणोदन प्रणालियों के प्रदर्शन की पुष्टि हुई। बता दें प्रणोदक एक ऐसा पदार्थ है जिसे किसी वस्तु को गति प्रदान करने के लिए बलपूर्वक बाहर निकाला या विस्तारित किया जाता है। भारत को चीन और पाकिस्तान जैसे देशों से मिलने वाली धमकियों का सामना करने के लिए लंबी दूरी की मिसाइलें एक मजबूत सेकंड स्ट्राइक कैपेबिलिटी प्रदान करती हैं। यह क्षमता भारत को किसी भी हमले की स्थिति में जवाबी कार्रवाई करने का भरोसा देती है।

एक रॉकेट मोटर को खास तौर पर तैयार किया गया है। इसकी लंबाई 2,680 मिमी और व्यास 2,490 मिमी है। यह मोटर एक खास तरह के प्रणोदक का इस्तेमाल करती है, जिसे एचडी 1.3 कंपोजिट प्रणोदक कहते हैं। यह प्रणोदक काफी शक्तिशाली होती है। इस खास बनावट से रॉकेट मोटर की दहन दक्षता को बेहतर बनाया गया है। के-5 मिसाइल, जिसे सागरिका और के-4 जैसी मिसाइलों के बाद सबसे शक्तिशाली माना जा रहा है, अब भारत की परमाणु रणनीति का अहम हिस्सा बन गई है।

यह मिसाइल 5000 किलोमीटर तक मार कर सकती है। इससे भारत चीन के बड़े शहरों और अहम ठिकानों को निशाना बना सकता है। यह भारत की रक्षा शक्ति को कई गुना बढ़ा देता है। के-5 मिसाइल गुप्त और घातक हमले करने की क्षमता प्रदान करती है। यह मिसाइल ऐसी क्षमताएं देती है जो छिपे हुए और खतरनाक हमले कर सकती है। समुद्र में छिपे दुश्मन को हवा तक भी नहीं लगेगा कि हमला कहां से हुआ।

यूपी सरकार का बड़ा फैसला, अब बिना फॉर्म भरे ही वृद्धजनों को मिलेगी पेंशन

-60 साल आयु के करीब पहुंच रहे व्यक्तियों को डिजिटल रूप से किया जाएगा ट्रैक

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी सरकार ने शुक्रवार को हुई कैबिनेट बैठक में वृद्धा पेंशन को लेकर बड़ा फैसला लिया है। इस फैसले के तहत अब राज्य में बिना फॉर्म भरे ही वृद्धजनों को पेंशन मिलेगी। यह पेंशन हर परिवार में 60 साल से ज्यादा उम्र के बुजुर्गों को दी जाएगी। अब तक यह पेंशन 67.50 लाख बुजुर्गों को मिल रही है। बैठक में कहा गया है कि एक परिवार एक पहचान, योजना के तहत हर परिवार के 60 साल के बुजुर्ग का डाटा सरकार के पास होगा। डाटा के आधार पर वृद्धावस्था पेंशन दी जाएगी। वृद्धा पेंशन के अलावा राज्य में कई अन्य बड़े फैसले भी लिए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक समाज कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि एक परिवार, एक पहचान प्रणाली के तहत परिवार पहचान पत्र के जरिए लाभार्थियों की स्वचालित रूप से पहचान की जाएगी और लाभार्थी की सहमति के बाद पेंशन स्वीकृत की जाएगी। उन्होंने कहा कि यह प्रणाली 60 साल की आयु के करीब पहुंच रहे व्यक्तियों को डिजिटल रूप से ट्रैक करेगी और एसएमएस, व्हाट्सएप या फोन कॉल के जरिए सहमति प्रक्रिया शुरू करेगी। जहां डिजिटल सहमति नहीं मिलेगी, वहां अधिकारी या स्थानीय सहायक लाभार्थियों से व्यक्तिगत रूप से संपर्क करेंगे।

असीम अरुण ने कहा कि सहमति के 15 दिनों के अंदर पेंशन स्वीकृति पूरी हो जाएगी और भुगतान सीधे आधार से जुड़े बैंक खाते में जमा कर दिया जाएगा। कैबिनेट ने दुकान एवं वाणिज्यिक प्रतिष्ठान अधिनियम को ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे राज्य में लागू करने के लिए संशोधनों को भी मंजूरी दे दी है। श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि संशोधित ढांचा छोटे प्रतिष्ठानों पर अतिरिक्त बोझ डाले बिना व्यापक श्रम सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

कैबिनेट ने 10 साल तक के किराये के समझौतों के लिए स्टांप शुल्क और पंजीकरण शुल्क में रियायत देकर किरायेदारी नियमों को सरल बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस कदम का उद्देश्य लिखित और पंजीकृत किराए के अनुबंधों को प्रोत्साहित करना और अनौपचारिक समझौतों से उत्पन्न विवादों को कम करना है। बयान में कहा गया है कि एक साल के लिए दो लाख रुपए के किराये के समझौतों पर स्टांप शुल्क घटाकर 500 रुपए कर दिया गया है।

बिहार: एनडीए की कामयाबी से धर्मेंद्र प्रधान का बढ़ा कद, अब भाजपा अध्यक्ष की रेस में होंगे आगे

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की शानदार जीत ने केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के राजनीतिक प्रबंधन कौशल पर एक बार फिर मुहर लगा दी है। भाजपा के एक अनुभवी चुनाव रणनीतिकार के रूप में जाने जाने वाले प्रधान ने बिहार की राजनीति से लंबे समय से गहरा जुड़ाव रखा है, जिसने इस जीत को संभव बनाया। अब माना जा रहा है कि इस कामयाबी से प्रधान का सियासी कद बढ़ा है और भाजपा अध्यक्ष की रेस में दो कदम आगे देखे जा रहे हैं।ओडिशा मूल के होने के बावजूद, उनके और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बीच निकटता अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दिनों से चली आ रही है।

2015 में भाजपा से अलग होने के बाद एक सरकारी कार्यक्रम में नीतीश कुमार ने उन्हें स्नेहपूर्वक सह-बिहारी कहा था। प्रधान के पिता देवेंद्र प्रधान भी वाजपेयी सरकार में राज्य मंत्री रह चुके हैं, जिससे दोनों परिवारों के बीच मजबूत संबंध कायम हुए।

धर्मेंद्र प्रधान का बिहार से जुड़ाव 2010 विधानसभा चुनाव से शुरू हुआ, जब उन्होंने राज्य में करीब दो महीने बिताए। 2012 में उन्हें बिहार से राज्यसभा भेजा गया, जिसने इस रिश्ते को और मजबूत किया। तब से अब तक वे बिहार के पांच बड़े चुनावों-दो लोकसभा और तीन विधानसभा-की रणनीति में अहम भूमिका निभा चुके हैं। 2014 में नीतीश कुमार के एनडीए से अलग होने पर प्रधान ने उन्हें पुनर्विचार की सलाह दी थी। 2022 में राजनीतिक अस्थिरता की अटकलें उठीं तो प्रधान ने ही कुमार से मुलाकात की। नीतीश के साथ उनका मजबूत तालमेल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा गृह मंत्री अमित शाह के साथ भरोसेमंद संबंध ने उन्हें बिहार चुनाव की जिम्मेदारी सौंपने में निर्णायक भूमिका निभाई। इस जीत ने उनका कद और ऊंचा कर दिया है।देश के सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले पेट्रोलियम मंत्री रहने के बाद अब वे शिक्षा मंत्रालय संभाल रहे हैं, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की विशेष रुचि वाला संवेदनशील मंत्रालय है। 2017 के बाद से प्रधान ने कई चुनावों में भाजपा को बड़ी जीतें दिलाईं। 2022 उत्तर प्रदेश चुनाव में उनकी रणनीति को जबरदस्त सफलता मिली। उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों में भी वे पार्टी की जीत के सूत्रधार बने। 2021 नंदीग्राम में भाजपा रणनीति की निगरानी की, हालांकि सीट ममता बनर्जी के हाथ चली गई। कर्नाटक में नुकसान हुआ, लेकिन उनके समग्र रिकॉर्ड पर इसका असर नहीं पड़ा।

ओडिशा और हरियाणा में बेहतर प्रदर्शन

अपने गृह राज्य ओडिशा में बीजू जनता दल (बीजेडी) के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाकर प्रधान ने न केवल खुद जीत हासिल की, बल्कि राज्य में भाजपा के विस्तार की नींव रखी। हाल ही में हरियाणा के कठिन चुनाव में भाजपा को जीत दिलाने से उनकी रणनीतिक क्षमता पर पार्टी का भरोसा और मजबूत हुआ, खासकर 2024 लोकसभा चुनाव की चुनौतियों के बाद। बिहार, उत्तर प्रदेश, ओडिशा और हरियाणा की जीतों से धर्मेंद्र प्रधान अब भाजपा के शीर्ष रणनीतिकारों में शुमार हो गए हैं। बिहार की यह जीत उनकी रणनीतिक यात्रा में एक और चमकदार अध्याय जोड़ती है। आने वाले चुनावों में उनकी भूमिका और विस्तृत होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, उनका नाम भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद की दौड़ में भी शामिल है। इस जीत ने साबित किया कि प्रधान की दूरदृष्टि और प्रबंधन कौशल एनडीए को लगातार मजबूती प्रदान कर रहे हैं।

मदरसे में छिपाए दस्तावेज.. दिल्ली में संचालक, टीम ने खतरनाक हालात में की कार्रवाई

संभल/ लखनऊ। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी पर छापेमारी के दौरान आयकर विभाग को एक मदरसे से कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले। जांच में कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद और दो की शाहीनबाग में मिली। आयकर विभाग अब चारों से पूछताछ की तैयारी कर रहा है। संभल में इंडिया फ्रोजन फूड कंपनी के ठिकानों पर आयकर विभाग के छापों के दौरान एक कथित मदरसे से दस्तावेज बरामद किए गए हैं। इस मदरसे में आयकर विभाग की टीम के पहुंचते ही वहां पढ़ रही लड़कियां बैग लेकर भाग गईं। हालांकि टीम ने कुछ घरों को चिह्नित कर बैग बरामद किए, जिसमें कंपनी के लेन-देन से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। वहीं छापे के दौरान कंपनी के दो संचालकों की लोकेशन दिल्ली के जामा मस्जिद इलाके में, जबकि अन्य दो की शाहीनबाग में पाई गई। आयकर विभाग अब चारों को तलब कर कानूनी शिकंजा कसने की तैयारी में है। दूसरी ओर कंपनी के स्लॉटर हाउस की जांच में पशुओं की निर्मम तरीके से कटान करने का खुलासा भी हुआ है। कंपनी को करीब 700 पशुओं के कटान की अनुमति दी गई थी, जबकि वहां पर एक हजार से अधिक पशुओं की कटान करने के पुख्ता प्रमाण मिले हैं। यह भी पता चला है कि गर्भवती भैसों और पड़वों को भी काटकर उनका मांस बेचा जा रहा था। आयकर विभाग इसकी गहनता से जांच करने के लिए पशु चिकित्सकों की रिपोर्ट, पशुओं की खरीद-फरोख्त से जुड़े दस्तावेजों और कंपनी द्वारा बेचे जा रहे मांस की मात्रा के आधार पर तथ्यों को जुटा रहा है। इसके बाद कंपनी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए संभल के जिला प्रशासन, नगर पालिका और उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को पत्र लिखा जाएगा। जांच में संभल में तैनात कुछ विभागों के अफसरों की कंपनी संचालकों के साथ मिलीभगत के प्रमाण भी हाथ लगे हैं। ये सभी कंपनी के गैरकानूनी कृत्यों को संरक्षण दे रहे थे। दरअसल, कंपनी के ठिकानों से मिली कुछ डायरियों में कोड वर्ड में अफसरों को भेजी गई घूस की रकम का जिक्र है, जिसकी दिवाली के बाद गहनता से जांच की जाएगी। वहीं दूसरी ओर अधिकारियों को कार्रवाई के दौरान यह सूचना भी मिली कि एक मस्जिद से आयकर विभाग की टीम को खदेड़ने का एलान किया गया है। जिसके बाद तत्काल एसपी संभल से संपर्क कर अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई। वहीं छापे के तीसरे दिन ड्यूटी समाप्त होने पर पीएसी बल वापस जाने लगा तो अधिकारियों के सामने दोबारा पत्र भेजकर फोर्स बुलाने की नौबत आ गई।

आम लोगों के जरिए रिश्वत ले रहा था एएसआई, दो गिरफ्तार

नई दिल्ली। महरौली थाने में तैनात एएसआई पप्पू राम मीणा आम नागरिक मोहम्मद शाकिब के जरिए रिश्वत ले रहा था। पुलिस की सतर्कता इकाई (विजिलेंस यूनिट) ने एएसआई पप्पू राम मीणा और आम नागरिक महरौली निवासी मोहम्मद शाकिब को शिकायतकर्ता से 5000 रुपये की रिश्वत लेते हुए बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया है। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि नेब सराय निवासी और भर्ती एवं प्लेसमेंट कंपनी में कार्यरत शिकायतकर्ता ने 18 सितंबर को सतर्कता शाखा में शिकायत दर्ज कराई। बताया कि 10 सितंबर को प्रॉपर्टी डीलर के साथ मामूली विवाद के बाद एएसआई पीआर मीणा उसका दोपहिया वाहन महरौली थाने ले गया। आरोप है कि एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता से बाइक छोडने के लिए 10,000 रुपये की रिश्वत मांगी। झगड़े के संबंध में एक पीसीआर कॉल महरौली पुलिस थाने में 10 सितंबर को प्राप्त हुई थी। महरौली थाने में तैनात एएसआई पीआर मीणा को जांच सौंपी गई। एएसआई पीआर मीणा ने शिकायतकर्ता की बाइक का ताला तोड़कर उसके घर से पुलिस स्टेशन ले आया। शिकायत के बाद महरौली पुलिस थाने में सतर्कता इकाई ने ट्रैप लगाया। एएसआई पप्पू राम मीणा ने शिकायतकर्ता को रिश्वत की पहली किस्त 5000 रुपये एक आम नागरिक मोहम्मद शाकिर को सौंपने का निर्देश दिया। मोहम्मद शाकिर को एएसआई ने महरौली थाने में बुलाया था। सतर्कता टीम ने मोहम्मद शाकिर और एएसआई पप्पू राम मीणा दोनों को गिरफ्तार कर लिया। एएसआई पप्पू राम मीणा के पास से रिश्वत में ली गई रकम बरामद कर ली गई।

हनी ट्रैप की साजिश रचने वालों पर मुकदमा

मसूरी। थानाक्षेत्र के एक गांव में रहने वाली महिला ने अपने बेटे के खिलाफ फर्जी तरीके से दुष्कर्म का केस दर्ज कराने का आरोप लगाते हुए तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि उनके बेटे के खिलाफ साजिश करने वाले आरोपी हनी ट्रैप गिरोह चलाते हैं। एसीपी मसूरी लिपी नगायच ने बताया कि 65 वर्षीय महिला ने अपने ही गांव के नजीर, करीम व नौशाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बताया कि उनका बेटा बी-फार्मा की पढ़ाई कर रहा है। आरोप है कि आरोपी हनी ट्रैप में लोगों को फंसाने का कार्य करते हैं। आरोपियों ने उनके बेटे को भी इसी तरह फंसाकर दुष्कर्म का झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। जबकि जिस मकान में दुष्कर्म किए जाने की बात बताई गई है, उस मकान में निर्माण कार्य चल रहा है। वहां निर्माण कार्य करने वाले लोगों ने इस प्रकार की किसी भी घटना के होने से इन्कार किया है। इतना ही नहीं जिस समय की घटना बताई गई है, उस दौरान उनका बेटा एक सीसीटीवी फुटेज में महज तीन मिनट के लिए दिखाई दिया है और उनके पीछे आरोपी एक लड़की के साथ जाते दिखाई दे रहे हैं। एसीपी ने बताया कि साक्ष्यों के आधार पर तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि युवती वीएम विद्युत इलेक्ट्रिक इंस्टालेशन, नोएडा की लेखा शाखा में नौकरी कर रही थी। वह 1 सितंबर से डीडीए फ्लैट में अकेले किराये पर रह रही थी।

युवती ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

नई दिल्ली। कालकाजी थाना इलाके में बृहस्पतिवार सुबह युवती ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है और न ही खुदकुशी के कारणों का पता लगा है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस उपायुक्त डॉ. हेमंत तिवारी ने बताया कि कालकाजी थाना पुलिस को 18 सितंबर को सुबह लगभग 7.31 बजे पीसीआर कॉल मिली थी। कॉलर ने बताया कि डीडीए जनता फ्लैट, कालकाजी में एक लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। पुलिस को ग्राम हरोई, जिला हरदोई, उत्तर प्रदेश निवासी आशी ठाकुर (24) फंदे पर लटकी मिली।

चांदनी चौक-दरियागंज और आसपास के बाजारों में फिर होने लगी चहल-पहल

नई दिल्ली। लाल किला धमाके के बाद दहशत में आई पुरानी दिल्ली अब धीरे-धीरे अपने पुराने रूप में लौटती दिख रही है। बृहस्पतिवार को चांदनी चौक, दरियागंज, अजमेरी गेट, चांदीवालान, अजमेरी गेट समेत अन्य इलाकों के बाजारों में फिर से चहल-पहल दिखाई दी। लोगों की आवाजाही बढ़ी और कारोबारियों के चेहरों पर भी कुछ राहत दिखी। सबसे खास बात तो यह रही कि लोग अपने परिवारवालों के साथ आए हुए थे। साथ ही, बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक सब चांदनी चौक के मशहूर जायके का लुफ्त उठाते नजर आए। दुकानों पर ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली। दुकानदारों का कहना है कि हालात अब सामान्य होते जा रहे हैं और बिक्री में भी पहले से सुधार हुआ

है। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था अभी भी कड़ी है लेकिन धीरे-धीरे पुरानी दिल्ली की गलियों में जिंदगी की रफ्तार लौटती नजर आ रही है। चांदनी चौक के मिठाई विक्रेता राजेश जैन ने बताया कि धमाके के बाद दो-तीन दिन तक सन्नाटा था। लोग डर के मारे घरों से नहीं निकल रहे थे लेकिन अब हालात पहले से बेहतर हैं। बृहस्पतिवार को काफी भीड़ रही। बिक्री भी अच्छी हुई। वहीं, दरियागंज में कपड़ों की दुकान चलाने वाले सलीम खान ने बताया कि बीते सोमवार की घटना के बाद तो दिल बैठ गया था। पुलिस हर जगह थी और ग्राहक गायब थे लेकिन अब माहौल बदल रहा है। दुकान में पुराने ग्राहक और नए चेहरे भी दिखाई दे रहे हैं। इससे हौसला बढ़ा है। पायवलान के इलेक्ट्रॉनिक सामान विक्रेता आकाश गुप्ता ने बताया कि पहले जितनी भीड़ नहीं है लेकिन अब लोग डरना छोड़ रहे हैं। परिवार के साथ घूमने आ रहे हैं। अगले हफ्ते तक कारोबार पूरी तरह सामान्य हो जाएगा। वहीं, चांदीवलान में रेहड़ी लगाने वाले मुन्ना लाल मुस्कुराते हुए बोले कि जब बच्चे गोलगप्पे खाने आने लगें तो समझ लो कि डर खत्म हो गया है। अब तो फिर वही पुरानी दिल्ली वाली रौनक लौट आई है। न्यू लाजपत राय मार्केट की तस्वीर अब भी अलग है। इलेक्ट्रॉनिक सामानों और गैजेट्स के लिए मशहूर यह बाजार वीरान पड़ा है।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए वीओसी निगरानी तंत्र की मांग

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय ओजोन दिवस पर मंगलवार को दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) में पर्यावरण वैज्ञानिक और नीति विशेषज्ञ जुटे। इसमें वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (वीओसी) की व्यापक निगरानी की तत्काल आवश्यकता, ओजोन परत और जन स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए मजबूत जलवायु कार्रवाई पर जोर दिया गया। वायु प्रदूषण से निपटने के लिए उन्नत वीओसी निगरानी तंत्र की मांग की गई। इस कार्यक्रम का विषय विज्ञान से वैश्विक कार्रवाई था। इसका आयोजन पर्यावरण विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की ओर से किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व अपर निदेशक डॉ. एसके त्यागी ने भारत के प्रमुख नगरीय केंद्रों में एक समर्पित वीओसी निगरानी तंत्र स्थापित करने के लिए ठोस प्रमाण प्रस्तुत किए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम के अंतर्गत 2019-2025 की अवधि में 11,211 करोड़ आवंटित होने के बावजूद केवल 68 फीसदी का ही प्रभावी उपयोग हुआ। क्षमता निर्माण और निगरानी जैसे महत्वपूर्ण घटकों को मात्र चार फीसदी आवंटन प्राप्त हुआ है, जिसे तत्काल बढ़ाना आवश्यक है। भारतीय नगरों में भूतल ओजोन प्रदूषण के चिंताजनक आंकड़े सामने आए हैं। दिल्ली में 2024 में 75 दिन घंटे भर के ओजोन मानदंड का उल्लंघन दर्ज किया गया। जबकि मुंबई में ऐसे दस दिन रहे। यह आंकड़े व्यवस्थित वीओसी पूर्वगामी निगरानी की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं। विशेषज्ञ डॉ. प्रतिमा सिंह ने कहा कि ओजोन सुरक्षा और जलवायु कार्रवाई की परस्पर संबद्ध प्रकृति पर बल दिया और कहा कि ओजोन क्षयकारी पदार्थों को चरणबद्ध रूप से समाप्त करने से पहले ही 0.5एष्टतक की वैश्विक तापवृद्धि को रोका जा चुका है। इस कार्यक्रम में डीटीयू कुलपति प्रो. प्रतीक शर्मा, कुलसचिव प्रो. नरेंद्र कुमार, पर्यावरण विज्ञान एवं आभियांत्रिकी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. गीता सिंह, संयोजक डॉ. राजीव कुमार मिश्रा सहित अन्य वक्ताओं के साथ संवाद किया। वक्ताओं ने बेहतर नीति वकालत, टिकाऊ शीतलन प्रौद्योगिकियों में वैज्ञानिक नवाचार और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का समर्थन करने वाले जीवनशैली विकल्पों का आह्वान किया।

यह केवल चेक नहीं, बल्कि सेवा, त्याग और समर्पण के प्रति दिल्ली सरकार की कृतज्ञता का प्रतीक है: सीएम रेखा गुप्ता

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन कर्मवीरों की निष्ठा और सेवाभाव दिल्ली के इतिहास के सबसे उज्ज्वल अध्यायों में दर्ज रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड पूरे विश्व के लिए सिर्फ एक स्वास्थ्य संकट नहीं था, बल्कि यह लाखों परिवारों के लिए एक व्यक्तिगत त्रासदी भी रहा। आज हम उन सभी दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने इस महामारी में अपने प्राण गंवाए। यह सहायता राशि कोई मुआवजा नहीं, बल्कि दिल्ली सरकार की संवेदना और समर्थन का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जब पूरा देश महामारी के भय और अनिश्चितता से जूझ रहा था, तब सरकार के डॉक्टरों, नर्सों, पैरामेडिकल स्टाफ, सफाईकर्मियों, शिक्षकों और अग्रिम पंक्ति के अन्य कर्मचारियों ने अपने जीवन को जोखिम में डालकर जनता की सेवा की। इन कर्मवीरों ने न केवल अपने कर्तव्य को निभाया, बल्कि मानवता और समर्पण की मिसाल कायम की। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इन कर्मवीरों के योगदान को सदा सम्मानपूर्वक याद रखेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह खेदजनक है कि पिछली सरकारों ने इन परिवारों की सहायता के विषय में उदासीनता दिखाई, जबकि यह उनके अधिकार में था और नियमों के अनुसार उन्हें यह राशि मिलनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि जब पूरी दुनिया घरों में बंद थी, तब हमारे डॉक्टर, नर्स, सफाईकर्मी, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य सरकारी कर्मचारी दिन-रात ड्यूटी पर डटे रहे। ऐसे में यदि उनके परिवारों को वर्षों तक उनका हक न मिल पाना, उनके साथ गंभीर अन्याय है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज वर्तमान की दिल्ली सरकार ने यह न्यायपूर्ण कदम उठाकर इन परिवारों को इनका अधिकार लौटाया है।

हथियार के मुख्य आपूर्तिकर्ता समेत छह गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी जिले में हथियार मुहैया करने वाले मुख्य आपूर्तिकर्ता समेत छह बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार पिस्टल और छह कारतूस बरामद किए हैं। जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि निहाल विहार इलाके में निलोठी-मीराबाग रोड पर खट्टा के पास एक युवक के हथियार लेकर घूमने की जानकारी मिली। 26 सितंबर को पुलिस ने वहां छापा मारकर निहाल विहार निवासी रवि को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से पुलिस ने दो पिस्टल और चार कारतूस बरामद किए। रवि ने पूछताछ में बताया कि उसने आयुष से हथियार खरीदे थे। पुलिस ने 27 सितंबर को निहाल विहार निवासी आयुष और दीपक को गिरफ्तार कर लिया। दो अक्तूबर को गंदा नाला पुलिया के पास से बागपत यूपी निवासी संजय को और निहाल विहार निवासी विपुल और गाजियाबाद यूपी निवासी ऋषभ पाल को गिरफ्तार कर लिया।

द्वारका में 40 फीसदी छूट के साथ उठाएं गोल्फ का आनंद

नई दिल्ली। डीडीए (दिल्ली विकास प्राधिकरण) ने गोल्फ प्रेमियों के लिए एक खास उत्सव सीजन ऑफर की घोषणा की है। इसके तहत द्वारका गोल्फ कोर्स (सेक्टर-24) में सभी श्रेणियों की टेन्योर मेंबरशिप और ग्रीन फीस पर 40 फीसदी छूट दी जा रही है। यह ऑफर सीमित अवधि के लिए है और पहले 1000 सदस्यों के लिए पहले आओ, पहले पाओ, के आधार पर उपलब्ध होगा। डीडीए के अनुसार योजना के तहत सरकारी कर्मचारियों के लिए तीन साल की मेंबरशिप अब 1.20 लाख और पांच साल की मेंबरशिप 1.80 लाख रुपये में मिलेगी। गैर-सरकारी सदस्यों के लिए यह शुल्क 3.60 लाख (3 साल) और 5.40 लाख (5 साल) के लिए निर्धारित किया गया है। द्वारका के सेक्टर-24 में स्थित यह 18-होल गोल्फ कोर्स 7377 गज में फैला है और 158 एकड़ में विशाल हरित क्षेत्रों के साथ देश का सबसे लंबा गोल्फ कोर्स है।

पड़ोसियों के झगड़े से शुरू मुकदमा बच्चों को पिज्जा बांटने पर खत्म

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने पड़ोसियों के बीच पालतू जानवरों के रखरखाव को लेकर हुए विवाद में एक अनोखा आदेश जारी किया है। न्यायमूर्ति अरुण मोंगा ने दोनों पक्षों द्वारा दर्ज क्रॉस एफआईआर को रद्द करने की शर्त पर उन्हें संयुक्त रूप से संस्कार आश्रम के बच्चों को पिज्जा बांटने का निर्देश दिया है। इसमें जीटीबी अस्पताल के पास स्थित संस्कार आश्रम के बच्चों, कर्मचारियों और अन्य स्टाफ को मिक्स वेजिटेबल पिज्जा और अमूल छाछ का टेट्रा पैक परोसना शामिल है। मानसरोवर पार्क इलाके में मामूली विवाद से शुरू झगड़े में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज करा दिया था।

फैक्टरी में लिफ्ट गिरने से कर्मचारी की मौत

नई दिल्ली। बवाना औद्योगिक क्षेत्र में सोमवार दोपहर फैक्टरी की लिफ्ट टूट कर गिरने से कर्मचारी की मौत हो गई। घटना के समय कर्मचारी राजेश (32) पांचवीं मंजिल पर लिफ्ट में सवार हुआ था। परिवार वालों ने फैक्टरी के सामने शव रखकर हंगामा किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने समझा बुझाकर लोगों को शांत कराया। पुलिस ने लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर लिया है और लिफ्ट गिरने के कारणों की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक मूल रूप से बिहार के समस्तीपुर निवासी राजेश बवाना पत्नी नीतू देवी, बेटा और बेटी के साथ रहते थे। वह सात साल से बवाना औद्योगिक क्षेत्र स्थित एमसीसी बॉक्स बनाने की फैक्टरी में काम करते थे। राजेश के बहनोई अनोज शाह ने बताया कि सोमवार करीब साढ़े तीन बजे उन्हें पुलिस से राजेश के घायल होने की जानकारी मिली। वाल्मीकि अस्पताल पहुंचने पर पता चला कि डॉक्टरों ने राजेश को मृत घोषित कर दिया है। घटनास्थल पर पता चला कि काम करने के दौरान राजेश पांचवीं मंजिल पर थे। इसी दौरान नीचे मौजूद कर्मचारियों ने लिफ्ट से सैंपल भेजने की बात कही। लिफ्ट के खुलते ही वह सैंपल निकालने लगे। इसी दौरान राजेश सहित लिफ्ट अचानक नीचे गिर गया। शुरुआती जांच में पता चला कि लिफ्ट का तार टूटने की वजह से हादसा हुआ है। उधर शव मिलने के बाद परिवार वाले उसे लेकर फैक्टरी के बाहर रखकर हंगामा करने लगे। परिवार वालों ने मुआवजे की मांग की। मालिक ने पीड़ित परिवार को मुआवजा देने की बात कही है। उसके बाद परिवार वालों ने शव का अंतिम संस्कार किया।

क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को मारी टक्कर, एक की मौत

नई दिल्ली। शाहदरा जिला के जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर मंगलवार तड़के क्रेटा कार चालक नाबालिग ने मारुति वैन को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि वैन के साथ-साथ क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। हादसे में वैन में पिछली सीट पर बैठे एक युवक की मौत हो गई। मृतक की शिनाख्त चंदन कुमार (48) के रूप में हुई है। हादसे में उसके साथ वैन में मौजूद साथी नीरज, सुमित और हिमांशु मामूली रूप से जख्मी हो गए। इनको जीटीबी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने चंदन का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है। पुलिस ने जीटीबी एन्क्लेव थाने में मामला दर्ज कर आरोपी 17 वर्षीय नाबालिग को हिरासत में ले लिया है। देर रात उसके साथ क्रेटा में उसके चार दोस्त भी मौजूद थे। गनीमत यह रही कि हादसे में किसी को चोट नहीं लगी। पुलिस नाबालिग की सही उम्र का पता

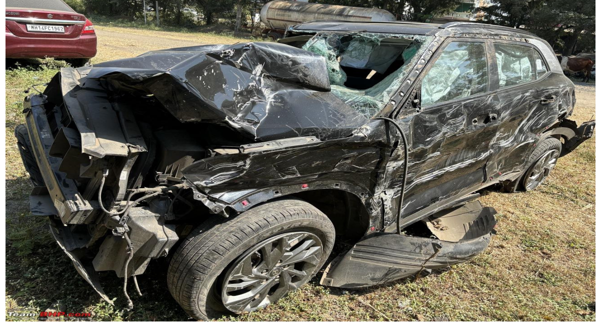

लगाने का प्रयास कर रही है। इस बात का भी पता किया जा रहा है कि नाबालिग ने शराब तो नहीं पी हुई थी। जिला पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया के चंदन कुमार अपने परिवार के साथ गांव साहिबाबाद, गाजियाबाद में रहते थे। इनके परिवार में पिता महेश कुमार के अलावा छोटा भाई, पत्नी और एक बेटा व बेटी है। चंदन कौशांबी के एक सिनेमा हॉल में काम करते थे। अक्सर उनकी नाइट शिफ्ट होती थी। सिनेमा हॉल की ओर से घर पहुंचाने के लिए देर रात को स्टाफ के लिए मारुति वैन उपलब्ध करवाई जाती थी। चंदन ड्यूटी खत्म करने के बाद बाकी स्टाफ नीरज, सुमित और हिमांशु के साथ देर रात घर के लिए निकले थे। चारों स्टाफ को लेकर चालक जीटीबी अस्पताल की लालबत्ती पर पहुंचा। इसी दौरान लालबत्ती तोड़कर क्रेटा कार ने वैन को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में वैन के अलावा क्रेटा के भी परखच्चे उड़ गए। राहगीरों ने घायलों को निकालकर जीटीबी अस्पताल भेजा, जहां चंदन को मृत घोषित कर दिया गया। उसके सिर में गंभीर चोट लगी थी। बाकी स्टाफ को मामूली चोटें थीं। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने क्रेटा कार को कब्जे में ले लिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से मामले की छानबीन कर रही है।

NAME CHANGE

It is for general information that I, DINDAYAL KAPIL S/o BANWAR LAL KAPIL, R/o RZ-12 G, Gali No. 3, Gandhi Market, New Delhi, West Sagar Pur, South West Delhi, Delhi - 110046, declare that name of mine has been wrongly written as DIN-DAYAL in my PPO No. 08/14/8/05982/1994. The actual name of mine is DINDAYAL KAPIL, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYUR-DHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

I Jyoti pal W/O Sunil Kumar R/O WZ-125, Village Begumpur, North West Delhi , -110086.declare that name of mine has been wrongly written as Jyoti in my minor Daughter Yashika aged 14 years in her school cords and birth certificate no MCDOLR09368299 .The actual my name is Jyoti Pal.

NAME CHANGE

I, PUNNAM DEVI Wife of No-14913053K Rank-HAV Name-NARENDER SINGH R/O C-7, LAXMI GARDEN, NAJAFGARH, NEW DELHI-110043 have changed my name from PUNNAM DEVI to POON-AM DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Executive Magistrate, Delhi.

NAME CHANGE

I, NEETAS DEVI Wife of No-3204848W Rank-HAV Name-DHARMENDRA SINGH R/O VILL-BISHUNDAS, PO-MURSAN, DISTT-HATHRAS, U.P-204213 have changed my name from NEETAS DEVI to NITESH DEVI for all future purposes vide Affidavit Dated 30/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE

I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affi-davit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Sudama Sharma S/O Devi Ram Sharma,R/O A - 3/106 - 107 , Sector-16 Rohini, Rohini Sector 15, North West Delhi, Delhi - 110089, have changed the name of my minor son namely Yash Sharma aged 15 years and he shall hereafter be known as Aayush Sharma.

NAME CHANGE

I, SIDDHARATH RANA S/O BHAG-WAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

PUBLIC NOTICE

Information is given to general pub-lic at large that our client M/s Aspire Buildwell through prop. Mr. Karan Dudeja S/o Mr. Satish Kumar Dudeja is the owner of Freehold Residential Plot area measuring 309.49 sq. mtrs., out of Khata No. 195, Khasra No. 233K (87 sq. mtrs.,), & Khasra No. 236 (222.5 sq. mtrs.,), & Plot area measuring 108.69 sq. mtrs., out of Khasra No. 232Kh, Situated at Village - Jalpura, Pargana & Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar, U.P: Vide Sale Deed dated 03/05/2023 duly registered in the office of SR Dadri, as Doc No. 15787, Book No. 01, Vol No. 23442, Page Nos. 309-330 & Sale Deed dated 03/05/2023 duly registered in the office of SR Dadri, as Doc No. 15786, Book No. 01, Vol No. 23442, Page Nos. 287-308, it is stated that Mr. Rakesh Chandra Aggarwal & Mr. Rakesh Baranwal had purchased above said property as HUF but further they have sold invaluably, now our client is declar-ing that any other person does not have any right over the said proper-ty, which is to be financed by ICICI Home Finance Co. Ltd. Branch: Laxmi Nagar, Delhi. If any per-son(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by any one. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, NIDHI AGGARWAL YADAV D/o VIRENDER KUMAR AGGARW-AL, and Ex. Wife of AMIT YADAV, R/o H.No E-12, Hauz Khas, South West Delhi-110016, declare that I got divorce from my Ex. Husband AMIT YADAV vide Court Decree HMA No. 603/2019 dated 30 - 04-2019, further I have changed my name and shall hereafter be known as NIDHI AGGARWAL. I also have changed the name of my minor Son namely AAYAN YADAV, aged 16 years and my minor daughter namely ARSHIYA YADAV, aged 13 years and they shall hereafter be known as AAYAN AGGARWAL and ARSHIYA AGGARWAL respec-tively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE

I Suvita Rana(d/o.Shri Omvir Singh) wife of Vikram Singh Rana was Suvita Rani before Marriage. After marriage I am also known as Suvita Rana and as such in my daughter's educational certificate my name (as her mother) is endorsed as Suvita Rana. Thus I affirm and confirm that Suvita Rani (my maiden name) and Suvita Rana (my name having sur-name of my husband Vikram Singh Rana) is the same person.

NAME CHANGE

I, HASINA BEGAM KHAN W/O SALIM IQBAL KHAN R/O TAURU ROAD, MARIA MANJIL SCHOOL ,ARAVALY COLONY, NUH, MEWAT, HARYANA-122107 HAVE CHANGED MY NAME TO HASINA BEGAM FOR ALL PURPOSE.

PUBLIC NOTICE

MY CLIENT NARENDER PAL AGARWAL, S/O, LATE SARDARI LAL AGARWAL AND NEETU AGARWAL W/O NARENDER PAL AGARWAL BOTH R/O H.NO. 49, NARELA ROAD, BAWANA, NEAR STATE BANK OF INDIA, NEW DELHI, PRESENTLY AT H.NO.122, WHITE HOUSE APARTMENT, SECTOR-13, ROHINI, NEW DELHI- 110085, HAVE DEBARRED THEIR SON NIKHIL AGARWAL AND HIS WIFE ANCHAL AGARWAL FROM THEIR ALL MOVABLE- IMMOV-ABLE PROPERTIES AND SHALL NOT HAVE ANY RIGHT, TITLE OR INTEREST IN MOVEABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES AND SEVERED ALL THEIR RELATION DUE TO MISCONDUCT AND DIS-OBEDIENT. ANYBODY DEALING WITH THEM SHALL BEAR AT THEIR OWN COST, RISK & CON-SEQUENCES

PINKI LAMBA MANN
ADVOCATE
OFF. A-205A, NORTH EX.MALL, SECTOR-9, ROHINI, NEW DELHI

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मोहम्मद इस्लाम निवासी 18 ऑफिसर्स ब्लॉक, पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201001** ने **CC No. 9889/2022 U/S 138 NI act, अन्तर्गत थाना द्वारका उत्तर, नई दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद इस्लाम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मोहम्मद इस्लाम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **CC No. 9889/2022 U/S 138 NI act, अन्तर्गत थाना द्वारका उत्तर, नई दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मोहम्मद इस्लाम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **16.12.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री नंदिनी शर्मा
मुख्य महानगर दण्डाधिकारी
दक्षिण-पश्चिम, एनआई अधिनियम विशेष न्यायालय
द्वारका न्यायालय, नई दिल्ली

DP/15261/DW/2025(Court Matter)

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणाः ग्रुप-डी कर्मचारियों की नियुक्ति से तबादले तक एक ही प्राधिकरण लेगा निर्णय

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने ग्रुप-डी कर्मचारियों से जुड़े मामलों को जल्द निपटाने के लिए एक बड़ी प्रशासनिक पहल की है। हरियाणा ग्रुप-डी कर्मचारी (भर्ती एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम, 2018 और हरियाणा सरकारी राजपत्र (21 दिसंबर, 2023) के आधार पर जारी नए निर्देशों के तहत अब मानव संसाधन विभाग के महानिदेशक को नियुक्तिकर्ता प्राधिकरण घोषित किया गया है।सरकार की तरफ से जारी निर्देश के अनुसार ग्रुप-डी कर्मियों की नियुक्ति, त्यागपत्र, स्थानांतरण और अनुशासनात्मक कार्रवाई जैसे महत्वपूर्ण निर्णय अब इसी प्राधिकरण से होकर गुजरेंगे। सरकार ने स्पष्ट किया है कि मानवीय आधार पर नियुक्ति के सभी प्रकरणों की जांच हरियाणा मानवीय आर्थिक सहायता अथवा नियुक्ति नियम, 2019 के अनुसार की जाएगी। हर केस का सत्यापन एचएसएस (हरियाणा प्रशासनिक सेवा) कैडर के अधिकारी द्वारा किया जाएगा।28 मार्च, 2018 या उसके बाद नियुक्त हुए सभी कॉमन कैडर ग्रुप-डी कर्मचारियों के त्यागपत्र वाले प्रकरणों को नियंत्रण अधिकारी या विभाग के माध्यम से सीधे मानव संसाधन विभाग तक भेजा जाएगा। सरकार ने चेतावनी दी है कि अनावश्यक देरी वाले मामलों की जिम्मेदारी संबंधित कार्यालय पर तय होगी। पत्र में सभी प्रशासनिक सचिवों और विभागाध्यक्षों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि इन नए नियमों को पत्र और भावना दोनों रूपों में लागू किया जाए।

नशा तस्करों का सिरसा से पूर्ण सफाया करना पुलिस का मुख्य उद्देश्यः एसपी

सिरसा। सिरसा के पुलिस अधीक्षक दीपक सहारण ने कहा कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे महायुद्ध में आमजन का सहयोग अति आवश्यक है, इसलिए सिरसा पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे इस महा अभियान में प्रत्येक नागरिक को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी, तभी हम नशा मुक्त समाज की कल्पना कर सकते है। एसपी दीपक सहारण सिरसा जिले के ऐलनाबाद कस्बे में एक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में पस्थित विभिन्न गांव से आए हुए पंच, सरपंच, युवाओं व उपस्थित छात्र-छात्राओं तथा अन्य गणमान्य लोगों को संबोधित कर रहे थे।

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नशे के खिलाफ चलाए जा रहे महा अभियान के तहत सिरसा पुलिस ने पिछले 15 दिनों में ताबड़तोड़ कार्रवाई करते हुए 43 नशा तस्करों को जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया है। हमारी कार्रवाई निरंतर जारी है, नशा तस्करों में संलिप्त लोगों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नशा मुक्त समाज के लिए प्रत्येक व्यक्ति को आगे आकर अग्रणी भूमिका निभानी होगी।

पेयजल संकट से गुस्साए ग्रामीणों ने जड़ा जलघर को ताला, की नारेबाजी

हिसार। क्षेत्र के गांव मिंगनीखेड़ा में पीने के पानी का संकट गहरा गया है। ग्रामीणों का कहना है कि जलघर की सफाई और मरम्मत सालों से नहीं हुई है, जिसके चलते सप्लाई होने वाला पानी दूषित हो गया है। गंदा पानी पीने से गांव में पीलिया रोग तेज़ी से फैल रहा है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर बड़ा खतरा पैदा कर दिया है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने बार-बार प्रशासन और पानी सप्लाई विभाग से शिकायत की, यहां तक कि सामाजिक संगठनों ने मुख्यमंत्री कार्यालय में भी शिकायत दर्ज कराई लेकिन अधिकारियों ने गलत रिपोर्ट पेश कर मामले को दबा दिया जिससे स्थिति जस की तस बनी रही। जिम्मेदार विभागों की लगातार अनदेखी से नाराज़, गांव के लोगों ने एक बड़ा कदम उठाया और लायंस यूथ क्लब और ग्राम पंचायत मिंगनी खेड़ा के नेतृत्व में सैकड़ों ग्रामीण जलघर पर एकत्रित हुए और एकजुट होकर, ग्रामीणों ने जलघर पर ताला जड़ दिया और प्रशासन के खिलाफ अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। इस विरोध प्रदर्शन में गांव के सरपंच जंगबहादुर, यूथ क्लब प्रधान विशाल बच्ची, सामाजिक कार्यकर्ता नवनीत कड़वासरा, ओमप्रकाश और अन्यपंच तथा क्लब सदस्य मौजूद थे। ग्राम पंचायत और लायंस यूथ क्लब ने कड़ी चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द पीने के पानी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया तो विरोध प्रदर्शन को और भी बड़ा रूप दिया जाएगा।

अवैध हथियार के बल पर मोबाइल फोन लूटने के दोषी को सात साल की कैद

गुरुग्राम। अवैध हथियार के बल पर मोबाइल फोन लूटने के एक दोषी को यहां की एक अदालत ने दोषी करार दिया। दोषी को अदालत ने गुरुवार को सात साल की कैद (कठोर कारावास) व जुर्माने की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार 27 जुलाई 2020 को थाना उद्योग विहार गुरुग्राम की पुलिस टीम को एक व्यक्ति ने लिखित शिकायत दी थी। शिकायत में कहा था कि 26 जुलाई को राम चौक गांव डूंडाहेड़ा से बाइक सवार द्वारा पिस्टल दिखाकर मोबाइल फोन लूटकर लिया। इस शिकायत पर पुलिस थाना उद्योग विहार गुरुग्राम में केस दर्ज किया गया। पुलिस ने इस वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी विनोद कुमार निवासी गांव इटोली, जिला अलवर (राजस्थान) को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम द्वारा आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद मामले की गहबनता से जांच की। आरोपी के खिलाफ सभी आवश्यक साक्ष्य व गवाह एकत्रित करके अदालत में पेश किए गए। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस द्वारा इस मामले में अदालत में दाखिल की गई चार्जशीट व पुलिस द्वारा एकत्रित किए गए साक्ष्यों व गवाहों के आधार पर अदालत ने गुरुवार को आरोपी को दोषी करार दिया। एडिशनल सेशन जज संदीप चौहान की अदालत ने दोषी विनोद को सात साल की कैद (कठोर कारावास) व 25 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने ज़ब्त वाहनों की डिजिटल डॉक्यूमेंटेशन का दिया आदेश

दशकों तक थानों में खड़े रहने की प्रथा पर लगाम

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश जारी करते हुए पुलिस द्वारा ज़ब्त किए गए वाहनों की डिजिटल डॉक्यूमेंटेशन को अनिवार्य कर दिया है। अदालत ने चेताया है कि वर्षों तक पुलिस थानों में वाहनों को बेकार खड़ा रहने से उनके मूल्य में कमी आती है और पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि समाधान वाहनों के डिजिटल रिकॉर्ड में है, न कि उन्हें थानों में सड़ने के लिए छोड़ देने में। अदालत के आदेश की मुख्य बातें : डिजिटल रिकॉर्डिंग अनिवार्यः जांच अधिकारी (SHO) और थाना प्रभारी (SHO) को ज़ब्त किए गए वाहन की सभी दिशाओं से उच्च गुणवत्ता वाला वीडियो बनाना

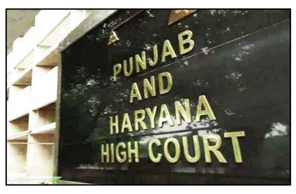

अनिवार्य होगा। इसमें इंजन और चेसिस नंबर भी शामिल होने चाहिए। ऑनलाइन अपलोडिंगः सभी डिजिटल फोटो और वीडियो संबंधित जांच एजेंसी की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किए जाने चाहिए, ताकि उन्हें सुरक्षित और स्थायी रूप से संरक्षित किया जा सके। समयबद्ध वाहन रिहाई : अदालत ने निर्देश दिया कि वाहनों की रिलीज़ प्रक्रिया को 60 दिनों के भीतर पूरा किया जाए। ऐसा न करने पर आदेश अपने आप निरस्त माना जाएगा। सबूत के रूप में डिजिटल रिकॉर्ड : अदालत ने कहा कि ट्रायल के दौरान पहचान के लिए डिजिटल सबूत पर्याप्त हैं, क्योंकि लंबे समय तक रखे जाने से वाहन की भौतिक स्थिति खराब हो जाती है और उसकी पहचान मुश्किल हो जाती है।

वाहन मालिक के अधिकार : स्वामित्व सत्यापित होने पर वाहन मालिक शपथपत्र देकर वाहन की रिहाई पा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के मूल दस्तावेज की एक प्रमाणित प्रति रिकॉर्ड हेतु रख ली जाएगी और मूल दस्तावेज वापस कर दिए जाएंगे। इसके बाद मालिक चाहे तो वाहन में बदलाव भी कर सकता है। यह आदेश पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ के सभी न्यायिक अधिकारियों को तत्काल लागू करने के लिए भेजा गया है। यह केवल उन वाहनों पर लागू होगा जो किसी विधिक प्रावधान के तहत जब्ती के अधीन नहीं हैं।

हाईकोर्ट का यह निर्णय आधुनिक डिजिटल प्रक्रियाओं को बढ़ावा देता है और वाहन मालिकों के हितों की रक्षा करते हुए न्याय प्रक्रिया को अधिक संवेदनशील और व्यवहारिक बनाता है।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने शहीदी यात्रा में लगाए 'जो बोले सो निहाल' के जयकारे

एजेंसी

अंबाला। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने आज अम्बाला में श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें साला शहीदी दिवस को समर्पित शहीदी यात्रा में शामिल होते हुए गुरू जी का आशीर्वाद लिया और यात्रा को दिल्ली के लिए रवाना किया। उन्होंने 'जो बोले सो निहाल' के जयकारे लगाते हुए श्रद्धालुओं में जोश का संचार किया। इस अवसर पर दिल्ली सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के प्रधान एवं अन्य पदाधिकारियों ने मंत्री अनिल विज को सिरोपा एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

गौरतलब है कि यात्रा दिल्ली में गुरुद्वारा श्री शीशगंज साहिब में सम्पन्न होगी। इस अवसर पर हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी के पूर्व वरिष्ठ उप प्रधान सुदर्शन सिंह सहगल सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

फरीदाबाद प्रशासन ने दिए अल-फलाह यूनिवर्सिटी की जांच के आदेश, खंगाला जाएगा पूरा रिकॉर्ड

एजेंसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिला प्रशासन ने अल-फलाह यूनिवर्सिटी की जमीनों की गहन जांच के आदेश दिए हैं। धौज गांव में स्थित इस यूनिवर्सिटी की जमीन करीब 78 एकड़ में फैली हुई है और अब प्रशासन यह पता लगाने में जुटा है कि इस जमीन का कितना हिस्सा इस्तेमाल हो रहा है और कितना खाली पड़ा है। इसके लिए पटवारी यूनिवर्सिटी की जमीन की पैमाइश कर रहे हैं और जमीन की लंबाई, चौड़ाई और जिस जगह पर इमारतें बनी हैं, उसका पूरा हिसाब-किताब तैयार किया जा रहा है। सिर्फ जमीन की माप ही नहीं, बल्कि प्रशासन यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि ये जमीन किससे और किस कीमत पर खरीदी गई थी। यूनिवर्सिटी ने जमीन खरीदने में किन लोगों को पैसे दिए और कितने दिए, इसका भी पूरा रिकॉर्ड खंगाला जा रहा है। गौरतलब है कि दिल्ली के लाल किले के पास 10 नवंबर को हुए कार ब्लास्ट ने देश को

झकझोर कर रख दिया। इस धमाके में 10 लोगों की मौत हो गई और कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। धमाके की जांच में हरियाणा के फरीदाबाद जिले स्थित अल-फलाह विश्वविद्यालय का नाम सामने आया। बताया जा रहा है कि विश्वविद्यालय के हॉस्पिटल में काम करने वाले कुछ डॉक्टर, जिनमें जम्मू-कश्मीर समेत अन्य जगहों के लोग शामिल थे, देशभर में कई धमाके करने की योजना बना रहे थे। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में उच्च-स्तरीय बैठक हुई। बैठक में 10 नवंबर को हुए विस्फोट की जांच की प्रगति की डेढ़ घंटे तक समीक्षा की गई। इसके बाद ईडी और अन्य वित्तीय जांच एजेंसियों को भी निर्देश दिए गए कि वे हरियाणा स्थित इस विश्वविद्यालय के धन के लेन-देन की गहन जांच करें। इसको लेकर जिला प्रशासन ने आदेश जारी कर यह पता लगाने को कहा है कि यूनिवर्सिटी की जमीन का कितना हिस्सा उपयोग किया जा रहा है। साथ ही इससे जुड़े लेनदेन को भी खंगालने का आदेश दिया है।

दिल्ली के बाद बिहार में नायब सैनी छाए, जहां-जहां किया प्रचार, वहां-वहां खिला कमल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के बाद दिल्ली तथा अब बिहार विधानसभा में भाजपा को मिली जीत में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी की भूमिका अहम है। नायब सैनी ने हाई कमान के निर्देशानुसार बिहार चुनाव में कई चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया और व्यक्तिगत जनसंपर्क कार्यक्रम भी किए। मुख्यमंत्री नायब सैनी के प्रचार की खास बात यह रही कि उन्होंने बिहार में कई जगह लोगों ने उनके लहजे में संवाद किया और खुद को बिहार वासियों के साथ जोडने का प्रयास किया। नाबय सैनी ने बिहार में चुनाव के दौरान जिला भोजपुर में अराह, तराड़ी, रोहतास जिले में डेहरी, गया में वजीरगंज, गौरा, औरंगाबाद जिले में गोह, वेस्ट चंपारण जिले में बगाहा तथा ईस्म चंपारण जिले में रामनगर सीटों पर चुनाव प्रचार किया। मुख्यमंत्री नायब सैनी के नेतृत्व में करीब एक माह तक हरियाणा नेताओं की बड़ी टीम बिहार चुनाव प्रचार में डटी रही। प्रचार के दौरान कई अवसर ऐसे भी आए जब मतदाताओं को प्रोत्साहित करके विशेष ट्रेनों से बिहार भेजा गया। पानीपत, सोनीपत, गुरुग्राम आदि शहरों में बिहारी

मुख्यमंत्री ने हरियाणा को भी पूरा समय दिया और बिहार में पार्टी द्वारा लगाई गई ड्यूटी को निभाया। हरियाणा भाजपा की एक टीम जहां बिहार में मोर्चा संभाले हुए थी, वहीं एक टीम ने हरियाणा में बिहारी मूल के मतदाताओं के साथ लगातार जनसंपर्क किया। हरियाणा से बिहार में वोट डालने के मतदाताओं को उनके मूल क्षेत्रों में रवाना करने के बाद बकायदा कार्यक्रमों का आयोजन करके इस बात का अहसास दिलाया गया कि वह भले ही अपने घर से दूर हैं लेकिन लोकतंत्र के इस पर्व में उन्हें भागीदार बनाने के लिए भाजपा के प्रत्येक नेता व कार्यकर्ता एकजुट है।

हमारा संकल्प है सहकारिता से ग्रामीण विकासः सैनी

5 लाख 31 हजार 652 किसानों को 1223 करोड़ रुपये दिए

एजेंसी

सोनीपत। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोनीपत में राज्य स्तरीय 72वें सहकारिता सप्ताह-2025 का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति गांवों में बसती है और ग्रामीण प्रगति का मार्ग सहकारिता से होकर ही गुजरता है। इस वर्ष को सहकारिता वर्ष के रूप में मनाते हुए सरकार का लक्ष्य सहकारिता से समृद्धि और समृद्धि से आत्मनिर्भरता को साकार करना है, सहकारिता से ग्रामीण विकासही हमारा संकल्प है । मुख्यमंत्री ने युवाओं से पारंपरिक सोच से आगे बढ़कर आधुनिक, पारदर्शी सहकारी समितियां बनाने और डिजिटल भारत के माध्यम से इन्हें वैश्विक पहचान देने का आह्वान किया। समारोह की शुरुआत में मुख्यमंत्री ने सहकारिता ध्वज फहराया और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि सहकारिता आंदोलन लाखों लोगों की छोटी बचत और सामूहिक शक्ति का परिणाम है। भारत आज दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरे स्थान की ओर बढ़ रहा है, जिसमें सहकारिता की

भूमिका निर्णायक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहली बार सहकारिता मंत्रालय बनाकर इस क्षेत्र को नई ऊर्जा दी है और हरियाणा सरकार इस दृष्टि को जन आंदोलन में बदलने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में 19 जिला केंद्रीय सहकारी बैंक 3 लाख से अधिक किसानों को रूपे किसान क्रेडिट कार्ड जारी कर चुके हैं। 21 पैक्स केंद्रों पर गोदाम बनाए जा रहे हैं। समय पर अदायगी करने वाले किसानों से फसली ऋण पर ब्याज नहीं लिया जाता, जिससे 5 लाख 31 हजार 652 किसानों को अब तक 1,223 करोड़ रुपये की राहत दी गई है। हैफेड रोहतक में लगभग 180 करोड़ रुपये की लागत से मेगा फूड पार्क स्थापित कर रहा है। शुगर फैड की 10 चीनी मिलें 93 प्रतिशत क्षमता से कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि 710 पैक्स का कम्प्यूटरीकरण किया जा रहा है, जिनमें 475 को ई-पैक्स बनाया जा चुका है। दुनिया की सबसे बड़ी अन्न भंडारण योजना के तहत हर ब्लॉक में आधुनिक गोदाम बनाए जा रहे हैं। एफपीओ को सहकारिता से जोड़कर नई आर्थिक ताकत दी जा रही है। सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सहकारिता को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया है। पैक्स अब ऋण संस्था भर नहीं, बल्कि 25 प्रकार की परियोजनाओं के माध्यम से युवाओं, किसानों और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने का अवसर दे रही हैं। कार्यक्रम के दौरान बिहार चुनाव में भाजपा की जीत पर अतिथियों ने मुख्यमंत्री को बधाई दी और गोहाना की प्रसिद्ध जलेबी खिलाकर खुशी मनाई।

बिहार में एनडीए का जनादेश मोदी और नीतीश पर भरोसे का जनादेश : डॉ. सतीश पूनिया

एजेंसी

झज्जर। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत पर भाजपा के हरियाणा प्रदेश प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि बिहार की जनता का जनादेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भरोसे का जनादेश है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने वाकई में जंगलराज को नकारा है और राज्य के विकास व तरक्की के लिए स्पष्ट जनादेश दिया है। पूनिया बहादुरगढ़ व झज्जर में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना भी साधा। इस मौके पर भाजपा के झज्जर जिला अध्यक्ष विकास वाल्मीकि, जिला परिषद के चेयरमैन कप्तान बरधाना, संजय कबलाना, दिनेश कौशिक आदि मौजूद रहे। भाजपा नेता डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की गठबंधन की सरकार ने बिहार में विकास को नई रफ्तार दी है। अब बिहार में विकास रफ्तार पकड़ चुका है, बिहार जंगल राज से मुक्त और विकास राज के रास्ते पर चल पड़ा है। यह जनादेश बिहार में कानून व्यवस्था की दुरुस्ती, बुनियादी विकास के लिए जनता ने एनडीए को दिया है। डॉ. पूनिया ने कहा कि जिस तरीके से आरजेडी के राज में भ्रष्टाचार था, जंगल राज था उसको नकारते हुए एक नया भरोसा बिहार की जनता ने पीएम मोदी और नीतीश कुमार पर किया है। बिहार की जो चुनौतियां और समस्याएं हैं उनका इस पूरे कालखंड में समाधान हुआ है। आज मिला जनादेश बिहार के भरोसे का जनादेश है। एक सवाल पर बोलते हुए डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि अब राहुल गांधी के माथे पर एक और हार लिखी गई है। राहुल गांधी धरातल पर नहीं, बल्कि कल्पनाओं में जीते हैं। हिन्दुस्तान की चुनावी राजनीति में जनता के बीच होना होता है, लेकिन राहुल गांधी कहां होते हैं यह पता ही नहीं होता।

समाधान शिविर में मिली 9923 शिकायतें, 8457 का निस्तारण

एजेंसी

जींद। जिले में समाधान प्रकोष्ठ पर अब तक कुल 9923 शिकायतें दर्ज हुई हैं। जिनमें से 8457 का निस्तारण कर दिया गया है। शेष 110 शिकायतें विभिन्न स्तरों पर निस्तारण की प्रक्रिया में हैं। विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए गए हैं कि आगामी समीक्षा बैठक से पूर्व सभी लंबित पेंडेंसी को अपडेट कर दें। जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी निस्तारण के लिए आयोजित किए जा रहे समाधान शिविर प्रभावी सिद्ध हो रहे हैं। लघु सचिवालय स्थित सभागार में डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने विभिन्न विभागों द्वारा समाधान प्रकोष्ठ पर प्राप्त शिकायतों की विभागवार समीक्षा की और निस्तारण की प्रगति का विस्तृत आंकलन किया। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने निर्देश दिए कि शिकायतों के समाधान में किसी प्रकार की देरी, ढिलाई या औपचारिकता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य है कि जनता की समस्याओं का समाधान समयबद्ध, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण रूप से सुनिश्चित हो। इससे पूर्व सुरेंद्र सिंह, नगराधीश मोनिका रानी, डीडीपीओ संदीप भारद्वाज सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी

चंडीगढ़ मुख्यालय की ओर से उच्च अधिकारियों द्वारा प्रदेश के सभी उपायुक्तों के साथ समाधान शिविरों में प्राप्त शिकायतों तथा विभागों में लंबित मामलों की समीक्षा की गई है। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान प्रकोष्ठ पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की कार्यवाही समय से पूरी हो और एक्शन टेकन रिपोर्ट नियमित रूप से पोर्टल पर अपलोड की जाए। बैठक में एएसपी सोनाक्षी सिंह, एसडीएम सत्यवान मान, डीएमसी उपस्थित रहे। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने कहा कि 60 दिन या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का निपटान तत्काल प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। उन्होंने विभागाध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा कि किसी प्रकार का तकनीकी बहाना या अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। विभागध्यक्ष स्वयं इन लम्बे समय से लंबित पड़ी समस्याओं को जांचे। उन्होंने कहा कि अधिकारी प्रतिदिन जनसंवाद पोर्टल की निगरानी करें और प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई को सुनिश्चित करें।

कांग्रेस का बिहार में वोट चोरी का मुद्दा फुस्स निकला : धनखड़

एजेंसी

झज्जर। भारतीय जनता पार्टी के सचिव ओमप्रकाश धनखड़ ने कहा कि राजनीतिक क्रांति की धरा बिहार ने पीएम मोदी की नीतियों पर फिर से अपना विश्वास दोहराया है और एनडीए 200 पार व मुद्दाविहिन कांग्रेस खात्मे की ओर अग्रसर है। बिहार की जनता जनार्दन ने राहुल गांधी द्वारा झूठ की नींव पर चलाए जा रहे वोट चोरी के मुद्दे को फुस्स कर दिया। भाजपा नेता ओमप्रकाश धनखड़ ने बिहार की जनता के निर्णय का खुले दिल से स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एनडीए के सहयोगी नेताओं को बंपर जीत की बधाई दी। उन्होंने कहा कि देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त नेतृत्व में भाजपा नीत केंद्र सरकार सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति पर आगे बढ़ रही है। इसलिए देश के ज्यादातर प्रदेशों में भाजपा की बार बार डबल इंजन की सरकार बन रही है। धनखड़ ने कहा कि बिहार की बंपर जीत से एक बार फिर यह सिद्ध हो गया है कि जो राजनीतिक दल जनता के मुद्दों और देश हित को अपने हितों से पहले रखेगा, उसी दल को जनता बार सेवा का मौका देगी। मोदी के नेतृत्व में केंद्र

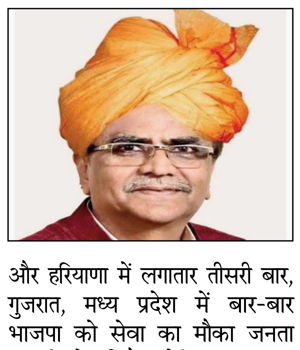

और हरियाणा में लगातार तीसरी बार, गुजरात, मध्य प्रदेश में बार-बार भाजपा को सेवा का मौका जनता जनार्दन दे रही है क्योंकि भाजपा हर वर्ग को अपने साथ लेकर चलती है। धनखड़ ने कहा कि कांग्रेस राजनीति में निरंतर अप्रासंगिक होती जा रही है। देश की जनता की जरूरतों को समझ नहीं पा रही है। कांग्रेस का फोकस केवल एक परिवार को आगे बढ़ाने पर रहा है।

मुख्यमंत्री के हिसार दौरे की तैयारियों के लिए अधिकारियों ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के बरवाला विधानसभा क्षेत्र के गांव खरक पुनिया में होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों की टीम द्वारा कार्यक्रम स्थल का दौरा कर प्रबंधों का जायजालिया। गौरतलब है कि अखिल हरियाणा सर्वजातीय पुनिया समाज द्वारा बाड़मेर एवं झांसल गणराज्य संस्थापक दादा बाढ़ देव जी पुनिया के जन्मोत्सव एवं मुख्यमंत्री सम्मान समारोह आयोजित किया जा रहा है।

सुबह 10 बजे से आरंभ होने वाला यह आयोजन खरक पुनिया में जींद मार्ग पर होगा। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन व जिला नगर आयुक्त नीरज ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सभी विभागों को सामंजस्य स्थापित कर अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयुक्त नीरज ने अधिकारियों को सुरक्षा, स्वास्थ्य विभाग की टीम, यातायात प्रबंधन, निर्बाध बिजली आपूर्ति, पेयजल इत्यादि व्यवस्थाओं

पर विशेष तौर पर ध्यान देने की हिदायत दी।

नगर परिषद व अन्य विभागों की टीमों को कार्यक्रम स्थल के आसपास विशेष सफाई का ध्यान रखने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने बताया कि कानून-व्यवस्था और सुरक्षा के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। कार्यक्रम स्थल पर बैरिकेडिंग और क्राउड मैनेजमेंट का भी विशेष ध्यान रखा गया है। इस अवसर पर हिसार जिलाध्यक्ष आशा खेदड़, पूर्व चेयरमैन रणधीर सिंह धीरू सहित अन्य पार्टी पदाधिकारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे।ही है।

सड़क दुर्घटना में मृत आईटबीपी जवान का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

एजेंसी

जींद। नरवाना उपमंडल के गांव गुरुसर के आईटीबीपी जवान विक्रम की सड़क हादसे में मौत के बाद देर शाम राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। जवान पिछले एक महीने से छुट्टी पर आया हुआ था। गुरूवार को वह एक शादी समारोह में गया हुआ था, जहां लौटते समय गांव बाता और कैलरम गांव के बीच एक सड़क दुर्घटना में उसकी मृत्यु हो गई।पोस्टमार्टम प्रकिया पूरी होने के बाद शुक्रवार देर शाम को राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। पूरे गांव में मातम का माहौल बना हुआ है। हर तरफ विक्रम अमर रहे नारो के साथ गूंज उठा पूरा गांव। पूरे गांव वालों की आंखें नम थी। विक्रम का पिता काफी समय से बीमार चल रहा है। पूरे गांव ने नम आंखों से विक्रम को विदाई दी।आइटीबीपी जवान 27 वर्षीय विक्रम को अंतिम सलामी देने के लिए पटियाला से बटालियन की एक टुकड़ी आई थी। विक्रम की अकास्मिक मौत होने पर आस-पास के गांवों के लोग श्रद्धाजंलि देने के लिए पहुंचे। बलिदानी विक्रम अमर रहे के नारों के साथ उसका शव श्मशान घाट ले जाया गया। जहां उसके दादा प्रहलाद जोकि भूतपूर्व फौजी थे, उनके द्वारा पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धाजंलि दी गई। आइटीबीपी के इंसपेक्टर ने विक्रम के पिता सुरेश को तिरंगा झंडा सम्मान के साथ हाथों में सौंपा और तिरंगा झंडा की महत्ता को बताया। बलिदानी विक्रम के परिजनों ने बताया कि विक्रम की जम्मू-कश्मीर में लेह में ड्यूटी थी और दो नवंबर को छुट्टी आया था और उसको 24 नवंबर को वापस जाना था। विक्रम पटियाला में 12वीं कक्षा पास करने के बाद वर्ष 2019 में आइटीबीपी में भर्ती हुआ था। अब वो सिपाही पद पर कार्यरत था। जिला करनाल के असंध में एक फौजी को छोडने के बाद उसके ही गांव के किस्मत के साथ गांव गुरूसर लौट रहा था तो नींद की झपकी आने के कारण कार का एक्सीडेंट हो गया। उन्होंने बताया कि विक्रम की दो बहनें हैं और उसकी दो साल पहले शादी हुई थी। ग्रामीण मास्टर बलबीर सिंह व परिजनों ने बताया कि आईटीबीपी जवान विक्रम की अचानक मौत होना पूरे गांव के लिए सदमे की बात है। उन्होंने कहा कि उसको श्रद्धाजंलि देने के लिए आसपास के गांवों के लोग पहुंचे हैं।

आईसीएल फिनकॉर्प का नया एनसीडी इश्यू 17 नवंबर से खुलेगा

नई दिल्ली आईसीएल फिनकॉर्प ने अपने नए सुरक्षित रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) का सार्वजनिक इश्यू 17 नवंबर को खुलेगा और 28 नवंबर तक खोला जाएगा है। कंपनी के अनुसार यह निवेशकों के लिए एक सुरक्षित और आकर्षक विकल्प है। कंपनी ने बताया कि इस इश्यू से जुटाई गई राशि का उपयोग विकास पहलों और सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने में किया जाएगा। आईसीएल फिनकॉर्प पिछले 34 वर्षों से वित्तीय सेवाओं में सक्रिय है और 10 राज्यों में अपनी उपस्थिति दर्ज कर चुकी है। कंपनी गोल्ड लोन, हायर परचेज लोन और बिजनेस लोन जैसी सेवाएं प्रदान करती है। हाल ही में उसने बीएसई-सूचीबद्ध एनबीएफसी सलेम इरोड इन्वेस्टमेंट्स का अधिग्रहण किया। समूह यात्रा, फैशन, डायग्नोस्टिक्स और धर्मार्थ कार्यों में भी सक्रिय है और भारतीय रिजर्व बैंक के मानकों का पालन करता है।

एसबीआई बंद कर रहा एमकेश सेवा, डिजिटल विकल्पों पर जोर

मुंबई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) अपनी एमकेश सेवा बंद कर रहा है। एमकेश फीचर ग्राहकों को मोबाइल नंबर या ईमेल से तुरंत पैसे भेजने की सुविधा देता था। इसके तहत प्राप्तकर्ता को एक सुरक्षित लिंक और आठ अंकों का पासकोड मिलता था, जिससे राशि किसी भी बैंक खाते में ट्रांसफर की जा सकती थी। यह सुविधा छोटे और त्वरित लेनदेन के लिए बेहद उपयोगी मानी जाती थी। एसबीआई ने घोषणा की है कि 30 नवंबर के बाद एमकेश सेवा बंद हो जाएगी। बैंक का कहना है कि यह पुरानी तकनीक पर आधारित थी, जबकि आज के डिजिटल विकल्प जैसे यूपीआई, आईएमपीएस, एनईएफटी और आरटीजीएस ज्यादा तेज़, सुरक्षित और भरोसेमंद हैं।

मारुति ने ग्रेंड विटारा एसयूवी की 39,000 से ज्यादा गाड़ियां वापस बुलाई

रिकॉल का मुख्य कारण स्पीडोमीटर असेंबली में संभावित तकनीकी दोष

मुंबई देश की प्रमुख ऑटोमोबाइल कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपनी लोकप्रिय मिड-साइज एसयूवी ग्रेंड विटारा की लगभग 39,506 यूनिट्स को रिकॉल करने का निर्णय लिया है। कंपनी ने बताया कि ये वाहन 9 दिसंबर 2024 से 29 अप्रैल 2025 के बीच बनाए हुए थे। रिकॉल का मुख्य कारण स्पीडोमीटर असेंबली में संभावित तकनीकी दोष है, जिसके चलते फ्यूल लेवल इंडिकेटर और चेतावनी लाइट सही ढंग से काम नहीं कर पा रही हैं। मारुति सुजुकी का कहना है कि प्रभावित ग्राहकों से कंपनी सीधे संपर्क करेगी और उन्हें अपने अधिकृत सर्विस सेंटर पर वाहन लाने के लिए निर्देश दिया जाएगा। जांच के दौरान यदि समस्या पाई जाती है, तो स्पीडोमीटर पार्ट को मुफ्त में बदल दिया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान ग्राहकों से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। ग्रेंड विटारा ने बिक्री के मामले में शानदार प्रदर्शन किया है। लॉन्च के सिर्फ 32 महीनों में इसने 3 लाख यूनिट्स की बिक्री को पार कर लिया, जो इसे मारुति की सबसे तेजी से बिकने वाली मिड-साइज एसयूवी बनाता है।

आईसीएल फिनकॉर्प का नया एनसीडी इश्यू 17 नवंबर से खुलेगा

नई दिल्ली आईसीएल फिनकॉर्प ने अपने नए सुरक्षित रिडीमेबल नॉन-कन्वर्टिबल डिबेंचर (एनसीडी) का सार्वजनिक इश्यू 17 नवंबर को खुलेगा और 28 नवंबर तक खोला जाएगा है। कंपनी के अनुसार यह निवेशकों के लिए एक सुरक्षित और आकर्षक विकल्प है। कंपनी ने बताया कि इस इश्यू से जुटाई गई राशि का उपयोग विकास पहलों और सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ाने में किया जाएगा। आईसीएल फिनकॉर्प पिछले 34 वर्षों से वित्तीय सेवाओं में सक्रिय है और 10 राज्यों में अपनी उपस्थिति दर्ज कर चुकी है। कंपनी गोल्ड लोन, हायर परचेज लोन और बिजनेस लोन जैसी सेवाएं प्रदान करती है। हाल ही में उसने बीएसई-सूचीबद्ध एनबीएफसी सलेम इरोड इन्वेस्टमेंट्स का अधिग्रहण किया। समूह यात्रा, फैशन, डायग्नोस्टिक्स और धर्मार्थ कार्यों में भी सक्रिय है और भारतीय रिजर्व बैंक के मानकों का पालन करता है।

पूर्वोत्तर को बुनियादी ढांचे, निवेश, कौशल विकास में मिल रही प्राथमिकता:सीतारमण

पूर्वोत्तर में राजमार्गों, हवाई अड्डों, डिजिटल नेटवर्क और लॉजिस्टिक्स में हो रहा है तेजी से सुधार

कोहिमा

केंद्रीय वित्त एवं कॉरपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोहिमा स्थित राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईईएलआईटी) में छात्रों और युवा पेशेवरों से बातचीत के दौरान कहा कि केंद्र सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र को बुनियादी ढांचा, निवेश, कौशल विकास और डिजिटल विस्तार के मामले में सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने बताया कि 'एक्ट ईस्ट' नीति के तहत इस क्षेत्र को विकास, निवेश और कौशल में केंद्र में रखा गया है। मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर में राजमार्गों, हवाई अड्डों, डिजिटल नेटवर्क और लॉजिस्टिक्स में तेजी से सुधार हो रहा है। उन्होंने डिजिटल क्षमताओं में वृद्धि को भी रेखांकित किया और छात्रों की एआई व रोबोटिक्स जैसी उभरती तकनीकों में रुचि की सराहना की। उन्होंने क्षेत्र की दक्षिण-पूर्व एशिया के साथ बेहतर जुड़ाव में अहम भूमिका पर भी प्रकाश डाला। महिलाओं के वित्तीय सशक्तिकरण पर सवाल के जवाब में सीतारमण ने कहा कि

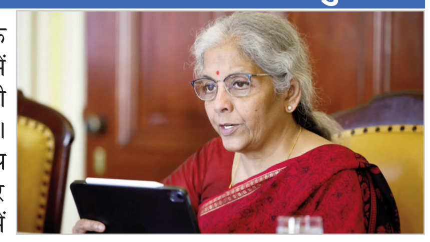

भारतीय महिलाएं पारंपरिक रूप से घरेलू वित्त का प्रबंधन करती रही हैं, और अब आधुनिक अवसर उन्हें मजबूत आर्थिक स्वतंत्रता देते हैं। उन्होंने युवाओं को पैसे का नियंत्रण और प्रबंधन करने की सलाह दी। इसके अलावा, महिला उद्यमियों के लिए जमानत मुक्त ऋण, उच्च ब्याज दर वाले बचत खाते और पीएम वात्सल्य जैसी योजनाओं का परिचय दिया।

इंडिगो और अकासा 25 से नवी मुंबई हवाई अड्डे से उड़ानें शुरू करेंगी

मुंबई इंडिगो ने घोषणा की है कि वह 25 दिसंबर से नवनिर्मित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) से उड़ान संचालन शुरू करेगी। प्रारंभ में एयरलाइन 10 शहरों–दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, लखनऊ, उत्तरी गोवा (मोपा), जयपुर, नागपुर, कोचीन और मैंगलोर को जोड़ेगी। इंडिगो ने यह भी कहा कि भविष्य में मुंबई महानगर क्षेत्र के दूसरे हवाई अड्डे से परिचालन का विस्तार और अन्य गंतव्यों को जोड़ा जाएगा। एनएमआईए 1,160 हेक्टेयर में फैला है और इसके पहले चरण में एक टर्मिनल और एक रनवे शामिल हैं। हवाई अड्डे की वार्षिक यात्री क्षमता दो करोड़ है और इसे 19,650 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया। इसका उद्घाटन 8 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। वहीं अकासा एयर भी 25 दिसंबर से एनएमआईए से चरणबद्ध तरीके से परिचालन शुरू करेगी। इसकी पहली उड़ान दिल्ली से होगी, जबकि कुछ दिनों में गोवा, कोच्चि और अहमदाबाद के लिए सेवाएं शुरू होंगी।

कोटक महिंद्रा बैंक 21 नवंबर को शेयर विभाजन पर करेगा चर्चा

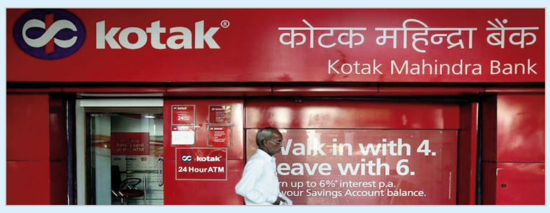

बोर्ड बैठक में शेयरों के अंकित मूल्य में बदलाव के प्रस्ताव पर होगा विचार

नई दिल्ली निजी क्षेत्र के प्रमुख ऋणदाता कोटक महिंद्रा बैंक ने घोषणा की है कि उसकी बोर्ड बैठक 21 नवंबर को आयोजित की जाएगी, जिसमें अन्य मुद्दों के साथ-साथ शेयर विभाजन (स्टाक स्पिलिट) के प्रस्ताव पर भी विचार किया जाएगा। बैंक ने शेयर बाजार को दी गई सूचना में बताया कि फिलहाल उसके शेयरों का अंकित मूल्य 5 रुपये प्रति शेयर है और बैठक में इस संरचना में बदलाव को लेकर चर्चा होगी। बैंक ने इससे पहले सितंबर 2010 में शेयर विभाजन किया था, जब शेयर का अंकित मूल्य 10 रुपये से घटाकर 5 रुपये किया गया था। आम तौर पर शेयर विभाजन के बाद शेयरों का अंकित मूल्य कम हो जाता है, जिससे निवेशक के पास शेयरों की संख्या बढ़ जाती है। हालांकि कुल निवेश की कुल कीमत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता, क्योंकि बाजार मूल्य भी उसी अनुपात में कम हो जाता है। वित्तीय प्रदर्शन की बात करें तो चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में बैंक का समेकित शुद्ध लाभ 11.4 फीसदी घटकर 4,468.27 करोड़ रुपये रह गया। पिछले वर्ष की समान अवधि में बैंक ने 5,044.05 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था।

सेंसेक्स और निफ्टी ने उतार-चढ़ावों के बावजूद मजबूती बनाए रखी

वैश्विक संकेत और विदेशी पूंजी प्रवाह ने शेयर बाजार पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला

मुंबई

पिछले हफ्ते भारतीय शेयर बाजार उतार-चढ़ाव देखा गया। सप्ताह की शुरुआत कुछ नकारात्मक सत्रों के बाद तेजी के साथ हुई, लेकिन वैश्विक और घरेलू घटनाओं ने बाजार की चाल को लगातार प्रभावित किया। टैरिफ युद्ध, जियोपॉलिटिकल तनाव और सुस्त अर्निंग ग्रोथ जैसी चिंताओं के बावजूद, एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख और ब्लू-चिप शेयरों में लिवाली ने बाजार को मजबूती दी।

सोमवार को सेंसेक्स 267.74 अंक बढ़कर 83,484.02 पर खुला और अंत में 83,535.35 पर बंद हुआ। निफ्टी ने भी 84.90 अंक की बढ़त के साथ 25,577.20 पर खुलकर 25,574.35 पर बंद किया। विशेषज्ञों ने कहा कि ताजा विदेशी पूंजी प्रवाह ने निवेशकों के मनोबल को मजबूती दी। मंगलवार को शुरुआत में सेंसेक्स और निफ्टी गिरावट के साथ खुले, लेकिन अंत में तेजी लौट आई। सेंसेक्स ने 335.97 अंक की तेजी के साथ 83,871.32 पर और निफ्टी ने 120.60 अंक की बढ़त के साथ 25,694.95 पर सप्ताह का मध्यवर्ती कारोबार समाप्त किया। इस दिन बड़ी कंपनियों के शेयरों में खरीदारी ने बाजार को समर्थन दिया। बुधवार को मजबूत वैश्विक संकेतों के बीच बाजार ने शानदार प्रदर्शन किया। सेंसेक्स 595.19 अंक की बढ़त के साथ 84,466.51 पर और निफ्टी 180.85 अंक की उछाल के साथ 25,875.80 पर बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस और भारती एयरटेल

जैसी प्रमुख कंपनियों में लिवाली ने इस तेजी में अहम भूमिका निभाई। गुरुवार और शुक्रवार को बाजार में अस्थिरता दिखी। गुरुवार को सेंसेक्स 12.16 अंक और निफ्टी 3.35 अंक की मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। शुक्रवार को कमजोर वैश्विक संकेतों और बिहार चुनाव से पहले की आशंकाओं के चलते बाजार में शुरुआती गिरावट देखने को मिली, लेकिन अंत में सेंसेक्स 84,562.78 और निफ्टी 25,910.05 पर स्थिर हुआ। सप्ताह के समग्र रुझान को देखें तो बाजार ने कई उतार-चढ़ावों के बावजूद मजबूती बनाए रखी। विदेशी निवेश, ब्लू-चिप शेयरों की खरीदारी और वैश्विक संकेतक बाजार के प्रमुख प्रेरक रहे। निवेशकों को अगले सप्ताह भी वैश्विक घटनाओं और घरेलू कारकों पर नजर बनाए रखने की सलाह दी जा रही है।

आंध्र प्रदेश का दशकभर में 1 लाख करोड़ डॉलर निवेश जुटाने का लक्ष्य

निवेश प्रक्रिया आसान बनाने को एस्क्रो प्रणाली लागू करेगी सरकार

विशाखापत्तनम

विशाखापत्तनम में आयोजित 30वें सीआईआई साझेदारी सम्मेलन में आंध्र प्रदेश सरकार ने अगले दस वर्षों में एक लाख करोड़ डॉलर का निवेश आकर्षित करने का बड़ा लक्ष्य पेश किया। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राज्य निवेशकों के लिए प्रक्रियाओं को सरल करने के लिए एस्क्रो अकाउंट आधारित प्रणाली लागू करने जा रहा है, जिससे उद्योगों को मिलने वाली राशि तुरंत जारी हो सकेगी और लालफीताशाही समाप्त होगी। नायडू के अनुसार जैसे ही कोई निवेश समझौता होता है, एस्क्रो खाता स्वतः बन जाएगा और बैंक के माध्यम से उसी समय फंड जारी हो जाएगा। इसके लिए किसी अफसर या अन्य मध्यस्थ से संपर्क करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। जरूरत पड़ने पर राज्य सरकार सॉवरिन गारंटी देने पर भी विचार करेगी। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि आंध्र प्रदेश अगले दो वर्षों में देश की पहली ड्रोन टैक्सी सेवा पेश करने जा रहा है। हालांकि परियोजना की विस्तृत जानकारी अभी साझा नहीं की गई है, लेकिन इसे राज्य के नवाचार प्रयासों का अहम हिस्सा बताया गया है। नायडू ने कहा कि बीते 18 महीनों में राज्य को 20 अरब डॉलर की निवेश प्रतिबद्धताएं मिली हैं, जिनसे लगभग 20 लाख रोजगार की संभावना है। सरकार अब

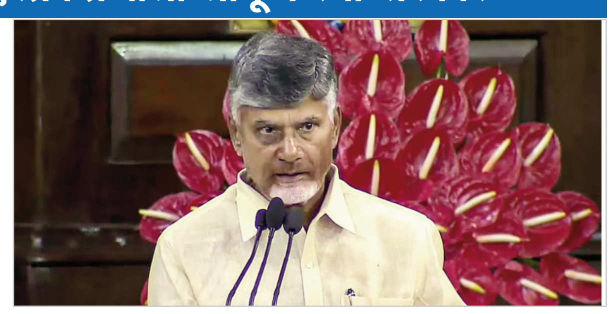

अगले तीन वर्षों में 500 अरब डॉलर निवेश और 50 लाख नए रोजगार पैदा करने के लक्ष्य पर काम कर रही है। दीर्घकालिक दृष्टि के रूप में एक दशक में 1 लाख करोड़ डॉलर निवेश जुटाने की योजना है। उन्होंने बताया कि राज्य में डेटा सेंटरों का बड़ा विस्तार होने वाला है। गूगल पहले ही विशाखापत्तनम में एआई केंद्र के लिए 15 अरब डॉलर की घोषणा कर चुका है। आने वाले दिनों में 4-5 गीगावॉट क्षमता के और डेटा सेंटर स्थापित होने की उम्मीद है। नायडू के अनुसार 1 गीगावॉट डेटा सेंटर के लिए लगभग 6 गीगावॉट बिजली की आवश्यकता होती है, इसलिए राज्य हरित ऊर्जा उत्पादन को बड़े पैमाने पर बढ़ाने पर जोर देगा।

बॉल कॉरपोरेशन उत्पादन बढ़ाने छह करोड़ डॉलर का निवेश करेगी

नई दिल्ली अमेरिकी कंपनी बॉल कॉरपोरेशन, जो पर्यावरण अनुकूल एल्यूमीनियम पैकेजिंग समाधान प्रदान करती है, आंध्र प्रदेश के श्री सिटी स्थित अपने संयंत्र की उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए 6 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 532.5 करोड़ रुपये) का निवेश करेगी। कंपनी ने इस निवेश को एशिया के तेजी से बढ़ते उपभोक्ता बाजार में बढ़ती मांग को पूरा करने और क्षेत्रीय आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता बताया। बॉल कॉरपोरेशन ने 2024 में महाराष्ट्र के तलोजा स्थित अपनी कैन निर्माण सुविधा में लगभग 5.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर (488 करोड़ रुपये) का निवेश किया था। कंपनी भारतीय बाजार में वृद्धि को समर्थन देने के लिए और निवेश संभावनाओं की तलाश कर रही है। बॉल बेवरेज पैकेजिंग की वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अधिक से अधिक ब्रांड और उपभोक्ता एल्यूमीनियम पैकेजिंग को अपना रहे हैं। उनका कहना है कि यह निवेश सीधे तौर पर भारतीय पेय कैन बाजार के विकास में मदद करेगा, जो अगले पांच वर्षों में सालाना 10 प्रतिशत से अधिक की दर से बढ़ने की संभावना रखता है।

केंद्र ने स्वास्थ्य बीमा में सुधार के लिए उठाए कदम

नेशनल हेल्थ क्लेम एक्सचेंज में तेजी लाने के दिए निर्देश

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने इंश्योरेंस कंपनियों और अस्पतालों से नेशनल हेल्थ क्लेम एक्सचेंज (एनएचसीई) में तेजी से शामिल होने को कहा है।

यह कदम स्वास्थ्य सेवाओं को किफायती और सभी के लिए सुलभ बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम. नागराजू ने हाल ही में आयोजित बैठक में इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया। बैठक में स्टैंडर्ड ट्रीटमेंट प्रोटोकॉल तैयार करने और निर्बाध कैशलेस क्लेम प्रोसेसिंग लागू करने पर चर्चा हुई। सचिव ने कहा कि सभी इंश्योरेंस कंपनियों के पास स्टैंडर्ड हॉस्पिटल पैनल नियम होने चाहिए, जिससे पॉलिसीहोल्डर्स लगातार कैशलेस इलाज का लाभ उठा सकें। इससे अस्पताल प्रशासन पर दबाव कम होगा और संचालन सरल बनेगा। बैठक में स्वास्थ्य क्षेत्र में बढ़ती मेडिकल महंगाई और प्रीमियम लागत जैसे मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

सचिव ने कहा कि लागत नियंत्रण और मानकीकरण के माध्यम से हॉस्पिटल और इंश्योरेंस कंपनियों के बीच सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता है, ताकि

पारदर्शिता और दक्षता के साथ पॉलिसीहोल्डर्स को बेहतर मूल्य मिल सके। बैठक में जनरल इंश्योरेंस काउंसिल, एसोसिएशन ऑफ हेल्थकेयर प्रोवाइडर्स इन इंडिया, मैक्स हेल्थकेयर, फोर्टिस हेल्थकेयर, अपोलो हॉस्पिटल्स के प्रतिनिधि और इंश्योरेंस कंपनियों के प्रमुख शामिल थे। प्रमुख प्रतिभागियों में इंद्रजीत सिंह, डॉ. सुनीता रेड्डी, शिवकुमार पट्टाभिरामन, अभय सोई, डॉ. गिरधर जे. ज्ञानी, कृष्णन रामचंद्रन और अमिताभ जैन शामिल थे।

आरबीआई ने निर्यातकों के लिए विदेशी मुद्रा नियमों में राहत दी

निर्यात आय देश में लाने की समय सीमा 9 महीने से बढ़ाकर 15 महीने की

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने निर्यातकों की सुविधा के लिए अपनी निर्यात आय देश में लाने की समय सीमा 9 महीने से बढ़ाकर 15 महीने कर दी है। यह फैसला अमेरिकी बाजार में बढ़े हुए शुल्क और निर्यातकों की वित्तीय समस्याओं को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। अब निर्यातक अपनी कमाई को अधिक समय तक सुरक्षित रूप से देश में ला सकेंगे। आरबीआई ने अग्रिम भुगतान मिलने पर माल के निर्यात की अवधि भी बढ़ाकर 1 साल से 3 साल कर दी है। इससे निर्यातकों को विदेशी खरीदारों को लंबी क्रेडिट अवधि देने की सुविधा मिलेगी और नकदी का प्रबंधन आसान होगा। इस बदलाव को विदेशी मुद्रा प्रबंधन (वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात) (द्वितीय संशोधन)

विनियम, 2025 कहा जाएगा। अगस्त से अमेरिका ने भारत से आने वाले सामानों पर 50 फीसदी का भारी शुल्क लगाया था, जिससे निर्यातकों को चुनौतियों का सामना करना पड़ा। भारतीय निर्यातकों के महासंघ ने आरबीआई के फैसले का स्वागत किया।

8वां वेतन आयोग और डिजिटल डेटा संरक्षण नियम लागू

कर्मचारियों, पेंशनर्स और कंपनियों के लिए बड़े बदलाव

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने 28 अक्टूबर को 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) को मंजूरी दे दी है। इस मंजूरी के साथ आयोग अब केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के वेतन, भत्तों और पेंशन लाभों की विस्तृत समीक्षा शुरू करेगा। सामान्यतः हर दस वर्ष में बनने वाले इस आयोग को रिपोर्ट तैयार करने के लिए लगभग 18 महीने मिलते हैं। आयोग के कार्यों में वेतन संरचना, फिटमेंट फैक्टर, एचआरए और टीए जैसे भत्तों में संशोधन, पेंशन फॉर्मूला में बदलाव और आवश्यक हो तो नौकरी वर्गीकरण में सुधार की सिफारिशें शामिल होंगी। सरकार ने इस बार टीओआर में स्पष्ट किया है कि कर्मचारियों की भलाई के साथ-साथ आर्थिक स्थिति, पेंशन बोझ और राज्यों पर पड़ने वाले असर को भी ध्यान में रखा जाएगा।

6ठे और 7वें वेतन आयोग की तरह इस बार भी रिपोर्ट तैयार होने और मंजूरी मिलने में कुल मिलाकर लगभग दो साल लगने की संभावना है। सिफारिशों का सीधा लाभ 47 लाख कर्मचारियों और 69 लाख पेंशनर्स को होगा। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आयोग की सिफारिशें लागू होने पर सरकार का सालाना खर्च 2.4-3.2 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है, जो जीडीपी का लगभग 0.6-0.8 फीसदी होगा। हालांकि, इससे उपभोक्ता मांग बढ़ने की उम्मीद भी है। सरकार ने डिजिटल निजी डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम के तहत प्रशासनिक नियम अधिसूचित कर दिए हैं। इन नियमों के लागू होने के साथ भारत एक मजबूत डिजिटल गोपनीयता कानून वाले देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है। कंपनियों, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों और इंटरनेट सेवाओं को नियमों का पूर्ण पालन करने के लिए 18 महीने का समय दिया गया है, जबकि कंसेंट मैनेजरों को पंजीकरण हेतु 12 महीने मिलेंगे।

डीपीडीपी एक्ट के नए नियमों से कंसेंट मैनेजर्स की जिम्मेदारियां बढ़ीं

कंपनियों को 12 महीनों में करना होगा रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली

भारत सरकार द्वारा डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) ऐक्ट के तहत जारी नई एडमिनिस्ट्रेटिव रूल्स से कंसेंट मैनेजर्स की भूमिका और जिम्मेदारियां दोनों तेजी से बढ़ने वाली हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन नियमों के लागू होने से कंपनियों और इंटरमीडियरीज को अपने डेटा हैंडलिंग सिस्टम में बड़े बदलाव करने पड़ेंगे, क्योंकि अब कंसेंट मैनेजमेंट को एक औपचारिक और सख्त अनुपालन ढांचे के भीतर लाया जा रहा है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार भारत में रजिस्टर्ड और कम से कम 20 मिलियन रुपये की नेटवर्थ रखने वाली किसी भी कंपनी को अगले 12 महीनों के भीतर कंसेंट मैनेजर के रूप में पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। इन सभी प्लेटफॉर्म्स को डेटा प्रोटेक्शन बोर्ड (डीपीबी) के साथ रजिस्टर्ड होना होगा और बोर्ड द्वारा समय-समय पर निर्धारित सभी दिशानिर्देशों का पालन करना पड़ेगा। नियमों के मुताबिक, कंसेंट मैनेजर्स को यूजर द्वारा दी गई, नकार दी गई या वापस ली गई हर सहमति का पूरा रिकॉर्ड रखना होगा। साथ ही डेटा फिड्यूशियरी–यानी कंपनियों या ऐप्स–द्वारा भेजे गए नोटिस को भी सुव्यवस्थित रूप में दर्ज करना होगा। प्लेटफॉर्म्स पर यूजर्स को हर समय अपने डेटा तक पहुंच उपलब्ध कराने की सुविधा सुनिश्चित करना भी अनिवार्य कर दिया गया है। इन प्लेटफॉर्म्स को उपयोगकर्ता डेटा से जुड़े रिकॉर्ड कम से कम सात साल तक सुरक्षित रखना होगा। यदि किसी कानून में अधिक समय का प्रावधान हो या यूजर और प्लेटफॉर्म के बीच अलग समझौता हो, तो यह अवधि और बढ़ाई जा सकती है।

बिहार में बडबोली राजनीति की हार, सुशासन की नई सुबह

ललित गर्ग

इस बार बिहार में 67.13 प्रतिशत मतदान हुआ जो कि पिछले विधानसभा चुनाव से 9.6 प्रतिशत ज्यादा है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान 8.15 प्रतिशत ज्यादा रहा है। इस बार के मतदान में पुरुषों की हिस्सेदारी 62.98 प्रतिशत रही और महिलाओं की 71.78 प्रतिशत। बिहार में 3.51 करोड़ महिला वोटर हैं और 3.93 करोड़ पुरुष वोटर और कुल मतदाताओं की तादाद 7.45 करोड़ है।

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक एवं अनूठी जीत ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्माई व्यक्तित्व, गृहमंत्री अमित शाह की चुनावी रणनीति और उनकी जनस्वीकार्यता आज भी भारतीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाती है। यह जीत सिर्फ एक गठबंधन की सफलता नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य की नई रूपरेखा का संकेत है। नीतीश कुमार के अनुभवी नेतृत्व, भाजपा की संगठनात्मक मजबूती और उभरते हुए युवा सितारे चिराग पासवान के प्रभावी प्रदर्शन ने मिलकर इस चुनाव को एनडीए के पक्ष में एक मिसाल बना दिया। एनडीए की जीत के पीछे उनके 10 प्रमुख वादे हैं जिनमें पंचामृत गारंटी, रोजगार सृजन, मुफ्त शिक्षा, महिलाओं के लिए योजनाएं, कृषि सुधार और बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है। इस बार के चुनाव इसलिये भी खास रहे क्योंकि 1951 के बाद बिहार में इस बार सबसे ज्यादा वोट पड़े।

इस बार बिहार में 67.13 प्रतिशत मतदान हुआ जो कि पिछले विधानसभा चुनाव से 9.6 प्रतिशत ज्यादा है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान 8.15 प्रतिशत ज्यादा रहा है। इस बार के मतदान में पुरुषों की हिस्सेदारी 62.98 प्रतिशत रही और महिलाओं की 71.78 प्रतिशत। बिहार में 3.51 करोड़ महिला वोटर हैं और 3.93 करोड़ पुरुष वोटर और कुल मतदाताओं की तादाद 7.45 करोड़ है। बिहार विधानसभा चुनाव के ताजा रुझानों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 200 सीटों के आंकड़े को पार कर रहा है, इस जनादेश में महिला मतदाताओं की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसा प्रतीत होता है कि एकतरफा बिहार की महिलाओं का विश्वास जीत गया है, एनडीए विजयी हुआ है, बिहार विजयी हुआ है और महागठबंधन का बड़बोलापन हारा है।

महागठबंधन की करारी हार अपने आप में कई सवाल छोड़ती है। चुनावी रैलियों में भीड़ जरूर इकट्ठी हुई, भाषणों में तीखे हमले भी हुए, लेकिन विपक्ष जनता का विश्वास जीतने में विफल रहा। नेतृत्व की अस्पष्टता, रणनीति की कमी, और विकास तथा सुशासन पर ठोस विजन की गैर-हाजिरी ने जनता को यह सोचने पर मजबूर किया कि सत्ता परिवर्तन से स्थिरता नहीं, बल्कि अनिश्चितता बढ़ सकती है। महागठबंधन बार-बार सामाजिक न्याय और पुराने नारों की दुहाई देता रहा, लेकिन आज का बिहार उन नारों से अधिक उम्मीदें रखता है-रोजगार, सुरक्षा, कानून व्यवस्था और बुनियादी सेवाओं की निरंतरता। इन मुद्दों पर विपक्ष का स्पष्ट

और भरोसेमंद खाका सामने नहीं आ सका। यही कारण है कि उसके नेताओं की बड़बोली बयानबाजी जनता पर असर नहीं डाल सकी, बल्कि कई जगह उलटा असर दिखा गई। इसके विपरीत एनडीए ने अपने चुनाव अभियान को 'स्थिरता $ विकास' के सूत्र में पिरोया। मोदी की राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता, केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां-योजनाएं और नीतीश कुमार की सुशासन-छवि ने बिहार के मतदाता को यह भरोसा दिया कि यह गठबंधन अनुभव, विश्वास, विकास और नीतिगत दृढ़ता का सही मिश्रण है। नीतीश कुमार भले कई राजनीतिक मोड़ों के लिए आलोचित हुए हों, लेकिन जनता के मन में उनकी छवि एक ऐसे प्रशासक की बनी हुई है, जो लंबे समय से बिहार को कानून-व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, सड़क-निर्माण और शिक्षा सुधार जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ाने का प्रयास करता रहा है। इस छवि का लाभ एनडीए को व्यापक रूप से मिला। भाजपा की संगठनात्मक मशीनरी ने बूथ तक प्रभावी और लक्षित पहुंच बनाई, जिससे मतदाताओं में यह भरोसा मजबूत हुआ कि केंद्र व राज्य का समन्वय विकास की गति को और तेज करेगा।

इन चुनावों का एक बड़ा आकर्षण चिराग पासवान का उभार रहा। उन्होंने यह साबित कर दिया कि वे किसी के 'मोहरा' नहीं, बल्कि भविष्य के निर्णायक खिलाड़ी हैं। उनके आक्रामक और आत्मविश्वासी अभियान ने युवा और दलित वर्ग में नई ऊर्जा जगाई। एनडीए के भीतर उनकी भूमिका महज सांकेतिक नहीं थी, बल्कि वास्तविक जनाधार और असर से भरपूर रही। सीटों पर उनकी उल्लेखनीय पकड़ ने यह संदेश दिया कि वे आने वाले वर्षों में बिहार की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित कर सकते हैं। यह भी सच है कि उनकी बढ़ती लोकप्रियता नीतीश कुमार के लिए संतुलन साधने की चुनौती भी बन सकती है, लेकिन यदि गठबंधन समन्वय बनाए रखता है, तो बिहार को इससे मजबूत नेतृत्व का लाभ मिल सकता है।

अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस ऐतिहासिक जीत के बाद बिहार किस दिशा में आगे बढ़ेगा। जनता की अपेक्षाएँ बहुत ऊँची हैं-सुरक्षित समाज, संवेदनशील प्रशासन, भ्रष्टाचार पर अंकुश और विकास की तेज रफ्तार। कानून-व्यवस्था बिहार की राजनीति का सबसे संवेदनशील मुद्दा रहा है। लोग चाहते हैं कि अपराध-नियंत्रण में सुधार हो, पुलिस प्रशासन आधुनिक और जवाबदेह बने, और न्यायिक प्रक्रियाओं में तेजी आए। एनडीए के पास केंद्र और राज्य दोनों के संसाधन और राजनीतिक सामर्थ्य है, इसलिए उससे उम्मीद यह है कि वह 'सुशासन का दूसरा अध्याय' लिखने की दिशा में ठोस कदम उठाएगा। भाजपा न सिर्फ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, बल्कि जेडीयू के बगैर भी वह एनडीए के अन्य सहयोगियों के साथ जादुई आंकड़े को पार करती नजर आ रही है। ऐसे में नीतीश कुमार के लिए भाजपा के साथ किसी तरह का बिहार में बार्गेनिंग करना आसान नहीं रह गया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर से यह बार-बार दोहराया गया है कि चुनाव के बाद भी परिणाम चाहे जो भी आएं, गठबंधन के चेहरे नीतीश कुमार ही बने रहेंगे। जेडीयू की ओर से भी यह बात दोहराई गई है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे। फिलहाल इस पूरे चुनाव में महिला वोटर्स गेम चेंजर बताई जा रही हैं और ऐसा हुआ बिहार चुनाव से पहले महिला रोजगार योजना के तहत बिहार सरकार द्वारा महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये भेजे जाने से। वहीं चुनाव में महागठबंधन को बड़ा झटका लगा है।

निश्चित ही इन चुनाव परिणामों में बिहार का मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील दिखाई दिया हैं। वह जानता है कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता, विकास, कानून व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही। इस चुनाव ने केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं की है, बल्कि यह तय किया है कि अब बिहार की जनता अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ेगी। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा तो होती रही है, लेकिन इन जटिल से जटिलतर होती समस्याओं से बाहर निकलने के रास्ते दिखाई नहीं दिये। बिहार की जनता का मोदी के प्रति एक नये तरह का विश्वास जागा है। पिछली सरकारों के दौर में बिहार बदहाली के दौर से काफी निकल चुका है और विगत दो दशक में यहां की स्थितियां काफी बदली है। इस बार बिहार चुनाव के परिणाम चौंकाने वाले इसलिये भी बने हैं कि इसकी आहट उन घोषणाओं से भी मिलती है, जो नीतीश सरकार ने की हैं। महिलाओं, दिव्यांगों और बुजुर्गों के लिए पहली बार इस पैमाने पर ऐलान किए गए हैं।

इस चुनावी जनादेश को केवल राजनीतिक वर्चस्व के चश्मे से नहीं, बल्कि जनविश्वास की कसौटी से देखना जरूरी है। यह जीत भाजपा, जेडीयू और एलजेपी (रामविलास) के लिए अवसर भी है और चुनौती भी। अब उन्हें यह साबित करना होगा कि चुनावी नारों की चमक शासन की रोशनी में भी कायम रह सकती है। बिहार की जनता ने महागठबंधन की ऊँची-ऊँची बातों, वंशवादी दावों और बड़बोले नेताओं की कटुता को नकारकर यह संदेश दिया है कि उन्हें स्थिरता, ईमानदार नेतृत्व और विकास का भरोसा चाहिए। इन चुनाव परिणामों ने एक बार फिर कांग्रेस को करारी हार दी है, जो पार्टी के लिये आत्ममंथन का बड़ा कारण है। एनडीए की यह जीत केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि बिहार के नए भाग्य का उदय है। अब देखते हैं कि यह उदय सच्चे अर्थों में उजाला बिखेरता है या सिर्फ राजनीतिक रोशनी भर साबित होता है।

संपादकीय

नीतीश ही 'नेता' हैं

बिहार ने इस बार भाजपा-एनडीए को प्रचंड, ऐतिहासिक और अप्रत्याशित जनादेश दिया है। साबित हो गया कि नीतीश कुमार ही बिहार के 'सर्वोच्च नेता' हैं। चुनाव नीतीश के नेतृत्व में ही लड़ा गया। यह नीतीश के राजनीतिक करियर की शानदार उपलब्धि है, क्योंकि जनता दल-यू ने 2020 की तुलना में लगभग दोगुनी सीटों पर बढ़त बनाई है। मतगणना के दिन सुबह 9.56 बजे भाजपा 69 और जद-यू 76 सीट पर आगे थीं। उसके बाद भी दोनों साथी दलों की बढ़त 71-71, 75-75, 79-79 बरकरार रही। क्या कमाल का जनादेश मिला है! अंततः भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। यदि अंतिम जनादेश यही रहा, तो भाजपा-एनडीए के पक्ष में अभूतपूर्व जनादेश होगा। एनडीए सबसे पहले 190 सीट पर आगे रहा, जबकि तब महागठबंधन 50 सीटों पर ही आगे था। कितना व्यापक फासला था! निश्चित है कि चुनावी मुकाबला एकतरफा साबित हुआ। भाजपा के 'चाणक्य' एवं गृहमंत्री अमित शाह का आकलन भी 160 सीटों के आसपास का था, लेकिन नतीजे 'बंपर' साबित हुए। आश्चर्य है कि नीतीश कुमार 20 लंबे साल तक सत्ता में रहे हैं, उसके बावजूद स्वीकार्य और प्रासंगिक साबित हुए हैं। हमने ऐसा ही विश्लेषण कुछ दिन पहले किया था कि नीतीश के विरुद्ध कोई नहीं है, 'लहर' तो बहुत दूर की कौड़ी है। अब नीतीश को बिहार का नया 'जननायक' मानना चाहिए। यकीनन नीतीश उस जमात और पीढ़ी के 'अंतिम नेता' हैं, जिसने जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में, 'संपूर्ण क्रांति' के बैनर तले, राजनीति की शुरूआत की थी। जॉर्ज फर्नांडीज, शरद यादव, कपूर्री ठाकुर, रामविलास पासवान आदि की पीढ़ी दिवंगत हो चुकी है, लालू यादव अस्वस्थ हैं, नीतीश ही शेष हैं, जिन्हें इस ऐतिहासिक जनादेश के बाद 'जननायक' करार देना चाहिए। यह बिहार में नीतीश की स्वीकार्यता और प्रधानमंत्री मोदी की आम आदमी के बीच लोकप्रियता की ही प्रचंड जीत है। बिहार में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा-एनडीए ने यह लगातार, पांचवां चुनाव जीता है। शुरूआत 2014 के लोकसभा चुनाव से हुई थी। यह 2010 की भाजपा-एनडीए की आंधी, तूफान वाली जीत की पुनरावृत्ति भी है। सदन में विपक्ष का नेता चुनना भी कठिन लगता है। भाजपा-एनडीए जनादेश महज 'दस हजारी' महिलाओं के बंपर समर्थन का ही जनादेश नहीं है, बल्कि यह बिहार के अधिसंख्य अगड़ों-सवर्णों, पिछड़ों-अति पिछड़ों, दलितों-महादलितों, युवाओं-बुजुर्गों और यहां तक कि मुसलमानों का भी जनादेश है। जाति, धर्म, जमात, नस्ल, लिंग आदि के पार जाकर एनडीए को वोट दिए गए हैं। बेशक यह 'स्वीप' जनादेश है। बिल्कुल कल्पनातीत जनादेश है। यह संपादकीय लिखने तक एनडीए 206 और विपक्षी गठबंधन मात्र 30 सीटों पर बढ़त बनाए थे। भाजपा 95 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी है, जबकि जद-यू की बढ़त 82 सीटों पर थी। चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (आर) ने भी 20 सीटों पर बढ़त बना कर अपना अमूल्य योगदान दिया है।

चिंतन-मनन

चैतन्यता जरूरी

स्मृति और विस्मृति दोनों संतुलन अपेक्षित हैं। कुछेक व्यक्तियों में विस्मृति की बड़ी मात्रा होती है। वह हमारी चेतना की स्थिति को बहुत स्पष्ट करता है। एक व्यंग्य है। दो बहनें मिलीं। एक स्त्री ने कहा, मेरा पति बहुत भुलक्कड़ है। एक दिन बाजार में गया सब्जी लाने के लिए। बाजार में घूम-घामकर घर लौटा। आते ही पूछा, अरे! मैं बाजार गया था, पर याद नहीं रहा कि मैं बाजार क्यों गया हूं? कितना भुलक्कड़!

दूसरी स्त्री बोली, अरे! बस इतना ही भुलक्कड़! मेरा पति इससे बहुत आगे है। उसके भुलक्कड़पन की बात सुनोगी तो आश्चर्यचकित रह जाओगी। एक दिन की बात है। वह मित्रों के साथ बाजार में घूम रहा था। अकस्मात ऐसा योग मिल गया कि मैं उधर से निकली। मुझे देखते ही उसने कहा, बहनजी! नमस्ते। आपको कहीं देखा है। आपकी सूरत परिचित-सी लगती है। कितनी विस्मृति!

विस्मृति एक व्यापक बीमारी है। कुछेक लोग इसके शिकार हो जाते हैं। उन्हें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जीवन में स्मृति और विस्मृति का संतुलन होना चाहिए। हम याद भी रख सकें और भूल भी सकें। याद रखना ही पर्याप्त नहीं होता, भूलना भी आवश्यक होता है। जीवन की अनेक घटनाएं ऐसी होती हैं जिनको भूल जाना ही श्रेयस्कर होता है। कुछ प्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं और अप्रिय घटनाएं भी भूलने योग्य होती हैं। यदि उनका भार ढोते ही जाएं तो दुख का कहीं अन्त नहीं होगा। हम आवश्यक बातों को याद रखें और अनावश्यक बातों को भूलते चले जाएं। अपने कर्तव्य की विस्मृति शिक्षा की बहुत बड़ी बाधा है।

बगावत की चिंगारी को बुझा कर बहुमत की ज्वाला पैदा करना कोई अमित शाह से सीखे

नीरज कुमार दुबे

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की स्ट्राइक रेट का 90% से ऊपर रहना संगठनात्मक पराक्रम का भी परिणाम है। चुनाव से पहले के हालात पर गौर करें तो नीतीश कुमार के खिलाफ एंटी-इनकम्बेंसी को खत्म करना सबसे बड़ी चुनौती थी। साथ ही गठबंधन के घटक दलों के बीच सीट बँटवारे और सबको साथ लेकर चलने की चुनौती भी थी। ऐसे में अमित शाह ने यह जिम्मेदारी अपने हाथ में ली। बिहार में अमित शाह ने 4-5 महीने पहले ही मोर्चा संभाल लिया था। अमित शाह के कमान संभालने के बाद भाजपा और सहयोगियों के बीच कई दौर की वार्ता हुई। अमित शाह JD(U), LJP (RV), RLSP और HAM को एक मंच पर लेकर आये। सीट-दर-सीट जातीय समीकरण का सटीक विश्लेषण किया गया और संभावित विवादों को समय रहते शांत किया गया। यह वह काम है जो सामान्यतः चुनाव घोषित होने के बाद शुरू होता है लेकिन अमित शाह ने महीनों पहले इसकी नींव तैयार कर दी थी।

देखा जाये तो अमित शाह का चुनावी अभियान केवल मंच के भाषणों तक सीमित नहीं होता। उनकी शैली हमेशा जमीनी संरचना को मजबूत करने पर आधारित होती है। 5 जिला स्तरीय संगठन बैठकें, 5 क्लस्टर स्तर की बैठकें, 35 विशाल रैलियाँ, 1 महत्त्वपूर्ण रोड शो और और हर दौरे पर कोर ग्रुप के साथ बैठकें की गयीं। इस दौरान अमित शाह लगातार एक ही बात दोहराते रहे कि 'बूथ जीते बिना चुनाव नहीं जीता जाता।' उनका यह फोकस बालू की दीवार को भी कंक्रीट का किला बना देता है। अमित शाह की निगरानी में बिहार में भाजपा का बूथ नेटवर्क तगड़ा हुआ और परिणाम सामने आया– प्रचंड जनादेश।

इसके अलावा, बिहार के दरभंगा जिले की अलिनगर विधानसभा सीट अचानक राष्ट्रीय सुर्खियों का केंद्र बन गई थी जब भाजपा ने यहाँ से लोकप्रिय मैथिली लोकगायिका मैथिली ठाकुर को उम्मीदवार बनाकर एक साहसी राजनीतिक दांव खेला था। हालांकि यह दांव जितना आकर्षक था, उतना ही जोखिमभरा भी क्योंकि जमीनी स्तर पर तुरंत असंतोष की लहर उठी। वर्षों से पार्टी के प्रति निष्ठावान कार्यकर्ता खुद को उपेक्षित महसूस करने लगे और कई ने बगावत की चेतावनी दे दी। स्थिति ऐसी थी कि यह प्रयोग भाजपा के लिए आत्मघाती भी साबित हो सकता था। लेकिन राजनीति में संकट वहीं खत्म होता है जहाँ अमित शाह का प्रवेश होता है। चुनावी अभियानों के महारथी, संघटनात्मक इंजीनियरिंग के सिद्धहस्त और आधुनिक भारतीय राजनीति के अजेय रणनीतिकार, अमित शाह ने एक बार फिर दिखा दिया कि उन्हें यूँ ही भाजपा का 'चाणक्य' नहीं कहा जाता।

हम आपको बता दें कि अलिनगर उन सीटों में से थी जिन्हें भाजपा पारंपरिक रूप से 'अनुकूल' नहीं मानती। मैथिली ठाकुर जैसे युवा चेहरे को उतारना प्रधानमंत्री मोदी के उस बड़े प्रयोग का हिस्सा था जिसमें वह पार्टी में युवाओं, कलाकारों और नई पीढ़ी को निर्णायक भूमिका में लाना चाहते हैं। लेकिन पुराने कार्यकताओं की नाराजगी ने स्थिति को नाजुक बना दिया। यहीं अमित शाह ने अपनी विशिष्ट शैली में कमान संभाली। उन्होंने थकान को दरकिनार करते हुए एक के बाद एक फोन कॉल किए, हर 'आक्रोशित' नेता को शांत किया, हर असंतुष्ट कार्यकर्ता को सुना और धीरे-धीरे बगावत की आग को पूरी तरह शांत कर दिया। यह वही हस्तक्षेप था जिसने मैथिली ठाकुर के लिए रास्ता साफ किया।

पार्टी के दिल्ली और पटना दोनों ही धड़ों में यह स्वीकार किया गया कि अलिनगर की ऐतिहासिक जीत अमित शाह की अथक मेहनत और उनके अद्वितीय संकट प्रबंधन क्षमता का परिणाम थी। बात सिर्फ अलिनगर की भी नहीं है क्योंकि रूठों को मनाने और असंतुष्टों को समझाने का काम अमित शाह ने पूरे बिहार में किया। उन्होंने बगावत की चिंगारी को बुझा दिया और बहुमत की ज्वाला पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। चुनाव प्रचार के पूरे अभियान के दौरान अमित शाह ने अलग-अलग महत्वपूर्ण बैठकों, संवादों और रणनीतिक हस्तक्षेपों के माध्यम से न सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का प्रभावी ढंग से इस्तेमाल किया, बल्कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति राजनीतिक सद्भावना को भी सार्थक दिशा दी।

देखा जाये तो अमित शाह की चुनावी शैली की सबसे बड़ी खूबी यह है कि वह रणनीति को तीन आयामों में रचते हैं– संगठन, समाज, और संदेश। यही भाजपा का वह मॉडल है जिसने उसे बार-बार कठिन इलाकों में जीत दिलाई है। देखा जाये तो चुनाव सिर्फ प्रचार से नहीं जीते जाते। चुनाव जीते जाते हैं संयम, संवाद, रणनीति और समय पर लिए गए सटीक निर्णयों से। यह जीत बताती है कि असंतोष चाहे कितना भी गहरा हो, संगठनात्मक नियंत्रक की भूमिका में अमित शाह अतुलनीय हैं। युवा चेहरों को आगे लाने का मोदी-शाह मॉडल सिर्फ प्रयोग नहीं, यह भविष्य की राजनीति का रोडमैप है। भाजपा अब सिर्फ परंपरागत समीकरणों पर नहीं, बल्कि नए सामाजिक-राजनीतिक प्रयोगों पर खड़ी एक गतिशील पार्टी बन चुकी है।

अमित शाह भले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं हैं, लेकिन पार्टी आज भी हर बड़ी चुनावी लड़ाई में उनके नेतृत्व-क्षमता पर ही निर्भर रहती है। वह महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली में भी कठिन परिस्थितियों को अवसरों में बदल चुके हैं। उनकी सबसे बड़ी ताकत है– राजनीति को भावना नहीं, प्रणाली के तौर पर देखना। अगला चुनावी युद्धक्षेत्र पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा कर दी है कि 'बंगाल के जंगलराज को समाप्त करना है।' माना जा रहा है कि अमित शाह अब बंगाल पर ध्यान केंद्रित करेंगे। क्योंकि जहाँ मोदी जन-भावना जगाते हैं, वहाँ शाह जन-भावना को संरचना में बदलते हैं।

मनोरंजन ऐप्स की अंधी दौड़ और बढ़ती अश्लीलता

डॉ. सत्यवान सौरभ

डिजिटल क्रांति ने जिस तेजी से दुनिया को बदला है, उतनी ही तीव्रता से उसने हमारे मनोरंजन के साधनों को भी प्रभावित किया है। मोबाइल फोन, इंटरनेट और सस्ते डेटा ने मनोरंजन को घरों से निकलकर सीधा हर व्यक्ति की जेब और हाथों तक पहुँचा दिया है। आज सैकड़ों एंटरटेनमेंट ऐप्स-वेब सीरीज, शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया स्ट्रीमिंग और लाइव शो-हर सेकंड दर्शकों का ध्यान खींचने की होड़ में हैं। यह सुविधा जितनी शानदार लगती है, उतनी ही गहरी चिंताओं को भी जन्म देती है। क्योंकि इसी आसानी ने मनोरंजन की परिभाषा को खतरनाक रूप से बदल दिया है। अब मनोरंजन का अर्थ कला, संस्कृति, कहानी या संवेदनशीलता नहीं रह गया है-बल्कि तेज व्यूज, वायरल कंटेंट और उत्तेजक दृश्यों की अंधी प्रतिस्पर्धा बन गया है।

आज स्थिति यह है कि अनेक ऐप्स जान-बूझकर अश्लीलता, फूहड़ हरकतों, भद्दे संवादों और उत्तेजक दृश्यों को परोस रहे हैं। यह सामग्री न तो किसी रचनात्मकता की मिसाल है और न ही इससे समाजिक चेतना का विस्तार होता है। इसके पीछे केवल एक लक्ष्य है-तेजी से अधिक दर्शक, और इन दर्शकों के माध्यम से विज्ञापन व सब्सक्रिप्शन से होने वाला मुनाफा। मनोरंजन उद्योग ऐसे मोड़ पर आ खड़ा हुआ है जहाँ कला और संस्कृति की प्रतिष्ठा आर्थिक लालच के सामने निरर्थक होती जा रही है।

कभी भारतीय सिनेमा, थियेटर और साहित्य समाज के जीवन-मूल्यों को सहेजने का माध्यम माने जाते थे। कहानी, संवाद, अभिनय और कल्पना की शक्ति दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती थी। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने इसका बिल्कुल उल्टा माहौल तैयार कर दिया है। वेब सीरीज और शॉर्ट वीडियो में आपत्तिजनक भाषा, निर्बाध अश्लीलता और अनावश्यक अंतरंग दृश्यों को ऐसे दिखाया जा रहा है जैसे यही 'आधुनिकता' या 'यथार्थवाद' हो। जबकि सच्चाई यह है कि यह यथार्थ नहीं, बल्कि एक जानबूझकर पैदा किया गया भ्रम है-जिसमें दर्शक को उत्तेजना व सनसनी के माध्यम से बांधकर रखा जाए। इस दौड़ की सबसे बड़ी कीमत युवा पीढ़ी चुका रही है। किशोरों के हाथ में मोबाइल है और मोबाइल के अंदर ऐसी दुनिया है जो बिना किसी रोक-टोक के उन्हें प्रभावित कर रही है। किशोरावस्था वह समय होता है जब व्यक्तित्व, सोच, नैतिकता और सामाजिक मूल्य बनते हैं। लेकिन इन ऐप्स पर उपलब्ध सामग्री उन्हें तेज-तर्रार, उथला और अक्सर भ्रमित कर देने वाला दृष्टिकोण देती है। संबंधों के प्रति गलत धारणाएँ बनती हैं, महिलाओं के प्रति सम्मान घटता है, और जीवन को केवल शारीरिक आकर्षण, भौतिकता और दिखावे के रूप में समझने की प्रवृत्ति बढ़ती है।

आज का युवा जिस प्रकार की सामग्री रोज देख रहा है, वह उसके व्यवहार, शब्दों, संवेदनाओं और जीवन के आकलन को धीरे-धीरे बदल रही है। जिस चीज को वह 'मनोरंजन' या 'ट्रेंड' समझ रहा है, वह वास्तव में उनके भीतर मूल्यहीनता और अवसाद पैदा कर रही है। कई मनोवैज्ञानिकों का मानना है कि इस प्रकार का कंटेंट आँखों को आकर्षित भले करे, लेकिन दिमाग पर भारी बोझ डालता है। तेज-तेज दृश्यों, अश्लील संवादों, अनियंत्रित भावनाओं और आक्रामक प्रस्तुतियों से किसी भी किशोर का मानसिक संतुलन प्रभावित होना स्वाभाविक है।

लेकिन समस्या का एक और पहलू भी है-कंटेंट निमार्ता और ऐप कंपनियाँ ज़िम्मेदारी से बचने के लिए 'यूजर चॉइस', 'एडल्ट टैग' या 'व्यूअर डिस्क्रेशन' जैसे शब्दों का सहारा लेती हैं। वे यह कहती हैं कि दर्शक स्वयं चयन करें कि वे क्या देखना चाहते हैं। यह तर्क पूरी तरह गलत नहीं, लेकिन अधूरा अवश्य है। क्योंकि जब कोई ऐप अपनी पूरी मार्केटिंग रणनीति ही उत्तेजक और भड़काऊ सामग्री पर आधारित रखता है, तब दर्शक का चुनाव स्वतंत्र कम और प्रभावित अधिक होता है। जिस सामग्री को लगातार प्रमोट किया जाएगा, वही अधिक देखी जाएगी।

नियामक तंत्र की स्थिति भी उतनी ही कमजोर है। भारत में फिल्मों के लिए सेंसर बोर्ड है, टीवी के लिए प्रसारण नियंत्रण है, लेकिन डिजिटल ऐप्स लगभग बिना किसी प्रभावी नियंत्रण के चल रहे हैं। दिशा-निर्देश तो बनाए गए हैं, पर उनका पालन न तो कठोर है और न ही नियमित। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को लगता है कि वे आम मीडिया कानूनों से ऊपर हैं। उनका तर्क है कि इंटरनेट एक 'स्वतंत्र माध्यम' है। लेकिन क्या स्वतंत्रता का अर्थ यह है कि समाजिक संतुलन को बिगाड़ने वाली सामग्री को खुली छूट दे दी जाए? क्या संस्कृति, नैतिकता और संवेदनाओं को नजरअंदाज कर देना ही स्वतंत्रता है?

समस्या का एक सामाजिक आयाम भी है। परिवार अपने स्तर पर बच्चों को रोकने की कोशिश करते हैं, लेकिन डिजिटल दुनिया की जटिलता इतनी है कि पूरी तरह नियंत्रण लगभग असंभव है। विशेषकर मध्यम वर्गीय और ग्रामीण परिवारों में डिजिटल साक्षरता अभी विकसित नहीं हुई है। माता-पिता यह नहीं जानते कि कौन-सा कंटेंट बच्चों के लिए अच्छा है और कौन-सा हानिकारक। ऐप कंपनियाँ भी माता-पिता को मार्गदर्शन देने के बजाय उनका उपयोगकर्ता विस्तार करने में अधिक रुचि रखती हैं।

ऐसे समय में हमें यह समझना होगा कि समाधान केवल प्रतिबंधों में नहीं है। समाधान एक व्यापक सामाजिक जागरूकता, नैतिक उत्पादन नीति और कड़े नियमन के संतुलन में है। मनोरंजन कंपनियाँ स्वयं यह तय करें कि क्या दिखाना उचित है। वे कला और व्यावसायिकता के बीच संतुलन बनाएं। अश्लीलता के सहारे व्यूज पाने की आदत छोड़ें और रचनात्मक, भावनात्मक तथा सामाजिक रूप से उपयोगी सामग्री प्रस्तुत करें।

साथ ही, सरकार को डिजिटल प्लेटफामों पर वैसा ही नैतिक नियंत्रण लागू करना होगा जैसा टीवी या फिल्मों पर होता है। पारदर्शी नियम, कठोर दंड और स्पष्ट श्रेणीकरण इस दिशा में आवश्यक कदम हो सकते हैं। समाज का कर्तव्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को डिजिटल साक्षरता दी जानी चाहिए। युवाओं को यह समझाया जाना चाहिए कि मनोरंजन और उत्तेजना में बहुत अंतर होता है। फूहड़ता से मिली त्वरित प्रसन्नता जीवन के गहरे अनुभवों और रचनात्मक आनंद का विकल्प नहीं हो सकती।

मनोरंजन का उद्देश्य केवल चौंकाना या उत्तेजित करना नहीं है; उसका उद्देश्य मन को संवेदनशील बनाना, सोच को गहराई देना और समाज को बेहतर दिशा देना है। लेकिन जब ऐप्स की दुनिया कला को छोड़कर अश्लीलता की ओर भागने लगे, तब संस्कृति और सभ्यता दोनों संकट में पड़ती हैं।

हमारे सामने आज यही प्रश्न है-क्या हम ऐसी डिजिटल दुनिया चाहते हैं जहाँ मनोरंजन का आधार रचनात्मकता, सांस्कृतिक मूल्य और सामाजिक ज़िम्मेदारी हो? या हम ऐसे युग में प्रवेश करने जा रहे हैं जहाँ उत्तेजना ही कला बन जाएगी और सनसनी ही मनोरंजन?

समय की मांग है कि हम स्पष्ट रूप से कहें: हमें मनोरंजन चाहिए-लेकिन ऐसा नहीं जो समाज को खोखला कर दे। अगर डिजिटल दुनिया इस दिशा में नहीं बदली, तो आने वाली पीढ़ियाँ एक ऐसे सांस्कृतिक अंधकार में प्रवेश करेंगी, जहाँ मनोरंजन तो बहुत होगा, पर उसका कोई अर्थ नहीं बचेगा।

संक्षिप्त समाचार

फिनलैंड बॉर्डर के पास रूस का एसयू-30 लड़ाकू विमान क्रैश ; दोनों पायलटों की मौत

मास्को, एजेंसी। रूस के करेलिया क्षेत्र में गुरुवार शाम एक एसयू-30 लड़ाकू विमान ट्रेनिंग उड़ान के दौरान क्रैश हो गया। स्थानीय समयानुसार शाम करीब 7 बजे विमान एक खाली इलाके में गिरा। रूसी रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की है कि दुर्घटना में विमान के दोनों पायलटों की मौत हो गई। हादसे के वक्त विमान में कोई हथियार या गोला-बारूद नहीं था। अब तक हादसे की वजह साफ नहीं है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक तकनीकी खराबी या पायलट की गलती, दोनों संभावनाओं की जांच की जा रही है। रूसी अधिकारियों ने क्रैश साइट से डेटा इकट्ठा करने के लिए एक विशेष आयोग गठित किया है। एसयू-30 रूस का डबल-इंजन मल्टी-रोल लड़ाकू विमान है। इसका इस्तेमाल हवाई और जमीनी दोनों ऑपरेशनों में किया जाता है। इसे यूक्रेन युद्ध के दौरान भी बड़े पैमाने पर तैनात किया गया है। इसी साल जुलाई में भी एक एसयू-34 ट्रेनिंग मिशन के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। यूक्रेन के दावों के मुताबिक, फरवरी 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से रूस 428 सैन्य विमान खो चुका है। इन आंकड़ों की पुष्टि नहीं हो सकी है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इनमें से करीब 15 हादसे एसयू-30 विमानों के हो सकते हैं।

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर लगेगी मुहर? ट्रंप के अधिकारी ने बता दी डेडलाइन

वाशिंगटन एजेंसी। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बात आगे बढ़ रही है। अमेरिका ने संकेत दिया है कि भारत के साथ व्यापार वार्ता आगे बढ़ रही है। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने दोनों देशों के बीच हालिया चर्चाओं को काफी सकारात्मक बताया है। पत्रकारों से बात करते हुए अधिकारी ने पुष्टि की कि वाशिंगटन नई दिल्ली के साथ एक पारस्परिक व्यापार समझौते पर काम कर रहा है और साथ ही भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद पर चिंताओं का समाधान भी कर रहा है। अधिकारी ने कहा, मुझे लगता है कि हाल ही में उनके साथ हमारी कई सकारात्मक प्रगति हुई है। उन्होंने आगे कहा कि वार्ता इस साल के अंत तक रिजल्ट दे पाएगी। अधिकारी ने बताया, मुझे लगता है कि हाल ही में उनके साथ हमारी कई सकारात्मक प्रगति हुई है। उनके साथ हमारे दो मुद्दे चल रहे हैं। बेशक, हमारे बीच एक पारस्परिक व्यापार वार्ता चल रही है, लेकिन रूसी तेल का मुद्दा भी है, जिस पर हमने बाजार में सुधार देखा है। इसलिए मुझे लगता है कि हम आराम कर सकते हैं और थोड़ा आराम कर सकते हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है, लेकिन पहले से ही काफी सकारात्मक प्रगति हो रही है और साल के अंत तक हमें और भी प्रगति देखने को मिल सकती है। अमेरिकी प्रशासन भारत के साथ दो समानांतर मुद्दों पर काम कर रहा है। पहला, पारस्परिक व्यापार वार्ता से जुड़ा है, जिसका उद्देश्य आमतौर पर देशों के बीच टैरिफ और बाजार तक पहुंच को संतुलित करना होता है। दूसरा, अधिकारियों की ओर से रूसी तेल को लेकर भारत पर दबाव बनाना। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार 2024 में लगभग 190 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया और दोनों देशों ने द्विपक्षीय वाणिज्य को बढ़ाने की बात कही है।

एडिटेड एपिसोड चलाने के लिए ट्रंप से बीबीसी ने मांगी माफी, मुआवजे की मांग ठुकराई

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और बीबीसी के बीच चल रहे विवाद के बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। बीबीसी ने अपने इंवेस्टिगेटिव प्रोग्राम पैनोरामा के लिए ट्रंप से माफी मांगी है। हालांकि, इस दौरान बीबीसी ने ट्रंप की मुआवजे की मांग को खारिज कर दिया। दरअसल, बीबीसी ने कहा कि इस मामले में मानहानि का कोई आधार नहीं है। बीबीसी के चेयरपर्सन समीर शाह ने व्हाइट हाउस को एक पत्र लिखा है, जिसमें कहा कि गया कि बीबीसी इस दुर्भाग्यपूर्ण गलती के लिए क्षमा चाहते हैं। अपने माफीनामा में बीबीसी ने कहा कि हम यह मानते हैं कि एडिटेड स्पीच लोगों के बीच अनजाने में यह धारणा पैदा कर दी गई कि ये पूरा भाषण देख और सुन रहे थे। जबकि उस भाषण के अलग-अलग हिस्सों को जोड़कर तैयार किया गया था। इससे लगा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने यूएस कैपिटल हिल पर धावा बोलने के लिए अपने समर्थकों को उकसाया था। वहीं, इस पत्र में बीबीसी की ओर से कहा गया कि वह इस डॉक्यूमेंट्री को किसी भी प्लेटफॉर्म पर दोबारा नहीं प्रसारित करेगा। बीबीसी ने आगे कहा कि इस इस्तेमाल वीडियो एडिटिंग पर हमें गहरा अफसोस है, लेकिन हम दृढ़ता से असहमत हैं कि इसमें मानहानि के दावे का कोई आधार नहीं है। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने 6 जनवरी, 2021 के यूएस कैपिटल हिल दंगे से कुछ घंटे पहले दिए गए अपने भाषण के साथ छेड़छाड़ प्रसारित करने के मामले में 9 नवंबर को बीबीसी को पत्र लिखकर कानूनी कार्रवाई की धमकी दी थी।

ट्रम्प से रिश्ते सुधारने के लिए पाकिस्तान ने करोड़ों खर्चे, नोबेल के लिए नॉमिनेट किया; कभी ट्रम्प ने पाकिस्तान को धोखेबाज देश कहा था

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की दूसरी सरकार में पाकिस्तान के साथ रिश्ते अचानक सुधर गए हैं। पहले ट्रम्प पाकिस्तान को झूठ और धोखे वाला देश कहते थे, लेकिन अब वे पाक आर्मी चीफ को अपना फेवरेट फील्ड मार्शल बुलाते हैं। अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, पाकिस्तान ने इस बदलाव के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए हैं। पाकिस्तान ने इस साल अप्रैल और मई के महीनों में वॉशिंगटन की कई लॉबिंग फर्म्स के साथ 5 मिलियन डॉलर (करीब 42 करोड़ रुपए) के कॉन्ट्रैक्ट किए। पाकिस्तान ने ट्रम्प को अपने पाले में करने के लिए भारत-पाक संघर्ष रोकने का क्रेडिट दिया और नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया। जबकि पीएम मोदी ने क्रेडिट देने से इनकार कर दिया, जिससे ट्रम्प नाराज हो गए। इसके अलावा, पाकिस्तान ने 500 मिलियन डॉलर की मिनरल एक्सट्रैक्शन डील की और अमेरिकी कृषि प्रोडक्ट्स के लिए मार्केट खोला।

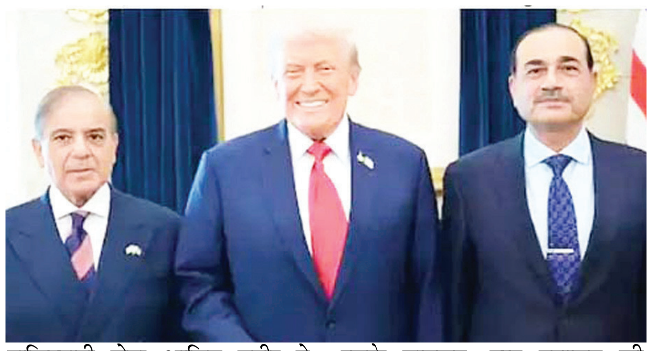

पाकिस्तान ने ट्रम्प के करीबियों से डील की : पाकिस्तान ने जिन फर्म्स के साथ डील की उनमें कुछ ऐसे लोग भी शामिल थे जो पहले डोनाल्ड ट्रम्प के करीबी सहयोगी रह चुके हैं, जैसे उनके पूर्व बिजनेस पार्टनर और बॉडीगार्ड कीथ शिलर। पाकिस्तान ने 8 अप्रैल को लॉबिंग फर्म सीडेन लॉ से कॉन्ट्रैक्ट किया, जिसमें यह वादा किया गया कि पाकिस्तान की व्हाइट हाउस में हाई लेवल पर बैठकों की व्यवस्था कराई जाएगी। इसके बाद 24 अप्रैल को एक और करार हुआ। कुछ हफ्तों बाद ही पाकिस्तानी सेना आसिम मुनीर ने वॉशिंगटन का दौरा किया जहां उन्होंने राष्ट्रपति ट्रम्प से व्हाइट हाउस में प्राइवेट मुलाकात की। पाकिस्तान को फायदा- टैरिफ घटा, रिश्ते सुधरे रिपोर्ट के मुताबिक, इन लॉबिंग कॉन्ट्रैक्ट्स के बाद ही अमेरिका का रुख पाकिस्तान के लिए नरम पड़ा। अप्रैल में ट्रम्प ने पाकिस्तान पर 29% टैरिफ लगाया था। चार महीने बाद ही इसे घटाकर 19% कर दिया गया, जबकि भारत के लिए यह 50% तक बढ़ा दिया गया। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एना केली ने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका का अहम साझेदार रहा है। राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में भारत-पाक संघर्ष को खत्म करने और आर्थिक सहयोग बढ़ाने में पाकिस्तान ने सकारात्मक भूमिका निभाई है।

भारत के लिए मुश्किलें बढ़ीं : भारत ने भी लॉबिंग बढ़ाने की कोशिश की, लेकिन पाकिस्तान से तीन गुना कम खर्च किया। भारत ने अप्रैल में पार्टनर्स रु और अगस्त में मर्करी पब्लिक अफेयर्स जैसी अमेरिकी फर्मों को हायर किया, जिनसे ट्रम्प के पुराने सलाहकार जुड़े हैं इसके बावजूद, ट्रम्प प्रशासन की नीतियां पाकिस्तान के पक्ष में झुकी रहीं, जिससे दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया। लॉबिस्ट कैसे काम करता है समझिए लॉबिस्ट एक ऐसा इंसान होता है जो सरकारी नीतियों, कानूनों और फैसलों को प्रभावित करता है। यह किसी ग्रुप, बिजनेस और इंसान की तरफ से वकालत करता है। यह सरकारी फैसलों पर असर डालते के लिए डेटा, कम्युनिकेशन और पर्सनल संबंधों का इस्तेमाल करता है। लॉबिस्ट के काम को ऐसे समझिए कि एक दवाई बनाने वाली कंपनी चाहती है कि सरकार उसकी नई दवा को जल्दी मंजूरी दे दे। अब कंपनी खुद सीधे मंत्री से तो नहीं मिल सकती, इसलिए वह एक लॉबिस्ट को हायर करती है। ये लॉबिस्ट नेताओं, अधिकारियों से मिलकर कंपनी की बात रखता है, उन्हें समझाता है कि ये दवा जरूरी है, लोगों का भला होगा वगैरह-वगैरह। बदले में कंपनी उसे पैसे देती है। आसान शब्दों में कहें तो लॉबिस्ट सरकार और प्राइवेट कंपनियों के बीच का पुल है, जो अपने क्लाइंट का फायदा चाहता है।

भारत-अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर कब लगेगी मुहर? ट्रंप के अधिकारी ने बता दी डेडलाइन

भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील को लेकर बात आगे बढ़ रही है। अमेरिका ने संकेत दिया है कि भारत के साथ व्यापार वार्ता आगे बढ़ रही है। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने दोनों देशों के बीच हालिया चर्चाओं को काफी सकारात्मक बताया है। पत्रकारों से बात करते हुए अधिकारी ने पुष्टि की कि वाशिंगटन नई दिल्ली के साथ एक पारस्परिक व्यापार समझौते पर काम कर रहा है और साथ ही भारत की ओर से रूसी तेल की खरीद पर चिंताओं का समाधान भी कर रहा है। अधिकारी ने कहा, मुझे लगता है कि हाल ही में उनके साथ हमारी कई सकारात्मक प्रगति हुई है। उन्होंने आगे कहा कि वार्ता इस साल के अंत तक रिजल्ट दे पाएगी। अधिकारी ने बताया, मुझे लगता है कि हाल ही में उनके साथ हमारी कई सकारात्मक प्रगति हुई है। उनके साथ हमारे दो मुद्दे चल रहे हैं। बेशक, हमारे बीच एक पारस्परिक व्यापार वार्ता चल रही है, लेकिन रूसी तेल का मुद्दा भी है, जिस पर हमने बाजार में सुधार देखा है। इसलिए मुझे लगता है कि हम आराम कर सकते हैं और थोड़ा आराम कर सकते हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ करना बाकी है, लेकिन पहले से ही काफी सकारात्मक प्रगति हो रही है और साल के अंत तक हमें और भी प्रगति देखने को मिल सकती है। अमेरिकी प्रशासन भारत के साथ दो समानांतर मुद्दों पर काम कर रहा है। पहला, पारस्परिक व्यापार वार्ता से जुड़ा है, जिसका उद्देश्य आमतौर पर देशों के बीच टैरिफ और बाजार तक पहुंच को संतुलित करना होता है।

दुबई में पहली बार हुई 'गैंग वॉर'! बिश्नोई के करीबी जोरा सिद्धू की हत्या का दावा, किसने ली जिम्मेदारी?

दुबई, एजेंसी। दुबई में भारतीय गैंगस्टरों के बीच कथित रूप से पहली बार हुए प्रतिद्वंद्वी गैंग वॉर की खबर सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रही है। यह दावा एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए किया गया है जो कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा से जुड़े अकाउंट से शेयर हुआ है। पोस्ट में विरोधी गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के करीबी और सहयोगी जोरा सिद्धू उर्फ सिप्पा की हत्या की जिम्मेदारी ली गई है। गोदारा से जुड़े अकाउंट से किए गए पोस्ट में कहा गया कि दुबई में जोरा सिद्धू की गला रेतकर हत्या की गई है। आरोप है कि सिद्धू, लॉरेंस बिश्नोई के निर्देश पर गैंग के लिए हैंडलर का काम कर रहा था और दुबई में बैठकर कनाडा और अमेरिका में कई लोगों को धमकियां दे रहा था। पोस्ट में यह भी दावा किया गया कि सिद्धू ने पहले जर्मनी में गोदारा के एक साथी की हत्या करवाने की कोशिश की थी, जिस कारण यह 'बदला' लिया गया। पोस्ट में लिखा हुआ संदेश कहता है- आज दुबई में लॉरेंस का जोरा सिद्धू (सिप्पा) गला रेतकर मार दिया गया। यह काम हमने करवाया हैज दुबई में बैठकर वह कनाडा और अमेरिका में धमकियां दे रहा था। जो दुबई को सुरक्षित समझते हैं, समझ लें - अगर हमारे दुश्मन हैं, तो कहीं भी सुरक्षित नहीं। जिन नामों का जिक्र किया गया पोस्ट में रोहित गोदारा के अलावा गोल्डी बराड़, वीरेंद्र चारण, महेंद्र सरन डेलाना और

विक्की पहलवान कोटकपूरा का भी उल्लेख किया गया है। ये सभी कथित तौर पर उसी गैंग के सदस्य बताए गए हैं, जिसने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। पोस्ट आगे चेतावनी देता है कि पुलिस हर जगह नहीं पहुंच सकती, लेकिन हम पहुंचेंगे। जो भी विरोध करेगा, तैयार रहे। दुबई पुलिस की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं हालांकि सोशल मीडिया पोस्ट ने माहौल गर्म कर दिया है, लेकिन दुबई पुलिस की ओर से अब तक इस कथित हत्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। कई सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, दुबई जैसे अत्यंत निगरानी वाले शहर में इस तरह की वारदात होना असामान्य माना जाता है, इसलिए आधिकारिक पुष्टि का इंतजार महत्वपूर्ण है। पोस्ट के वायरल होने के बाद भारतीय सुरक्षा एजेंसियां भी मामले पर नजर बनाए हुए हैं। बिश्नोई और गोदारा गैंग- दोनों ही हाल के वर्षों में भारत के बाहर संचालित होने और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क बनाने के आरोपों से घिरे रहे हैं। जब तक दुबई पुलिस या स्थानीय अधिकारियों द्वारा कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी जाती है।

तीसरे बाजार की तलाश तेज, अमेरिकी टैरिफ से भारत जैसे देशों पर कोई खास असर नहीं; रिपोर्ट में खुलासा

वाशिंगटन एजेंसी। जोखिम परामर्श फर्म वेरिस्क मैपलक्रोफ्ट की एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकांश बड़ी उभरती अर्थव्यवस्थाओं, जैसे भारत, चीन और ब्राजील पर अमेरिका की ओर से लगाए गए टैरिफ का कोई खास असर नहीं होगा। यह निष्कर्ष अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की व्यापारिक नीतियों की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करता है। रिपोर्ट में 20 प्रमुख उभरते बाजारों का मूल्यांकन कर्ज स्तर, निर्यात पर निर्भरता और व्यापारिक अस्थिरता और तेजी से बदलते वैश्विक गठजोड़ जैसी कसौटियों पर किया गया। इसमें पाया गया कि अधिकांश निर्माण केंद्र, जिनमें एशिया के देश भी शामिल हैं, अमेरिकी टैरिफ के झटकों से निपटने के लिए अपेक्षाकृत मजबूत स्थिति में हैं। एशिया रिसर्च की प्रमुख और रिपोर्ट की सहलेखक रीमा भट्टाचार्य ने कहा, दुनिया के अधिकांश देश इस टैरिफ तूफान से निपटने की बेहतर स्थिति में हैं। यहां तक कि अगर अमेरिका पूरी क्षमता से टैरिफ बढ़ाता है, तब भी असर सीमित रहेगा। मेक्सिको और वियतनाम को अमेरिकी व्यापार पर सबसे ज्यादा निर्भर माना गया है, लेकिन वहां की प्रगतिशील नीतियां, बेहतर बुनियादी ढांचा और राजनीतिक स्थिरता उन्हें लचीला बनाती हैं। वहीं ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका जैसे देश वैकल्पिक व्यापारिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत कर रहे हैं, जो भविष्य में उन्हें सुरक्षा प्रदान कर सकते हैं। भट्टाचार्य ने कहा, लगभग हर उभरता बाजार समझता है कि अमेरिका और चीन दोनों के साथ व्यापार जरूरी है, लेकिन किसी एक पर अधिक निर्भर नहीं रहा जा सकता। इसलिए अब तीसरे बाजार की तलाश बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि चीन, हालांकि अमेरिकी तनावों से ज्यादा प्रभावित है, फिर भी उसका विविध निर्यात ढांचा और मानव संसाधन उसे प्रतिस्थापित करना लगभग असंभव बनाते हैं। चीन ने रेनमिन्बी मुद्रा में व्यापार निपटान को बढ़ावा देने की रणनीति अपनाई है ताकि आर्थिक स्थिरता और भू-राजनीतिक जोखिमों से बचाव किया जा सके।

अमेरिका में रिकॉर्ड 43 दिनों बाद शटडाउन खत्म

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में रिकॉर्ड 43 दिनों का सबसे लंबा सरकारी शटडाउन समाप्त हो गया है। संघीय कार्यों के लिए अस्थायी धन मुहैया कराने से संबंधित विधेयक पर बुधवार रात राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर करने के बाद देश के इतिहास में सर्वाधिक लंबा यह शटडाउन समाप्त हुआ।

रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स के बीच चल रहे गतिरोध को समाप्त करने के लिए सीनेट ने संबंधित विधेयक को मंजूरी दी। यह डेमोक्रेट्स के लिए एक झटका है क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल के स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम - ओबामाकेयर के लिए सब्सिडी बढ़ाने की मांग को स्वीकार नहीं किया गया। बजट पारित होने तक अस्थायी वित्त-पोषण का विधेयक सीनेट में अटका हुआ था क्योंकि बहुमत वाली रिपब्लिकन पार्टी के पास मतदान के लिए आवश्यक 60 वोट नहीं थे। धीरे-धीरे बहाल होंगी सेवाएं इस बीच, व्हाइट हाउस के बजट कार्यालय के एक प्रवक्ता ने कहा कि संघीय सरकार के फिर से खुलने के कुछ ही घंटों के भीतर पूरक पोषण सहायता कार्यक्रम (स्नैप) के तहत लाभार्थियों के खाते पूरी तरह से बहाल हो जाएंगे। हालात सामान्य होने में अभी कुछ और दिनों का करना होगा इंतजार शटडाउन समाप्त तो हो गया, लेकिन वित्तीय सहायता रोके जाने से प्रभावित कार्यक्रमों और इसके परिणामों से लोगों को उबरने में कुछ समय लगेगा। कुछ संघीय सेवाएं धीरे-धीरे बहाल होंगी। कर्मचारियों में वेतन को लेकर चिंता हजारों सरकारी कर्मचारी इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि उन्हें उनका बकाया वेतन कब मिलेगा। एयरलाइन और आतिथ्य क्षेत्र जैसे उद्योगों को सरकारी खर्च में कमी का असर महसूस हुआ था। उन्हें अपनी स्थिति फिर से पटरी पर लाने के लिए और भी अधिक समय की आवश्यकता हो सकती है। बाकी अर्थव्यवस्था भी कुछ समय तक इसका असर महसूस कर सकती है। परिवहन मंत्री बोले, 48 घंटों के भीतर बकाया वेतन का 70 प्रतिशत मिलेगा संघीय कानून के अनुसार, जिन कर्मचारियों का वेतन शटडाउन के दौरान रुका हुआ था, उन्हें पूरा वेतन मिलना जरूरी है। अतीत में, अवैतनिक कर्मचारियों को पिछला वेतन मिलने में लगभग एक हफ्ते का समय लगता था, हालांकि कार्मिक प्रबंधन कार्यालय ने कहा है कि यह एजेंसी के अनुसार अलग-अलग होता है। परिवहन मंत्री सीन डफी ने कहा है कि हवाई यातायात नियंत्रकों को शटडाउन समाप्त होने के 24 से 48 घंटों के भीतर उनके बकाया वेतन का 70 प्रतिशत मिल जाएगा, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि सरकार के अन्य विभागों के लिए भी यही समय-सारिणी लागू होगी या नहीं। एयरलाइन उद्योग के लिए प्रतिबंध के संबंध में क्या है आगे की राह एयरलाइन उद्योग के प्रतिनिधियों का अनुमान है कि शटडाउन के बाद हवाई यात्रा सामान्य होने में लगभग एक सप्ताह का समय लगेगा। लेकिन, इस समय-सारिणी को बनाए रखने के लिए कुछ चीजें होनी जरूरी हैं। परिवहन विभाग को यह सुनिश्चित करना होगा।

रूसी तेल के गुप्त सहयोगी पर ब्रिटेन की नजर

मास्को, एजेंसी। यूनाइटेड किंगडम ने रूस के तरलीकृत प्राकृतिक गैस निर्यात को निशाना बनाते हुए नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। इन प्रतिबंधों से ब्रिटिश शिपिंग कंपनियों और बीमा कंपनियों को रूसी एलएनजी के परिवहन, लॉजिस्टिक्स, बीमा तथा वित्तपोषण जैसी समुद्री सेवाएं देने से सख्ती से रोका जाएगा। इसका उद्देश्य मॉस्को के जीवाश्म ईंधन से होने वाली कमाई को घटाना है, जो यूक्रेन पर चल रहे युद्ध को चलाने के लिए इस्तेमाल होती है। पोलिटिको की एक रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन की विदेश मंत्री यवेट कूपर ने मंगलवार को (स्थानीय समयानुसार) कनाडा के नियाग्रा में जी-7 विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान इन कदमों का ऐलान किया। ब्रिटेन ने वर्ष 2023 में ही रूसी एलएनजी के आयात

पर रोक लगा दी थी। लेकिन रिपोर्ट में उल्लेख है कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्वारा यूक्रेन पर हमले को शुरू हुए लगभग चार वर्ष बाद भी ब्रिटिश फर्में रूसी एलएनजी ले जाने वाले टैंकरों को समुद्री और बीमा सुविधाएं देती रहीं। ये नए प्रतिबंध 2026 तक चरणबद्ध रूप से लागू होंगे और यह यूरोपीय संघ के साथ मिलकर उठाया गया कदम है। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय (एफसीडीओ) के अनुसार, यह कदम यूरोपीय संघ के ताजा प्रतिबंध पैकेज के अनुरूप है, जो 1 जनवरी 2027 तक लंबी अवधि के अनुबंधों के तहत रूसी एलएनजी आयात पर पाबंदी लगाएगा, जबकि छोटी अवधि के सौदों पर इससे पहले। पोलिटिको की रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समयसीमा से ब्रिटिश कंपनियां यूरोपीय संघ के आयात प्रतिबंध लागू होने तक यूरोप भेजे जाने वाले एलएनजी के शिपमेंट को मैनेज कर सकेंगी। रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में रूस के आक्रमण के बाद, यूरोप को रूस से पाइपलाइन के जरिए गैस की आपूर्ति में भारी कमी आई, लेकिन समुद्री मार्ग से एलएनजी आयात रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। पोलिटिको ने एक अभियान समूह के हवाले से बताया कि ब्रिटिश कंपनी सीपीके मैरीटाइम ग्लासगो लिमिटेड को 2025 की पहली छमाही में रूस के साइबेरियाई निर्यात केंद्र यमल एलएनजी से करीब चार मिलियन टन एलएनजी कार्गो की सुविधा देने के लिए जिम्मेदार ठहराया गया। यह उस दौरान कुल शिपमेंट का लगभग 39 प्रतिशत था।

अमेरिका में 17000 विदेशी ट्रक ड्राइवरों के लाइसेंस पर कैंची, रडार पर सबसे अधिक भारतीय

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राज्य कैलिफोर्निया 17000 विदेशी ट्रक ड्राइवर्स के कमर्शियल ड्राइविंग लाइसेंस (सीडीएल) को रद्द करने की तैयारी में है। इस फैसले से सैकड़ों भारतीय मूल के ड्राइवर बुरी तरह प्रभावित हो सकते हैं, जो अमेरिका में ट्रक चालकों की भारी कमी के समय महत्वपूर्ण योगदान दे चुके हैं। कई चालकों को गलत दिशा में वाहन चलाते हुए पकड़े जाने के मामले भी सामने आए हैं। यह कठोर कार्रवाई अगस्त में फ्लोरिडा में एक अवैध भारतीय प्रवासी ड्राइवर द्वारा यू-टर्न लेने से हुई भयावह दुर्घटना का परिणाम मानी जा रही है, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि, राज्य ने प्रभावित अप्रवासी चालकों की विस्तृत जानकारी सार्वजनिक नहीं की है। माना जा रहा है कि इस कदम से भारतीय और भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। 2019 की लॉस एंजिल्स टाइम्स रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका में (विशेषकर कैलिफोर्निया में) पिछले एक दशक में भारतीय-सिख समुदाय ने ट्रकिंग उद्योग की कमी को पूरा करने में अहम भूमिका निभाई है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसम ने स्पष्ट किया कि ये लाइसेंस अमान्य हो रहे हैं क्योंकि इनकी समाप्ति तिथि चालकों के अमेरिका में वैध रहने की अवधि से अधिक थी। समाचार एजेंसी एपी के अनुसार, राज्य परिवहन एजेंसी ने बताया कि ये लाइसेंस तब समाप्त हो चुके थे जब ड्राइवरों को अमेरिका में कानूनी रूप से रहने की अनुमति थी। दूसरी तरफ, अमेरिकी परिवहन सचिव सीन पी डफी ने गवर्नर गेविन न्यूसम के स्टे परमिट समाप्ति के दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि राज्य का यह निर्णय साबित करता है कि कैलिफोर्निया ने अपनी प्रक्रियाओं को ठीक से नहीं संभाला, जबकि पहले राज्य ने इसे वैध ठहराया था। डफी ने एक बयान में कहा कि हफ्तों तक दावा करने के बाद कि कोई गलती नहीं हुई, गेविन न्यूसम और कैलिफोर्निया को रंगे हाथों पकड़ लिया गया है। अब जब उनके झूठ का पर्दाफाश हो गया है, तो 17000 अवैध रूप से जारी ट्रकिंग लाइसेंस रद्द हो रहे हैं। यह तो सिर्फ शुरुआत है। मेरी टीम कैलिफोर्निया को मजबूर करती रहेगी।

जर्मनी में पोलियो का जंगली रूप, हैम्बर्ग में मिला खतरनाक वायरस

पेरिस , एजेंसी। वैश्विक स्तर पर पोलियो को समाप्त करने के लिए युद्ध स्तर पर काम हुए हैं। सभी देशों ने इसे जड़ से समाप्त करने के लिए अपना सब कुछ झोंक दिया है। हालांकि, अभी तक इस पर पूरी तरह सफलता नहीं मिल पाई है। कुछ क्षेत्रों ने इसमें काफी हद तक सफलता पाई थी। इस बीच जर्मनी के हैम्बर्ग में अपशिष्ट जल के एक नमूने में वाइल्ड पोलियोवायरस टाइप 1 का पता लगाया गया है। दरअसल, यूरोपीय संघ की एक एजेंसी, यूरोपीय रोग निवारण और नियंत्रण केंद्र ने अपने एक बयान में बताया कि जर्मनी ने हैम्बर्ग में अपशिष्ट जल के नमूने में जंगली पोलियो वायरस टाइप 1 (डब्ल्यूपीवी 1) का पता लगाने की सूचना दी है। इससे पहले ऐसी रिपोर्टें आई थीं कि 2024 के अंत से जर्मनी में कई स्थानों से प्राप्त अपशिष्ट जल के नमूनों में वैक्सीन-व्युत्पन्न पोलियोवायरस टाइप 2 (सीवीडीपीवी2) पाया जा रहा है, जो ऐसे समय में एक झटका है, जब देश इस वायरस को खत्म करने के लिए प्रयासरत हैं।

इन लोगों के लिए खतरा : सीवीडीपीवी2 और डब्ल्यूपीवी1 का पता लगाना एक दूसरे से संबंधित नहीं है, लेकिन दोनों पोलियो वायरस उन लोगों में पोलियो का कारण बन सकते हैं, जिनका टीकाकरण नहीं हुआ है या जिनका पूर्ण टीकाकरण नहीं हुआ है। रॉबर्ट कॉख इंस्टीट्यूट ने अपने बयान में कहा, जर्मनी में सीवेज के एक नमूने में वाइल्ड पोलियोवायरस टाइप 1 का पता चला है। हालांकि राहत की बात है कि अब तक किसी भी इंसान में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है। वायरस मिलना असामान्य जर्मनी में अपशिष्ट जल के नमूने में डब्ल्यूपीवी1 का पाया जाना असामान्य है, लेकिन अप्रत्याशित नहीं। बयान में कहा गया है कि जर्मनी में अपशिष्ट जल में डब्ल्यूपीवी1के पाए जाने से यूरोपीय आबादी को होने वाला जोखिम बहुत कम

माना जा रहा है, क्योंकि इस पूरे क्षेत्र में टीकाकरण दर आम तौर पर बहुत ऊंची है। डब्ल्यूपीवी1 के जीनोम अनुक्रम से पता चला है कि यह अफगानिस्तान के एक जेनेटिक क्लस्टर से अत्यधिक मेल खाता है। वर्तमान में डब्ल्यूपीवी1 केवल अफगानिस्तान और पाकिस्तान में ही फैल रहा है, लेकिन हाल के वर्षों में इसे इन दोनों देशों के बाहर भी पाया गया है। ईरान (2019) में पर्यावरण नमूनों में और मलावी (2021) तथा मोजाम्बिक (2022) में ये मामले मिले थे। टीकाकरण कवरेज 90 प्रतिशत से अधिक सभी यूरोपीय संघ/ईईए देशों में पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम हैं और सभी निष्क्रिय पोलियो टीके (आईपीवी) का उपयोग करते हैं। अधिकांश यूरोपीय संघ/ईईए देशों में टीकाकरण कवरेज 90% से अधिक है। चूंकि पोलियो का विश्व स्तर पर उन्मूलन नहीं हुआ है, इसलिए यूरोप में इस विषाणु के पुनः फैलने का खतरा तब तक बना रहेगा जब तक वहां ऐसे लोग हैं जिनका पूर्ण टीकाकरण नहीं हुआ है। ऐसे में लोगों को पोलियो से बचाने के लिए टीकाकरण की आवश्यकता है। अपशिष्ट जल में पोलियो वायरस की पूर्व में हुई पहचान के बाद ईसीडीसी ने सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राधिकारियों के लिए सिफारिशें की हैं। सभी यूरोपीय संघ/ईईए देशों में नियमित टीकाकरण कार्यक्रमों में शामिल पोलियो-युक्त टीकों का समय पर प्रशासन सुनिश्चित करना, विशेष रूप से छोटे बच्चों के लिए, ताकि समाज के सभी स्तरों पर कम से कम 90% कवरेज बनाए रखा जा सके। यूरोपीय रोग निवारण और नियंत्रण केंद्र के बयान के अनुसार, ईसीडीसी स्थिति की निगरानी करने, मार्गदर्शन प्रदान करने और उच्च टीकाकरण स्तर बनाए रखने के प्रयासों का समर्थन करने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेगा।

जानकारी

तनाव से होने वाले गठिया के लक्षण और उपचार

अनुसंधानों द्वारा जब रूमेटाइड अर्थराइटिस में आघात और भावनात्मक संकट की भूमिका की जांच की गई तो पाया गया कि, आघात और भावनात्मक संकट या चिंता आदि रूमेटाइड अर्थराइटिस के लक्षणों को बद से बदतर बना सकते हैं। तनाव कई स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है, लेकिन क्या आघात या तनाव गठिया अर्थात रूमेटाइड अर्थराइटिस (rheumatoid arthritis) के विकास को गति प्रदान करता है? अनुसंधानो द्वारा जब रूमेटाइड अर्थराइटिस में आघात और भावनात्मक संकट की भूमिका की जांच की गई तो दोनों ही प्रश्नों का उत्तर 'हां' में मिला। चलिए जानते हैं-तनाव प्रेरित गठिया के लक्षण और इसके उपचार क्या हैं।

शोध करता है पुष्टि

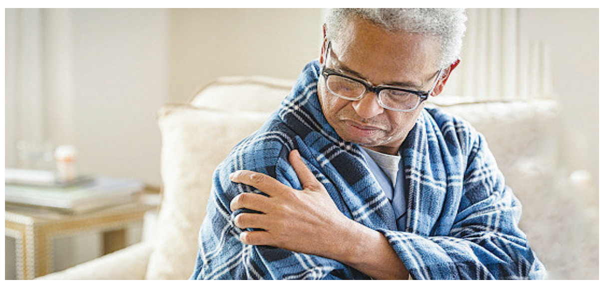

उदाहरण के लिए, वर्ष 2009 में सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के शोधकर्ताओं ने एक शोध में पाया कि वे लोग जिनके बचपन में शारीरिक, भावनात्मक या यौन शोषण सहित दो या अधिक घटनाएं हुई हैं, उनमें बचपन में बिना किसी दुखद घटना वाले लोगों की तुलना में रूमेटाइड अर्थराइटिस होने का खतरा दो गुना अधिक होता है।

मानसिक तनाव रोग के परिणाम को कर सकता है प्रभावित

मिशिगन यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर, डैनियल क्लॉव के अनुसार कई अन्य अध्ययनों ने भी मानसिक तनाव और रूमेटाइड अर्थराइटिस के बीच संबंधों का वर्णन किया है। उनमें से एक में, नेब्रास्का यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने रूमेटाइड अर्थराइटिस से पीड़ित 1,522 अमेरिकी दिग्गजों के रिकॉर्ड का विश्लेषण किया। उन्होंने पाया कि रूमेटाइड अर्थराइटिस से पीड़ित वे लोग जिन्हें पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर था, उन्होंने बिना पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर वाले रूमेटाइड अर्थराइटिस के मरीजों की तुलना में दर्द होने, जोड़ों में अकड़न आने आदि समस्याओं की शिकायत की।

चिंता से लक्षण हो सकते हैं बद से बदतर

इसी वर्ष रूमेटिक डिजीज पर प्रकाशित एक डच अध्ययन के अनुसार, शोधकर्ताओं ने चिंता एवं रूमेटाइड अर्थराइटिस के लक्षणों के बीच संबंध पाया। यह जानने के लिए कि कैसे रोजाना का तनाव और चिंता, रूमेटाइड अर्थराइटिस के लक्षणों आदि को प्रभावित करते हैं, शोधकर्ताओं ने 80 रूमेटाइड अर्थराइटिस के मरीजों का छह महिनों का डाटा एकत्रित किया। इसमें मरीजों ने दैनिक तनाव के बारे में (उदाहरण के लिए, लंबे समय तक इंतजार, कुछ बेहद अजीज खो जाना आदि) तथा तनाव का स्तर तथा दर्द, थकान और बीमारी गतिविधि के लक्षण से संबंधति सवालों के जवाब दिए। शोधकर्ताओं ने इंफ्लेमेट्री साइटोकिन्स- टीएनएफ-अल्फा और इंटरल्यूकिन 1 बीटा (आईएल 1व) सहित तनाव हार्मोन- कोर्टिसोल के स्तर को मापने के लिए रक्त के नमूने भी लिए, क्योंकि ये भी रूमेटाइड अर्थराइटिस में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रमुख लेखक एंड्रिया डब्ल्यू एम एवर्स के अनुसार, परिणामों में पाया गया कि वे मरीज जिनमें अधिक चिंता करने की

गया। तो इससे ये काफी हद तक साफ होता है कि चिंता गठिया के लक्षणों को बढ़ा करती है। इससे बचने सायकोलॉजिकल थेरेपी ली जा सकती हैं। बेहतर होगा कि आप ऐसे में किसी मनोवैज्ञानिक की मदद लें।

असल में क्या हैं फेफड़ों के कैंसर के शुरुआती लक्षण?

इन भ्रांतियों को भी दूर कर लें

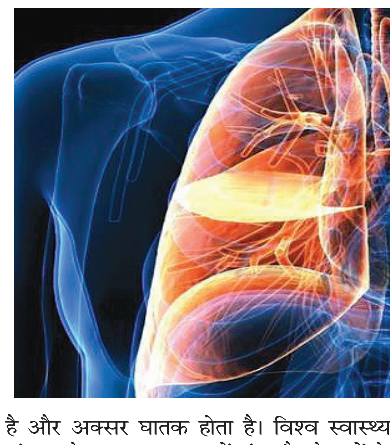

इंडिया अगेंस्ट कैंसर की वेबसाइट के अनुसार, फेफड़ों के कैंसर का बड़ा कारण धूम्रपान है। धूम्रपान के कारण भारत में हर दिन 3500 लोग जान गंवा रहे हैं। धूम्रपान करने वाले किसी भी व्यक्ति को शुरुआती चरणों में किसी भी ट्यूमर को पकड़ने के लिए फेफड़े का सीटी स्कैन कराना चाहिए। लोगों को फेफड़ों के कैंसर की जांच के फायदों के बारे में ज्यादा जानने की जरूरत है। पहले जांच का कोई अच्छा तरीका नहीं हुआ करता था और अब सीएटी (CAT) स्कैन लो डोज रेडिएशन के साथ हर साल इस बात की चिंता दूर करता है कि फेफड़े ट्यूमर रहित हैं।

फेफड़ों के कैंसर का खतरा

भले ही फेफड़ों के कैंसर से होने वाली मौतों में कमी दिख रही हो, लेकिन यह भी सच है कि प्रोस्टेट, ब्रेस्ट और कोलोन कैंसर की तुलना में यह आज भी इंसानों की जान का ज्यादा बड़ा दुश्मन बना हुआ है। इसका एक कारण यह है कि इस बीमारी के बारे में बिल्कुल पता नहीं चलता और शुरुआती लक्षण नजरअंदाज हो जाते हैं। जब तक इसका पता चलता है ट्यूमर फैल जाता है और अक्सर घातक होता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत में मुंह और फेफड़ों के कैंसर से 25 फीसदी पुरुषों की असमय मौत हो जाती है। यहां इंसानों की जान का ज्यादा बड़े दुश्मन बने कैंसर के बारे में जानिए -

डॉ. उमर अफरोज के अनुसार, फेफड़ों की कोशिकाओं का अनियंत्रित होकर बढ़ना फेंफड़ों के कैंसर का कारण होता है। जैसे-जैसे कोशिकाओं की संख्या बढ़ती है, वे एक ट्यूमर बना देती है। यदि फेफड़ों का कैंसर शुरुआती चरणों में पकड़ा जाता है, तो यह वाकई अच्छी खबर है। ट्यूमर को ज्यादा बेहतर तरीके से हटाया जा सकता है। रोबोटिक सर्जिकल टूल्स का उपयोग करते हुए सर्जन फेफड़े के ट्यूमर को मिनिमली इन्वेसिव रीमूवल टेक्निक से हटा सकते हैं। हर फेफड़े का रीसेक्शन (फेफड़े के हिस्से को हटाना) इस तरह से नहीं किया जा सकता है। व्यक्ति के स्वास्थ्य और जटिलता को देखते हुए रोबोट सर्जरी रोगियों के लिए फायदेमंद हो सकती है। 55 साल से अधिक लोगों के लिए साल भर में एक बार फेफड़े के कैंसर की जांच की सलाह दी जाती है। विशेष रूप से उन्हें जो कि एक दिन में सिगरेट का एक पैकेट फूंक जाते हैं या पिछले 15 सालों से धूम्रपान कर रहे हैं, जो लोग वर्तमान में धूम्रपान कर रहे हैं, उन्हें जांच करानी चाहिए और यह जान लें कि धूम्रपान 80 से 90 प्रतिशत फेफड़ों के कैंसर से जुड़ा हुआ है।

अमेरिका में नवंबर माह को लंग कैंसर अवेयरनेस मंथ के रूप में मनाया जा रहा है, ताकि हर रोज लाखों लोगों को प्रभावित करने वाली इस खतरनाक बीमारी के बारे में जागरूकता फैला सकें। अमेरिका जैसे देश में फेफड़े के कैंसर के बारे में कुछ सामान्य गलत धारणाएं प्रचलित हैं। फेफड़ों का कैंसर अमेरिका में कैंसर से होने वाली मौतों का सबसे बड़ा एकलौता कारण है। फेफड़ों के कैंसर से कोलोन, ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर की तुलना में अधिक मौतें होती हैं। फेफड़े के कैंसर का सबसे आम कारण तंबाकू धूम्रपान है। अगर आप धूम्रपान करते हैं, तो आपके फेफड़ों का कैंसर होने की संभावना 30 गुना अधिक होती है। तीसरी बात यह प्रचलित है कि फेफड़े का कैंसर आमतौर पर प्रारंभिक अवस्था में पता चल जाता है, लेकिन दुर्भाग्य है कि यह सच नहीं है। फेफड़ों के कैंसर के जल्दी लक्षण जल्दी पता नहीं चलते। फेफड़े के कैंसर का विकास आनुवांशिक और गैर-आनुवंशिक दोनों कारकों पर निर्भर करता है। आनुवंशिक, पर्यावरणीय और व्यवहार संबंधी कारक सभी आपके लिए जोखिम का काम करते हैं। फेफड़ों के कैंसर को लेकर एक अन्य भ्रांति है

सच नहीं है, कई तरीके हैं, जिनसे यह स्क्रीनिंग संभव है।

सेहत

तपेदिक कैसे होता है?

तपेदिक (ट्यूबरक्युलोसिस, क्षय रोग या टीबी) बैक्टीरिया के कारण होने वाली संक्रामक बीमारी है। इसका वैज्ञानिक नाम 'माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्युलोसिस' है। टीबी की बीमारी ज्यादातर फेफड़े को प्रभावित करती है, लेकिन यह सिर्फ फेफड़े की बीमारी नहीं है। शरीर के किसी भी अंग पर तपेदिक का दुष्प्रभाव हो सकता है। एब्डॉमन, किडनी, स्पाइन, ब्रेन या शरीर के किसी भी अंग की हड्डी में तपेदिक का प्रकोप हो सकता है। आजकल शरीर मे पौष्टिक खाने की कमी, जंकफूड के इस्तेमाल, मीजल्स या न्यूमोनिया के बिगड़ने और एचआईवी पॉजीटिव होने से भी तपेदिक का इन्फेक्शन होता है।

- तपेदिक ग्रसित रोगियों के कफ, छींकने, खांसने, थूकने और उनके करीब रहकर उनके द्वारा छोड़ी गई कार्बनडाइऑक्साइड के संपर्क में आने से कोई भी स्वस्थ व्यक्ति भी आसानी से टीबी का शिकार हो सकता है।
- टीबी के मरीज के संपर्क में आने से स्वस्थ व्यक्ति के फेफड़ों पर असर होता है, लेकिन तपेदिक से संक्रमित व्यक्ति को छूने और उससे हाथ मिलाने से टीबी नहीं फैलता है।
- हवा के संक्रमण से तपेदिक रोग होता है।
- बच्चे पाश्चराइज्ड दूध न पीने से तपेदिक की गिरफ्त में आ सकते हैं।
- तपेदिक जब सांसों के जरिए फेफड़े तक पहुंचता है तब बीमारी की स्थिति गंभीर हो सकती है।
- खान-पान में लापरवाही बरतने से भी तपेदिक होता है। जंक फूड और फास्ट फूड खाने से टीबी की संभावना बढ़ जाती है।
- कभी-कभी सामान्य खांसी को नजरअंदाज करने से टीबी हो सकता है। इसलिए खांसी अगर दो हफ्ते से ज्यादा समय तक आए तो डॉट्स सेंटर पर जाकर बलगम की जांच कराएं।
- तपेदिक का असर किडनी, हड्डी, दिमाग, स्पाइनलकार्ड को प्रभावित करते हैं।
- शरीर पर तपेदिक के संक्रमण का असर बढ़ने के साथ ही व्यक्ति के शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता समाप्त होने लगती है।
- डायबिटीज, कैंसर, एचआईवी के मरीजों में तपेदिक होने का खतरा ज्यादा होता है।
- शराब पीने वाले आदमी को ट्यूबरकुलोसिस की संभावना बढ़ जाती है।
- अस्पताल में काम करने वाले कर्मचारियों को टीबी मरीजों के संपर्क में आने से इसके होने की संभावना ज्यादा होती है।
- तपेदिक होने पर शरीर में थकान, वजन कम होना, हर रोज बुखार आना, रात में सोते वक्त पसीना आने जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं।
- भूख की कमी, शरीर में पीलापन आना भी ट्यूबरकुलोसिस के लक्षण हैं।
- फेफड़े में इन्फेक्शन बढ़ने के साथ ही कफ ज्यादा आने लगता है, जिससे छाती में दर्द, कफ में खून आने से सांस लेने में दिक्कत होने लगती है।
- चेस्ट एक्स-रे, त्वचा की जांच, बलगम की जांच द्वारा तपेदिक का पता लगाया जा सकता है।
- टीबी के इलाज के लिए भारत सरकार ने जगह-जगह डॉट्स के केंद्र

मरीज को दूध, पनीर, अंडे, चिकन और मछली खाने की सलाह दी जाती है। तपेदिक के मरीज को हर रोज अपने डाइट में 1.5 ग्राम प्रोटीन लेने की सलाह दी जाती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। शुभांक-4-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। शुभांक-4-6-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। शुभांक-4-6-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आध्यात्मिक रुचि बनेगी। प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। वाहन चालन में सावधानी बरतें। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शनैः-शनैः स्थिती पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रहें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। शुभांक-2-6-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-3-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। रुका हुआ लाभ प्राप्त हो सकता है। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभ कार्यों में प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। शुभांक-4-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कामकाज की व्यस्तता बढ़ेगी। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। शुभांक-3-5-6

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-4-6-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। जो चल रहा हैं उसे सावधानीपूर्वक संभालें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 2648

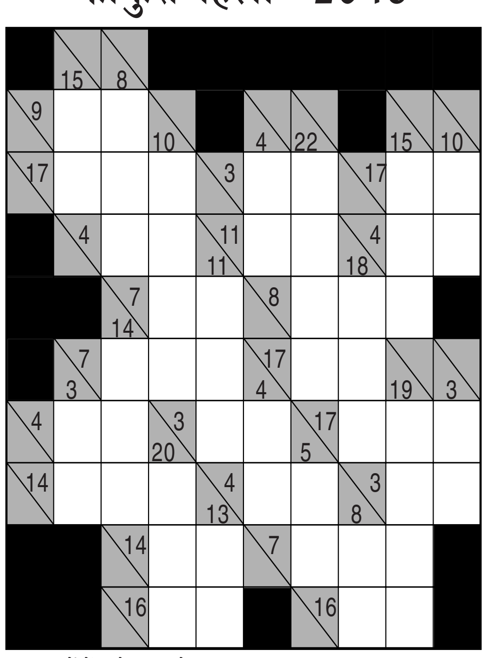

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

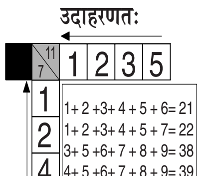

काकुरो -2647 का हल

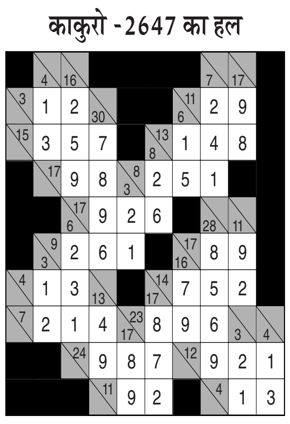

हंसी के फूव्वारें

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा- 'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला- 'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

□ □ □

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा- 'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!' वह आदमी कड़क आवाज में बोला- 'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

□ □ □

बेटा- 'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता- कितने अंक मिले हैं.

बेटा- 'शून्य, शून्य, शून्य !'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 2648

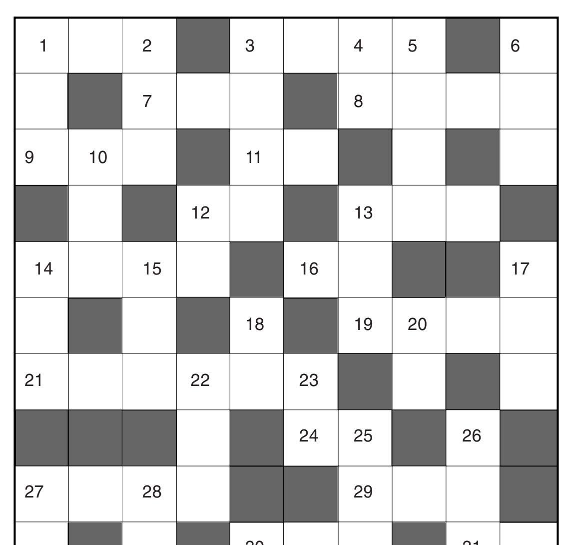

बायें से दायें:-

१. राजकुमार, राजेश खन्ना, माला की फिल्म-३
३. 'साथिन' की सच्ची घटना पर आधारित रघुवीर यादव, नंदिता की फिल्म-४
७. ऋषिकपूर, शाहरूख, दिव्या भारती की फिल्म-३
८. 'मेरे दिल ने जो मांगा मिल गया' गीत वाली फिल्म-४
९. बलराज, श्यामा की 'तारों की चूनर' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'क्या मैंने सोचा' गीत वाली संजय, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-२
१२. संजय, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की 'उन से पूछें' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'सलमा को मिल' गीत वाली जैकी, पूनम की फिल्म-३
१४. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'दिल डूबा डूबा नीली' गीत वाली अमिताभ, अजय, अक्षय, ऐश्वर्याराय का फिल्म-२
१९. अक्षय, करिश्मा की 'माथे पे चमके' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'ये चाँद सा' गीत वाली शम्मी, शर्मिला की फिल्म-३,१,२
२४. अरूण गोविल, साहिला की 'मेरी चढ़ती जवानी समझे' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरा कुछ सामान' गीत वाली शशिकपूर, नसीर, रेखा की फिल्म-४
२९. अक्षय, रवीना की 'सुबह से लेकर' गीत वाली फिल्म-३
३०. 'तू ने कहा जब से' गीत वाली अक्षय, करीना कपूर की फिल्म-३
३१. अजय, पूजा, सोनाली की 'हम यहाँ तुम यहाँ' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, वहीदा, जीनत की फिल्म-३
२. अशोक, बीना की 'जाता हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२,१
३. 'इश्क में दिल' गीत वाली नसीर, डिम्पल की फिल्म-४
४. सनी, शाहरूख, जूही की फिल्म-२
५. १९९४ में आई मिथुन, गोविंदा, योगिता की एक फिल्म-४
६. जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. 'आगे सुख तो' गीत वाली अनिल, विजया की फिल्म-३
१२. विवेक, दीया की 'दिल ही दिल में' गीत वाली फिल्म-२
१३. राजकुमार, मीना की फिल्म-३
१४. संजयदत्त, पूजा की 'जब जब प्यार' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१७. राजेंद्रकुमार, वहीदा रहमान की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दो नैनों के पंख' गीत वाली फिल्म-२
२०. सनी, समीरा की 'नशा है आज' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'गैर से अंख लड़ाई' गीत वाली फिल्म-३
२३. विनोद, डिम्पल की 'चंपई धूप के' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'मेरा मन भंवरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. मिथुन, अतुल, पूजा की फिल्म-३
२७. 'देखो देखो जानम हम' गीत वाली फिल्म-२
२८. सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2647

सूडोकु -2648

		2				1		
				2	5	7	3	
	9	4		6	7			2
	5		4		3			9
	8			9			7	
1			6		8		2	
6			7	4		9	5	
	4	5	8	3				
		8				6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2647 का हल

9	1	6	2	3	7	4	5	8
8	2	3	4	5	9	1	7	6
4	5	7	1	6	8	3	9	2
5	6	8	7	1	2	9	3	4
1	7	4	9	8	3	2	6	5
2	3	9	5	4	6	8	1	7
7	4	1	8	9	5	6	2	3
3	8	5	6	2	1	7	4	9
6	9	2	3	7	4	5	8	1

शब्द पहेली - 2648

बाएँ से दाएँ

1. अपनापन का विलोम-5
4. हठ करना, रोना, लालसा करना-4
7. गीत (अंग्रेजी-2)
8. गलीचा, कारपेट-3
9. किनारा, छोर-2
10. झगड़ा, कहासुनी-4
11. समय, वक्त-2
13. बेबस-3
14. राष्ट्र, स्वदेश-2
15. पुत्र, लड़का-3
17. प्राप्त करना-2
19. सेंधमार-5
22. चरित्र, व्यवहार-2,3
25. जीव, दूत, जासूस-2
26. आत्मबलि देना-3
28. ताकत, जोश, बल-2
29. कराह, टीस, लालसा-3
30. वहम, संदेह-2
32. आह भरना-4
34. दूर्वा, घास-2
36. चोंगा, गाऊन-3
37. सफर, जात्रा-2
38. दयालु, कृपालु-4
39. निर्माण करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1. पांव, पैर-2
2. भिखारी, मंगता-3
3. अस्वीकृत करना-3,2
4. माला का मोती-3
5. बुरी आदत-2
6. नाटक से परिपूर्ण-4
7. हल्का काला, श्याम-5
10. व्यवस्थित-4
12. बुरी आदत-2
16. अनुकृति-3
17. तांबूल, पत्ता-2
18. रुखसार, कपोल-2
20. डोली अथवा पालकी उठाने वाले -3
21. जोड़, योग-2
22. चतुर्थ-2
23. आनंद ध्वनि करना-4
24. महात्मा गांधी की दांडी यात्रा-5
25. चमकीला-5
26. नीच, नराधम -4
27. विनाश, नेस्तनाबूत-2
31. रंग (अंग्रेजी-3)
33. पराजित करना-3
35. गौरेया, एक चिड़िया-2
37. दोस्त, मित्र, सखा-2

शब्द पहेली -2647 का हल

बिहार के मतदाताओं की परिपक्वता दक्षिण एशियाई लोकतंत्र के लिए बनी मिसाल

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 ने न सिर्फ देश, बल्कि दुनिया को चौंका दिया है। जिस राज्य को लम्बे समय तक राजनीतिक अस्थिरता, जातीय समीकरणों और गठबंधन बदलावों की प्रयोगशाला कहा जाता रहा, उसी बिहार ने इस बार ऐसा नतीजा दिया, जिसने सभी राजनीतिक विश्लेषकों, एजेंसियों और अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों के अनुमान ध्वस्त कर दिए। जब राजनीतिक पंडित 243 सीटों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) और महागठबंधन को कितनी-कितनी सीटें मिलेंगी का अनुमान लगा रहे थे, कोई राजग का, तो कोई महागठबंधन की सरकार बना रहे थे। वहीं बिहार की जनता ने राजग को 202 सीटें देकर राजनीतिक पंडितों को संदेश दे दिया है कि उन्हें स्थिरता चाहिए और विकास के साथ जुड़ा नेतृत्व चाहिए। दुनिया के लिए आश्चर्य इसलिए भी

कि बिहार ने हर उस पूर्वानुमान को गलत साबित किया, जिसमें मुकाबला कड़ी टक्कर और नीतीश बनाम तेजस्वी तक सीमित माना जा रहा था।राजनीतिक विश्लेषक एवं शिक्षाविद् प्रो. रविकांत पाठक के अनुसार, लोकतंत्र, सामाजिक संरचना और जनादेश पर नजर रखने वाली कई वैश्विक एजेंसियों ने माना कि बिहार के मतदाताओं ने जिस परिपक्वता के साथ वोट दिया, वह दक्षिण एशियाई लोकतंत्र के लिए एक मिसाल है। दुनिया को चौंकाने वाला यह जनादेश तीन बड़े संदेश देता है। जातीय राजनीति से ऊपर उठकर विकास का समर्थन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का असर और स्थिरता के लिए निर्णायक मतदान। प्रो. रविकांत पाठक ने बताया कि विधानसभा चुनाव-2025 में बिहार ने पारंपरिक जातीय समीकरणों को झकझोर कर रख दिया। जनता ने साफ कहा है कि विकास सबसे बड़ा मुद्दा है। बिहार ने इस चुनाव में मोदी फैक्टर को एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया। यही वजह है कि प्रधानमंत्री ने भी कहा कि हम बिहार के लोगों का दिल चुराकर बैठे हैं। दुनिया के लिए यह हैरानी की बात थी कि जहां सत्ता बनाने के लिए 122 सीटें काफी थीं, वहां बिहार की जनता ने राजग की झोली में 202 सीटें डाल दीं। यह बताता है कि जनता किसी तरह का राजनीतिक अस्थिरता नहीं चाहती थी। रविकांत पाठक ने कहा कि इस चुनाव ने वह कर दिखाया जो शायद वर्षों बाद किसी राज्य में दिखाई देता है। मतदाताओं ने भावनाओं, विकास और नेतृत्व के संयोजन को एक दिशा में ला दिया। नतीजों ने राजनीतिक दलों को नया संदेश दिया। अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने इसे भारत के लोकतंत्र की परिपक्वता कहा है। भारत की राजनीति में बिहार ने फिर एक बार अपनी निर्णायक भूमिका दर्ज कराई है।

कांग्रेस ने बिहार चुनाव नतीजों को वोट चोरी बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा की अगुवाई वाले एनडीए गठबंधन को मिली एकतरफा जीत को कांग्रेस ने वोट चोरी का नतीजा बताया है। पार्टी ने कहा कि ये परिणाम चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने अपने एक्स पोस्ट में आरोप लगाया कि बिहार के चुनाव नतीजे चुनाव आयोग द्वारा रची गई वोटचोरी को बड़े पैमाने पर दिखाते हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस संविधान की रक्षा और लोकतंत्र को बचाने के अपने अभियान को और ज्यादा मजबूती से जारी रखने के संकल्प को दोहराते है।

सीबीआई ने यूपी ग्रामीण बैंक के फील्ड ऑफिसर और शाखा प्रबंधक को 7 हजार रुपये की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने यूपी के कानपुर देहात से ग्रामीण बैंक की बरौर शाखा के फील्ड ऑफिसर शक्ति सिंह सेंगर और शाखा प्रबंधक अर्पित अवस्थी को 7 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया। दोनों अधिकारी किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के तहत 1 लाख 20 हजार रुपये के तत्काल ऋण की मंजूरी के बदले अवैध धन की मांग कर रहे थे। जांच एजेंसी के अनुसार शिकायत प्राप्त होने पर सीबीआई की टीम ने गुरुवार को मामला दर्ज किया था। शिकायत के सत्यापन के बाद एजेंसी ने आज बरौर शाखा में ट्रैप बिछाया, जिसके तहत दोनों आरोपित एक-दूसरे की मिलीभगत में शिकायतकर्ता से रिश्वत मांगते और स्वीकार करते पकड़े गए।सीबीआई ने दोनों अधिकारियों को हिरासत में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। एजेंसी मामले से जुड़े अन्य पहलुओं, संभावित मिलीभगत और भ्रष्टाचार के नेटवर्क की भी जांच कर रही है।

दिल्ली धमाके से जुड़े तीन डॉक्टरों का लाइसेंस रद्द, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने दिल्ली ब्लास्ट मामले से जुड़े तीन डॉक्टरों का लाइसेंस तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया है। यह कार्रवाई जम्मू-कश्मीर मेडिकल काउंसिल की सिफारिश और जांच एजेंसियों द्वारा जुटाए गए ठोस साक्ष्यों के आधार पर की गई है। एनएमसी की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि नौगाम, श्रीनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर संख्या 162/2025 में कई संदिग्धों की भूमिका सामने आई थी। इसी मामले की जांच में तीन डॉक्टरों की संलिप्तता भी उजागर हुई। आदेश के अनुसार डॉक्टर मुजफ्फर अहमद (पंजीकरण संख्या 14680/2017), डॉक्टर अदील अहमद राठर (पंजीकरण संख्या 15892/2019) और डॉक्टर मुजमिल शकील (पंजीकरण संख्या 15130/2018), जो जम्मू-कश्मीर मेडिकल काउंसिल में पंजीकृत थे, उन्हें जांच एजेंसियों द्वारा एकत्रित प्रमाणों के आधार पर इस गंभीर केस में शामिल पाया गया। एनएमसी ने कहा कि यह आचरण चिकित्सकीय पेशे की नैतिक मान्यताओं, ईमानदारी और जनता के भरोसे के पूरी तरह प्रतिकूल है। भारतीय चिकित्सा परिषद विनियम 2002 के अध्याय 1 के क्लॉज 1.1.1 और 1.1.2 के तहत ऐसे कृत्य को गंभीर उल्लंघन माना जाता है। जम्मू-कश्मीर मेडिकल काउंसिल ने अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए इन तीनों डॉक्टरों का पंजीकरण रद्द करने का आदेश जारी कर दिया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि तीनों डॉक्टरों के नाम तुरंत प्रभाव से मेडिकल प्रैक्टिशनर रजिस्टर से हटा दिए जाएं। इसके बाद वे चिकित्सा कार्य, किसी भी चिकित्सा संस्थान में नियुक्ति या मेडिकल पेशे से जुड़े किसी भी दायित्व का निर्वहन नहीं कर सकेंगे, जब तक कि आगे कोई नया आदेश जारी न हो।

दिल्ली ब्लास्ट के बाद लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट 2, 3 फिर से खुले, डीएमआरसी ने दी जानकारी

नई दिल्ली । देश की राजधानी दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास कार में हुए धमाके के बाद सुरक्षा के लिहाज से दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने कड़े कदम उठाए थे। घटना के बाद लाल किला मेट्रो स्टेशन को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया गया था, जिसे अब फिर से खोल दिया गया है। डीएमआरसी की ओर से शनिवार को इस संबंध में जानकारी दी गई। डीएमआरसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'सेवा अपडेटः लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 2 और 3 अब यात्रियों के लिए खुल गए हैं।' इससे पहले, डीएमआरसी ने गुरुवार को एक्स पोस्ट में बताया था कि लाल किला मेट्रो स्टेशन अगली सूचना तक बंद रहेगा। डीएमआरसी ने पोस्ट में लिखा था, 'सेवा अपडेटः सुरक्षा कारणों से लाल किला मेट्रो स्टेशन अगली सूचना तक बंद रहेगा। अन्य सभी स्टेशन सामान्य रूप से चालू हैं।' गौरतलब है कि बीते सोमवार वॉयलेट लाइन पर स्थित लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर-1 के बाहर एक कार में तेज धमाका हुआ था। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई थी और एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए थे। यह धमाका इतना जोरदार था कि मेट्रो स्टेशन के एंट्री गेट पर लगे शीशे चकनाचूर हो गए। घटना के तुरंत बाद आसपास स्थित मेट्रो स्टेशनों पर भी एहतियातन कुछ समय के लिए एंट्री रोक दी गई थी। जानकारी के अनुसार, ब्लास्ट की घटना के बाद दिल्ली पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके में कड़ी निगरानी बढ़ा दी है।

प्रधानमंत्री ने झारखंड के 25वें स्थापना दिवस पर राज्यवासियों को दी शुभकामनाएं

एजेंसी

रांची। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने झारखंड के 25वें स्थापना दिवस पर राज्यवासियों को शुभकामनाएं दी है और देश के महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा को उनकी 150वीं जयंती पर याद करते हुए उन्हें नमन किया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, जनजातीय संस्कृति से समृद्ध, गौरवशाली प्रदेश झारखंड के सभी निवासियों को राज्य के स्थापना दिवस की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। भगवान बिरसा मुंडा जी की इस धरती का इतिहास साहस, संघर्ष और स्वाभिमान की गाथाओं

से भरा हुआ है। आज इस विशेष अवसर पर मैं राज्य के अपने सभी परिवारजनों के साथ ही यहां की प्रगति और समृद्धि की कामना करता हूं। प्रधानमंत्री ने एक अन्य पोस्ट में देश के महान स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा को उनकी 150वीं जयंती पर याद किया। उन्हें नमन करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, जनजातीय गौरव दिवस के इस पावन अवसर पर पूरा देश मातृभूमि के स्वाभिमान की रक्षा के लिए उनके अतुलनीय योगदान को श्रद्धापूर्वक स्मरण कर रहा है। विदेशी हुकूमत के अन्याय के खिलाफ उनका संघर्ष और बलिदान हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा।

पंजाब की सरबजीत कौर पाकिस्तान में बनी नूर हुसैन

धर्म परिवर्तन कर किया निकाह, सुरक्षा एजेंसियों के निशाने पर आया परिवार

एजेंसी

चंडीगढ़। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के माध्यम से पाकिस्तान में धार्मिक यात्रा पर गए जत्थे में शामिल कपूरथला की महिला सरबजीत कौर पाकिस्तान में जाकर नूर हुसैन बन गई है। महिला ने धर्म परिवर्तन करके निकाह कर लिया है। इससे पहले भी एक महिला व पुरूष पाकिस्तान में जाकर निकाह कर चुके हैं। एसजीपीसी के माध्यम से हर साल गुरुपर्व तथा वैसाखी के अवसर पर भारतीय श्रद्धालुओं को पाकिस्तान स्थित गुरुधामों की यात्रा के लिए भेजा जाता है। बीती 4 नवंबर को अमृतसर स्थित अटारी-बाघा बार्डर के रास्ते 1932 श्रद्धालुओं का एक जत्था पाकिस्तान में गुरुधामों की यात्रा पर गया था। यह जत्था दस दिनों की यात्रा पर गया था। आठ सदस्य निजी कार्यों के समय से पहले ही लौट आए थे। इस यात्रा के दौरान एक सदस्य की मौत हो गई थी। अटारी बार्डर के रास्ते 1922

श्रद्धालु वापस लौटे। इस जत्थे में कपूरथला जिला की रहने वाली सरबजीत कौर शामिल नहीं थी। पाकिस्तान में लापता हुई महिला सरबजीत कौर कपूरथला जिले के गांव अमानीपुर, दक्का खाना टिब्बा की रहने वाली हैं। पूरा दिन जांच एजंसियों ने जहां पाकिस्तान में अपने समकक्षों से बात की, वहीं पंजाब में महिला के परिवार से भी पूछताछ की। देर महिला का निकाहनामा भारतीय एजंसियों को मिल गया। जिसके अनुसार सरबजीत कौर ने 4 नवंबर को पाकिस्तान पहुंच कर अपने फेसबुक फ्रैंड नासिर हुसैन से मिली।

नासिर ननकाना साहिब जिला के गाँव पिंडी शेखुपुरा का रहने वाला है। इसके बाद दोनों ने निकाह किया और फरार हो गए। पाकिस्तानी पंजाब की पुलिस उनकी तलाश में लगातार छापे मार रही है। अटारी बार्डर सूत्रों की मानें तो पाकिस्तान द्वारा महिला को गिरफ्तार करके भारत को सौंपने की बात कही गई है। महिला ने भले ही पाकिस्तान में जाकर शादी कर ली हो लेकिन पंजाब में उसका परिवार सुरक्षा एजेंसियों के निशाने पर आ गया है। इस बीच एसजीपीसी के महासचिव प्रताप सिंह ने कहा कि कमेटी सिर्फ सूची भेजती है, उसकी वेरीफिकेशन केंद्र द्वारा की जाती है। कई श्रद्धालुओ के दस्तावेजों में खामी के चलते उन्हें वीजा नहीं दिया गया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने नीतीश कुमार को दी जीत की बधाई

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बिहार विधानसभा चुनाव में निर्णायक जीत पर बधाई दी है। स्टालिन ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव के प्रयासों की प्रशंसा की, जबकि भारत के चुनाव आयोग की आलोचना की। मुख्यमंत्री स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''बिहार चुनाव का यह परिणाम सभी के लिए एक सबक है। चुनाव परिणाम कल्याणकारी योजनाओं को लाभार्थियों तक पहुंचाए जाने, सामाजिक एवं वैचारिक गठबंधन, स्पष्ट राजनीतिक संदेश और अंतिम वोट पड़ने तक समर्पित प्रबंधन को दर्शाते हैं।'' मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (ईंडी) के नेता भी अनुभवी हैं, जो संदेश को समझने और उभरती चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक योजना बनाने में सक्षम हैं। निर्वाचन आयोग की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, ''इस चुनाव के नतीजे निर्वाचन आयोग के लापरवाह कार्यों को नहीं

छिपा सकते, निर्वाचन आयोग की प्रतिष्ठा आज अपने सबसे निचले स्तर पर है। देश के नागरिक ऐसे मजबूत और अधिक निष्पक्ष निर्वाचन आयोग के हकदार हैं, जिसके चुनाव संचालन से उन लोगों में भी विश्वास पैदा हो, जिनकी जीत नहीं हुई।

हालांकि, मुख्यमंत्री स्टालिन की टिप्पणी पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता तमिल साई सुंदरराजन ने पलटवार किया है। अपने एक्स पोस्ट के माध्यम से उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन को स्वीकार करना चाहिए कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की जीत हुई है। आप इतने संकीर्ण क्यों हैं ? और विजेताओं को बधाई देने में भी खुले विचारों वाले क्यों नहीं हैं? 2024 में द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) गठबंधन 39 में से 39 सीटें जीता था, तब आपको वोटिंग मशीनों या चुनाव आयोग पर कोई संदेह नहीं था, लेकिन केंद्र में नरेन्द्र मोदी और राज्य में नीतीश कुमार ने अथक परिश्रम करके यह जीत हासिल की है। अब आपको चुनाव आयोग पर संदेह हो रहा है। उन्होंने कहा, महागठबंधन में चुनाव लड़ने वाले किसी भी व्यक्ति ने दोबारा मतदान करवाने या मतों की गिनती करवाने की मांग नहीं की। लोगों ने विरोध प्रदर्शन भी नहीं किए। इसे ध्यान में रखें और बोलें। भले ही आपका रुख इसके खिलाफ हो, लेकिन जनता के फैसले का सम्मान करना ज़रूरी है।

विश्व विख्यात मूर्तिकार को सम्मानित करने उनके घर पहुंची महाराष्ट्र सरकार

एजेंसी

नोएडा। विश्व विख्यात मूर्तिकार राम सुतार को महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें सम्मानित करने के लिए महाराष्ट्र सरकार उनके नोएडा में सेक्टर-19 स्थित घर पहुंची। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार और संस्कृति मंत्री आशीष सैलार ने उन्हें सम्मानित किया और कला के क्षेत्र में उनके योगदान की सराहना की। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 20 मार्च को विधानसभा में मूर्तिकार राम सुतार को राज्य का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार 'महाराष्ट्र भूषण' देने की घोषणा की थी। इसके तहत 25 लाख रुपये और एक स्मृति चिह्न दिया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि उन्हें गर्व है कि राम सुतार मूलरूप से महाराष्ट्र के निवासी हैं और अपनी कला के बूते उन्होंने पूरी दुनिया में अलग पहचान बनाई। उनकी बनाई मूर्तियां ना सिर्फ भारत, बल्कि अनेक देशों में प्रमुख स्थानों पर लगी हैं और अनेक रिकॉर्ड उनके नाम पर दर्ज हैं। राम सुतार की तबीयत इन दिनों खराब है और वह बिस्तर से नहीं उठ पा रहे। इसलिए उनके कमरे में जाकर ही उन्हें यह सम्मान दिया गया। सम्मान लेने के बाद उन्होंने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर स्थानीय सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा भी मौजूद रहे। राम सुतार के बेटे और मूर्तिकार अनिल सुतार ने कहा

कि पिता को घर आकर सम्मानित करने के लिए वह महाराष्ट्र सरकार के वह आभारी हैं। मूर्तिकार राम सुतार ने इसी साल फरवरी में सौ साल की आयु पूर्ण की है। महाराष्ट्र के गोंडूर गांव में एक गरीब परिवार में 19 फरवरी 1925 को जन्मे राम सुतार ने अपना स्टूडियो नोएडा में ही बनाया है। वह वर्ष 1990 से यहीं रह रहे। पद्मश्री और पद्मभूषण से सम्?मानित राम सुतार ने कई ऐतिहासिक मूर्तियां और स्मारक बनाए। महात?मा गांधी की साढ़े तीन सौ से अधिक मूर्तियां उन्होंने गढ़ी हैं। अजंता-एलोरा की गुफाओं में कई प्राचीन मूर्तियों के जीर्णोद्धार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा के भी शिल्पकार -राम सुतार ने गुजरात में दुनिया की सबसे ऊंची (182 मीटर) सरदार पटेल की प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी को डिजाइन किया,संसद भवन में लगी महात्मा गांधी की प्रतिमा बनाई, ऐसी प्रतिमा विभिन्न देशों में भी भेंट की गई ।251 मीटर ऊंची भगवान श्रीराम की प्रतिमा और लता मंगेशकर चौक पर लगी वीणा (अयोध्या) -153 फीट ऊंची भगवान शिव की प्रतिमा (बेंगलुरु) -100 फीट ऊंची छत्रपति संभाजी महाराज की प्रतिमा (मोशी, पुणे) -पटना में गांधी मैदान में गांधी की दो बच्चों के साथ लगी प्रतिमा -दिल्ली में रफी मार्ग पर गोविंद बल्लभ पंत की 10 फीट ऊंची कांस्य प्रतिमा -बिहार विधानसभा परिसर में अनुग्रह नारायण सिन्हा और कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमाएं पुणे के मोशी में छत्रपति संभाजी महाराज की 100 फीट ऊंची प्रतिमा आदि शामिल है।

सद्भावना भारत का स्वभाव हैः सरसंघचालक डॉ. भागवत

एजेंसी

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहनाराव भागवत ने कहा कि सद्भावना भारत का स्वभाव है। नियम और तर्क के आधार पर समस्याएं ठीक नहीं हो सकती, इसके लिए सद्भावना चाहिए और हमें यही काम करना है। उन्होंने कहा कि स्वार्थ भावना यह दुनिया का स्वभाव है। स्वार्थ भावना के आधार पर दुनिया को सुखी करने का प्रयास दो हज़ार साल से चल रहा है और फेल हो रहा है क्योंकि स्वार्थ सबका भला नहीं कर सकता। जिसमें ताकत है वो अपना स्वार्थ साध लेता है, उसके मन में कोई संवेदना नहीं रहती। स्वार्थ तो परस्पर विरोधी होता ही है। सरसंघचालक डॉ. भागवत मालवीय नगर स्थित पाथेय कण संस्थान के नारद सभागार में आयोजित सामाजिक सद्भाव बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि समाज को बचाना है तो उसका प्रबोधन करना आवश्यक है। कुछ शक्तियां ऐसी हैं जो भारत को आगे बढ़ने नहीं देना चाहती हैं। हिंदू भारत का प्राण है, इसलिए भारत को तोड़ने की कोशिश करने वाले लोग हिंदुओ को तोड़ना चाहते हैं। आज ड्रग्स का जाल फैलाया जा रहा है। इसके पीछे जो ताकतें है वो भारत को दुर्बल बनाना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि पंच परिवर्तन का कार्यक्रम हमने दिया है। बहुत सरल कार्यक्रम है। यह समरसता, पर्यावरण, कुटुम्ब प्रबोधन, स्व का जागरण और नागरिक कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि परिवार में आत्मीयता होती है तो ड्रग और लव जिहाद जैसी बातें हमेशा दूर रहती है। पर्यावरण के लिए छोटी छोटी बातें करनी है।

कोलकाता के बड़ा बाजार में भीषण आग, कई दुकानें राख

एजेंसी

कोलकाता। राजधानी कोलकाता के बड़ा बाजार मार्केट में शनिवार सुबह भीषण आग लगी है। यहां एज़रा स्ट्रीट स्थित इलेक्ट्रिक सामान की दुकान में लगी भीषण आग ने पूरे इलाके में अफरातफरी मचा दी। आग इतनी तीव्र थी कि देखते ही देखते पास की इमारतों और अन्य दुकानों व गोदामों तक फैल गई।दमकल विभाग के अनुसार, आग लगने की सूचना शनिव?ार तड़के लगभग पांच बजे मिली। शुरुआत में आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की छह गाड़ियां पहुंची लेकिन आग की भयावहता देखते हुए बाद में इसकी संख्या बढ़ाकर 21 कर दी गई। मौके पर मौजूद दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं, हालांकि घनी आबादी और ज्वलनशील सामानों की अधिकता की वजह से नियंत्रित करने में भारी मशक्कत करनी पड़ रही है।

धुएं के घने गुबार से पूरा इलाका ढंक गया है। सुरक्षा के तहत आसपास की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई है। स्थानीय व्यवसायियों का

कहना है कि आग से भारी आर्थिक नुकसान की आशंका है क्योंकि क्षेत्र की कई दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी हैं।

घटनास्थल पर कोलकाता पुलिस के डीसी सेंट्रल भी पहुंचे और दमकल अधिकारियों के साथ हालात का जायजा लिया। दमकल मंत्री सुजित बोस ने प्रारंभिक जांच के हवाले से बताया कि आग संभवतः शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी। जांच जारी है। उन्होंने बताया कि पुलिस और अग्निशमन विभाग की संयुक्त टीम बनाई जाएगी जो यह देखेगी कि आप किस वजह से लगी है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महान स्वतंत्रता सेनानी और जनजातीय अस्मिता के प्रतीक भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर उन्हें नमन किया। अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि धरती आबा बिरसा मुंडा ने आदिवासी समाज को अपनी संस्कृति और अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेरित किया और अंग्रेजी शासन के विरुद्ध उन्हें एकजुट कर ऐतिहासिक 'उलगुलान आंदोलन' का नेतृत्व कराया। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बिरसा मुंडा जी की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाने की शुरुआत कर उनके योगदान को राष्ट्रीय सम्मान दिया है।

बिहार चुनावः कोई 27 मतों से तो कोई 30 मतों से जीती बाजी

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के नतीजे रात आ चुके हैं, जिनमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने प्रचंड जीत हासिल की और 202 सीटों पर जीत दर्ज की। इसके मुकाबले विपक्षी महागठबंधन को करारी शिकस्त मिली है और महज 34 सीट पर सिमट गया। बिहार विधानसभा चुनाव में कहीं-कहीं जीत का अंतर बहुत कम रहा, रामगढ़ से बसपा के सतीश जहां 30 मतों से जीते, वहीं संदेश सीट पर जदयू के राधाचरण मात्र 27 मतों से जीतकर विधानसभा पहुंचे हैं। महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव अपनी परम्परागत सीट राघोपुर की सीट बड़ी मुश्किल से बचा पाए। चुनाव में 89 सीटों पर जीत दर्ज करने वाली भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। उसके बाद नीतीश कुमार की जदयू 85 सीटों के साथ दूसरे स्थान पर रही। राजद तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। तेजस्वी यादव की नेतृत्व वाली राजद महज 25 सीट जीतने में सफल रही। कुछ सीटों पर कड़ा मुकाबला देखने को मिला और यहां हार-जीत का अंतर 1,000 वोटों से कम का रहा। इन सीटों में बोधगया, संदेश और बख्तियारपुर, रामगढ़, अगिआंव शामिल हैं।

अगिआंव से भाजपा के महेश पासवान 95 मतों से जीते

आरा की अगिआंव सीट पर भाजपा और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (एमएल) के उम्मीदवार के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। इस सीट पर कई बार बाजी पलटी। हालांकि, अंत में विजय भाजपा के महेश पासवान की झोली में आई, जिन्होंने 95 वोटों जीत हासिल की। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर दी जानकारी के मुताबिर महेश पासवान को कुल 69412 वोट मिले, जबकि सीपीआई (एमएल) के शिव प्रकाश रंजन के खाते में 69317 वोट आए।

बोधगया में करीबी मुकाबलाः बोधगया सीट से राजद के कुमार सर्वजीत ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के उम्मीदवार श्यामदेव पासवान को कड़ी टक्कर दी और 881 वोटों से जीत अपने नाम की। कुमार सर्वजीत को जहां चुनाव में 100236 वोट मिले। वहीं, उनके प्रतिद्वंद्वी श्याम देव के खाते में 99355 में वोट आए।

चनपटिया में कांग्रेस उम्मीदवार 602 मतों से जीते : पश्चिमी चंपारण की इस सीट पर कांग्रेस उम्मीदवार अभिषेक रंजन और भाजपा के उमाकांत सिंह के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें कांग्रेस उम्मीदवार 602 वोटों से विजयी हुए। उन्हें कुल 87538 वोट मिले, जबकि भाजपा उम्मीदवार को 86936 मत मिले।

फारबिसगंज सीट पर भी कड़ी टक्करःसीमांचल के फारबिसगंज सीट पर कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहां कांग्रेस उम्मीदवार मनोज विश्वास ने भाजपा के विद्या सागर केशरी को 221 मतों से हराकर सीट सुरक्षित कर ली। चुनाव आयोग के मुताबिक मनोज ने कुल 120114 मत हासिल किए, जबकि विद्या सागर के खाते में 11989 वोट आए और इस तरह उन्हें 221 वोट से हार का सामना करना पड़ा।

संदेश विधानसभा सीट पर जदयू के राधाचरण 27 मतों से जीतेः संदेश विधानसभा सीट से जदयू के राधा चरण साह ने राजद के दीपू सिंह को मात्र 27 मतों से हरा दिया। राधा चरण को जहां 80598 वोट मिले। वहीं, दीपू सिंह के खाते में 80571 वोट आए।

बख्तियारपुर सीट पर कांटे की टक्करः पटना की बख्तियारपुर सीट पर एक अन्य कांटे के मुकाबले में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) उम्मीदवार अरुण कुमार ने राजद के अनिरुद्ध कुमार को 981 मतों के अंतर से हराया। अरुण कुमार ने कुल 88520 वोट हासिल किए, जबकि अनिरुद्ध कुमार 87539 वोट हासिल किए।

जहानाबाद में 255 मतों से हुआ फैसलाः जहानाबाद विधानसभा सीट पर राजद के राहुल कुमार ने जदयू के चंदेश्वर प्रसाद को कड़े मुकाबले में 793 मतों से हरा दिया। राष्ट्रीय जनता दल के राहुल कुमार ने चुनाव में 86402 वोट हासिल किए, जबकि उनके प्रतिद्विंदी जदयू के चंदेश्वर प्रसाद के खाते में 85609 वोट आए।

महाराष्ट्र के बाद बिहार में 'कैश फॉर वोट' से एनडीए ने चुनाव जीताः अशोक गहलोत

एजेंसी

जयपुर। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं बिहार में कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ पर्यवेक्षक रहे अशोक गहलोत ने आरोप लगाते हुए कहा है कि बिहार चुनाव धनबल और सत्ता के दुरुपयोग से लोकतंत्र की लूट है। चुनावों में हार-जीत चलती रहती है परन्तु इस चुनाव को भाजपा-जेडीयू और चुनाव आयोग ने मिलकर हाईजैक कर लिया जिससे इंडी गठबंधन को हार का मुंह देखने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। गहलोत ने कहा कि बिहार में आचार संहिता लगने के बाद एक करोड़ से अधिक महिलाओं के खातों में दस-दस हजार रुपये डाले गए। यह एक तरीके से 'कैश फॉर वोट' यानी वोट खरीदी हुई और चुनाव आयोग मौन होकर देखता रहा। यह चुनावों में पैसे बांटकर वोट खरीदने के समान है जो गैरकानूनी है। यह वोट चोरी का ही एक नया संस्करण है। राजस्थान के विधानसभा चुनावों का उदाहरण देते हुए गहलोत ने कहा कि राजस्थान में 2023 के विधानसभा चुनावों के दौरान महिलाओं को स्मार्टफोन देने वाली योजना पर रोक लगा दी गई थी जबकि ये योजना फरवरी, 2022 में आए राज्य बजट की घोषणा के अनुसार चलाई जा रही थी और करीब 30 प्रतिशत पात्र महिलाओं को स्मार्टफोन दिए जा चुके थे। इसके साथ ही पहले से चल रहीं सामाजिक सुरक्षा पेंशन, अन्नपूर्णा योजना तक को भी रोक दिया गया। इसके विपरीत बिहार में महिलाओं के खाते में चुनाव के दौरान भी 10,000 रुपये नई योजना के तहत डाले गए जो आचार संहिता से महज कुछ दिन पहले शुरू की गई थी। पहले महाराष्ट्र में भी चुनाव से पहले महिलाओं को 7500-7500 रुपये बांटे गए थे। एसआईआर के माध्यम से चुनाव से पहले बिहार में काटे गए वोटों को लेकर गहलोत ने कहा कि बिहार चुनाव से ठीक पहले, सभी राजनीतिक दलों को विश्वास में लिए बिना, एसआईआर के माध्यम से लाखों मतदाताओं के नाम हटा दिए गए। वर्तमान में एसआईआर से संबंधित मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, फिर भी 12 राज्यों में एसआईआर लागू किया जा रहा है। ऐसे कदमों के माध्यम से निर्वाचन आयोग भी एनडीए की जीत में एक सहभागी बन गया है। गहलोत ने कहा कि महाराष्ट्र के बाद बिहार में ऐसा इकतरफा चुनाव परिणाम देशवासियों के लिए चिंता का विषय है। अब समय आ गया है कि देशवासियों को लोकतंत्र बचाने के लिए संकल्प लेना पड़ेगा।

कोलकाता टेस्ट में भारत की पकड़ मजबूत, दक्षिण अफ्रीका संकट में

– तीसरे दिन जीत दर्ज कर सकता है भारत, दक्षिण अफ्रीका पहली पारी 159, दूसरी पारी 93/7 ~ भारत पहली पारी 189

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के ईडन गार्डन में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में भारतीय टीम जीत की ओर तेजी से बढ़ रही है। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में 93 रन पर सात विकेट खो दिए थे। पहली पारी में भारत से 30 रन पीछे रहने के चलते उसकी कुल बढ़त अभी सिर्फ 63 रन की हैं। स्टंप्स के समय कप्तान तेम्बा बावुमा 29 रन और कोर्बिन बॉश एक रन बनाकर क्रीज पर मौजूद थे। भारत के लिए रविंद्र जडेजा ने घातक गेंदबाजी करते हुए चार विकेट झटके, जबकि कुलदीप यादव ने दो और अक्षर पटेल ने एक सफलता हासिल की। मेहमान टीम की बल्लेबाजी भारतीय स्पिनरों के सामने बेबस नजर आई और लगातार विकेट गिरने से उनकी स्थिति और कमजोर होती चली गई।

इससे पहले भारत की पहली पारी 189 रन पर सिमट गई। भारतीय टीम व्यावहारिक रूप से नौ विकेट पर ही रुक गई क्योंकि कप्तान शुभमन गिल गर्दन में ऐंठन के चलते रिटायर हर्ट हो गए और दोबारा बल्लेबाजी के लिए मैदान पर नहीं लौट सके। उनकी जगह विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने टीम की कमान संभाली। भारत की पारी में सबसे बड़ा बाधक दक्षिण अफ्रीका के अनुभवी ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर बने, जिन्होंने अपनी क्लासिकल ऑफ स्पिन गेंदबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए 30 रन देकर चार महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए। हार्मर की टर्न लेती गेंदों ने भारतीय बाएं हाथ के बल्लेबाजों को लगातार परेशान किया और उन्होंने वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल को क्रमशः 29, 27 और 16 रन पर पवेलियन भेजा। तेज गेंदबाज मार्को यानसन ने भी 35 रन देकर तीन विकेट हासिल किए और हार्मर का बखूबी साथ निभाया।

दिन की शुरुआत भारत ने एक विकेट पर 37 रन से की थी। केएल राहुल और वाशिंगटन सुंदर ने संयम से बल्लेबाजी करते हुए दूसरे विकेट के लिए 57 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। दोनों ने दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों का मजबूती से सामना किया, लेकिन ड्रिंक्स ब्रेक के बाद मैच का रूख अचानक बदल गया। हार्मर ने वाशिंगटन को स्लिप में एडेन मार्करम के हाथों कैच कराकर भारत को बड़ा झटका दिया। इसके बाद जडेजा और अक्षर ने 45-45 गेंदें खेलकर संघर्ष तो किया, लेकिन टीम के स्कोर में बड़ा अंतर नहीं ला सके। ध्रुव जुरेल ने आक्रामक अंदाज में शुरुआत करने की कोशिश की, लेकिन हार्मर को रिटर्न कैच थमा बैठे।

दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया और दक्षिण अफ्रीका को शुरू से ही दबाव में रखा। बल्लेबाज एक-एक कर पवेलियन लौटते गए और टीम बड़ी बढ़त हासिल करने में नाकाम रही। मौजूदा स्थिति को देखते हुए भारत तीसरे दिन ही यह टेस्ट मैच अपने नाम कर सकता है।

केएल राहुल ने टेस्ट करियर में पूरे किए 4,000 रन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईडन गार्डन्स में भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट में भारतीय ओपनर केएल राहुल ने अपने टेस्ट करियर का बड़ा माइलस्टोन हासिल किया। शनिवार को खेले गए मैच में राहुल ने 4,000 रन का आंकड़ा पार किया। इस उपलब्धि के साथ वे टेस्ट क्रिकेट में भारत के भरोसेमंद बल्लेबाजों में एक और नाम जोड़ने में सफल रहे। इस दिन राहुल ने 119 गेंदों में 39 रन बनाए, जिसमें चार चौके और एक छक्का शामिल रहा। हालांकि वे इस अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में तब्दील नहीं कर पाए, लेकिन अपने करियर के इस मुकाम को पार करना उनके लिए खास रहा। अब तक राहुल ने 66 टेस्ट मैचों में 115 पारियों में 4,024 रन बनाए हैं, उनका औसत 36.58 है और सर्वश्रेष्ठ स्कोर 199 रन का रहा है। इसके अलावा उन्होंने 11 शतक और 20 अर्धशतक भी लगाए हैं। राहुल के लिए यह साल शानदार रहा है। 2025 में उन्होंने 9 टेस्ट मैचों में 784 रन बनाए, जिसमें तीन शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। इस दौरान उनका औसत 52.26 रहा और सर्वश्रेष्ठ पारी 137 रन की रही। इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उन्होंने 532 रन बनाए और दो शतक जमाए। अहमदाबाद टेस्ट में उन्होंने 9 साल बाद घरेलू मैदान पर शतक भी लगाया, जो 2016 के बाद भारत में उनका पहला टेस्ट शतक था। डे-2 के लंच तक भारत की पारी 138/4 पर पहुंची, जिसमें कप्तान शुभमन गिल भी गर्दन में दर्द के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर वापस लौट गए। टीम के लिए यह दिन कुछ चिंता के साथ उत्साह का भी रहा, क्योंकि राहुल का माइलस्टोन और भारतीय गेंदबाजों का आक्रमक प्रदर्शन दोनों ही मैच की दिशा तय कर सकते हैं। इस प्रदर्शन के साथ केएल राहुल ने न केवल व्यक्तिगत रूप से बड़ा माइलस्टोन छुआ, बल्कि भारतीय टीम को टेस्ट मैच में मजबूत स्थिति में बनाए रखने में भी अहम योगदान दिया। फैंस और विशेषज्ञ अब उनके अगले शॉट्स और पारी को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं।

ऋषभ पंत बने भारत के नए सिक्सर किंग, टेस्ट में तोड़ा वीरेंद्र सहवाग का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के विस्फोटक विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने कोलकाता टेस्ट में एक नया इतिहास रच दिया है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेलते हुए पंत ने केशव महाराज की गेंद पर लंबा छक्का लगाते हुए भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह रिकॉर्ड वीरेंद्र सहवाग के पास था, जिन्होंने अपने करियर में कुल 90 छक्के जड़े थे। ऋषभ पंत ने इंग्लैंड दौरे पर सहवाग की बराबरी कर ली थी, लेकिन अब उन्होंने यह रिकॉर्ड पार कर दिया। इस तरह 91 छक्कों के साथ पंत टेस्ट क्रिकेट में भारत के नए ÷सिक्सर किंग÷ बन गए हैं। इस उपलब्धि के साथ पंत ने रोहित शर्मा और एमएस धोनी जैसे दिग्गज बल्लेबाजों को भी पीछे छोड़ दिया है।

भारत के लिए टेस्ट मैचों में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों की सूची इस प्रकार है

91 - ऋषभ पंत
90 - वीरेंद्र सहवाग
88 - रोहित शर्मा
80 - रवींद्र जडेजा
78 - एमएस धोनी

पंत ने यह रिकॉर्ड मैच के 38वें ओवर में हासिल किया। केशव महाराज की तीसरी गेंद पर चौका लगाने के बाद उन्होंने अगली

गेंद पर मिड ऑफ की दिशा में शानदार छक्का लगाया। उनके इस बेखौफ और आक्रामक अंदाज ने दर्शकों और क्रिकेट फैंस को रोमांचित कर दिया। ऋषभ पंत की बल्लेबाजी का यह अंदाज उन्हें टेस्ट क्रिकेट में अलग पहचान दिलाता है। वे न केवल तेज रन बनाने में माहिर हैं, बल्कि टीम के लिए जरूरी मौके पर बड़े शॉट खेलने से भी नहीं हिचकिचाते। उनका यह रिकॉर्ड भारतीय क्रिकेट में नया अध्याय जोड़ता है और आने वाले समय में युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा।

इस प्रदर्शन के साथ पंत ने अपने करियर को और ऊँचाई दी है और साबित कर दिया है कि वे केवल विकेटकीपर नहीं, बल्कि टेस्ट क्रिकेट में भी आक्रामक बल्लेबाज के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। फैंस और विशेषज्ञ अब उनके खेल पर और ध्यान दे रहे हैं और पंत की अगली उपलब्धियों को लेकर उत्साहित हैं।

क्रिकेट और पुलिस दोनों की जर्सी का अपना अलग सम्मान : दीप्ति शर्मा

–महिला विश्व कप विजेता दीप्ति शर्मा का लखनऊ में भव्य स्वागत

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला क्रिकेट विश्व कप में शानदार प्रदर्शन कर टीम इंडिया को ऐतिहासिक जीत दिलाने वाली ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा का कल लखनऊ में भव्य स्वागत किया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस में डीएसपी के पद पर तैनात दीप्ति शर्मा को पुलिस मुख्यालय में डीजीपी राजीव कृष्ण ने सम्मानित किया। इस अवसर पर दीप्ति डीएसपी की यूनिफॉर्म में दिखाई दीं, जिन्होंने खेल और पुलिस सेवा दोनों में अपनी उपलब्धियों का प्रतिनिधित्व किया। दीप्ति शर्मा ने विश्व कप के दौरान अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि टीम ने कई उतार-चढ़ाव देखे, लेकिन खिलाड़ियों ने मिलकर मजबूत वापसी की। उन्होंने कहा, 'तीन मैच हमने जरूर हारे, लेकिन टीम इंडिया हमेशा मजबूती से वापसी करती है। हमने पीछे मुड़कर नहीं देखा और एकजुट होकर खेला। चार साल बाद आने वाला वर्ल्ड कप एक खास अवसर होता है और हमने अपनी पूरी क्षमता के साथ खेला।'

सेमीफाइनल में सात बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराने के पल को याद करते हुए दीप्ति ने कहा कि टीम को भरोसा था कि अगर वह अपना सर्वश्रेष्ठ खेलेंगे तो जीत हासिल की जा सकती है। उन्होंने कहा कि ट्रॉफी उठाने और टीम का हिस्सा बनने का अनुभव बेहद खास और गर्व की बात थी। ऑलराउंडर के रूप में योगदान करना उनके लिए और भी संतोषजनक रहा।

दीप्ति ने प्रधानमंत्री से मुलाकात का अनुभव भी साझा किया और बताया कि प्रधानमंत्री ने उन्हें समय दिया और प्रोत्साहित किया। उन्होंने युवा खिलाड़ियों और बच्चियों के लिए संदेश दिया कि अपने लक्ष्य को चुनें और उसके प्रति समर्पित रहें। उन्होंने कहा कि परिवार का समर्थन इस सफर में अहम है और वे चाहती हैं कि ज्यादा से ज्यादा बच्चियों को खेलों में प्रोत्साहन मिले।

समारोह में दीप्ति ने दोनों जर्सी क्रिकेट की और पुलिस की का महत्व बताते हुए कहा कि दोनों का अपना अलग सम्मान है। उन्होंने यूपी में खेलों को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भी धन्यवाद किया। दीप्ति ने कहा कि मुख्यमंत्री की नीति से खिलाड़ियों को न केवल खेलों में बल्कि करियर के अवसरों में भी समर्थन मिलता है।

डीजीपी राजीव कृष्ण ने दीप्ति की प्रतिभा, अनुशासन और ऊर्जावान अंदाज की तारीफ की और कहा कि वह प्रदेश और यूपी पुलिस के लिए गर्व का विषय हैं। उन्होंने बताया कि पिछले वर्षों में कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी यूपी पुलिस की नीति के तहत शामिल हुए और दीप्ति शर्मा भी इसी प्रेरणा का परिणाम हैं। दीप्ति के इस सम्मान समारोह ने राज्य में खेलों और खिलाड़ियों के समर्थन को लेकर सकारात्मक संदेश दिया।

शुभमन गिल की चोट ने बढ़ाई टीम इंडिया की चिंता, गर्दन में मोच के कारण छोड़ना पड़ा मैदान

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के ऐतिहासिक ईडन गार्डन्स में इंडिया और साउथ अफ्रीका के बीच खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन टीम इंडिया और उनके फैंस की चिंता बढ़ गई, जब कप्तान शुभमन गिल चोट के कारण मैदान छोड़ने को मजबूर हो गए। शुभमन गिल को बल्लेबाजी के दौरान गर्दन में मोच लगी, जिसके कारण वे आगे बैटिंग जारी नहीं रख सके। फिलहाल बीसीसीआई ने गिल की चोट की गंभीरता के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है, लेकिन मैदान पर दिखाई देने वाला दर्द काफी गंभीर प्रतीत हुआ। शुभमन गिल की चोट भारतीय पारी के 35वें ओवर में लगी। साउथ अफ्रीका के गेंदबाज साइमन हार्मर ने इस ओवर में वॉशिंगटन सुंदर को आउट किया। इसके बाद गिल बैटिंग करने आए और उन्होंने पहले दो गेंदों को अच्छे से डिफेंड किया। तीसरी गेंद पर उन्होंने लेग साइड में स्वीप खेला और बैकवर्ड स्क्वॉयर लेग की दिशा में चार रन जोड़े। लेकिन इस शॉट को खेलने के तुरंत बाद जब वे उठे तो उनकी गर्दन में अचानक तेज दर्द महसूस हुआ। गिल का यह दर्द इतना असहनीय था कि उनका चेहरा ही इसे दर्शा रहा था और वे अपनी गर्दन तक हिला नहीं पा रहे थे। मैदान पर फिजियो तुरंत मौजूद हुए और गिल ने चोट दिखाते हुए कुछ देर आराम किया। हालांकि, स्थिति यह हो गई कि उन्होंने आगे बल्लेबाजी जारी रखने में असमर्थता जताई और अंतत: मैदान छोड़ने का फैसला किया। गिल के मैदान से बाहर जाने के बाद भारतीय टीम को बड़ा झटका लगा, क्योंकि कप्तान की चोट किसी भी स्थिति में टीम के लिए चिंता का विषय बन सकती है।

रवींद्र जडेजा ने अपने नाम दर्ज की एक और ऐतिहासिक उपलब्धि

मुंबई। टीम इंडिया के भरोसेमंद ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने फिर साबित किया हैं कि वह आधुनिक क्रिकेट के सबसे बड़े मैच–विनर्स में शामिल हैं। ईडन गार्डन में खेले जा रहे भारत–साउथ अफ्रीका पहले टेस्ट के दौरान जडेजा ने अपने करियर में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जोड़ ली। जडेजा ने टेस्ट क्रिकेट में 4,000 रन पूरे करते ही उस

एलीट क्लब में प्रवेश पा लिया हैं, जिसमें सिर्फ तीन दिग्गज शामिल इयान बॉथम, कपिल देव और डेनियल वेटोरी। अब इस क्लब में चौथे सदस्य रवींद्र जडेजा बन गए है। जडेजा ने कारनामा 87 टेस्ट में पूरा किया। यह बॉथम के बाद दूसरा सबसे तेज प्रदर्शन है। जडेजा की रन मशीन में अब 6 शतक और 27 अर्धशतक शामिल हैं। स्लिप, पॉइंट और शॉर्ट कवर पर उनकी बिजली सी फुर्ती मैच को पलट देने की क्षमता रखती है। विकेटों के बीच उनकी तेज दौड़ और रनिंग बिटवीन विकेट्स भी उन्हें तीनों पहलुओं में मैच–विनर बनाती है। अक्सर एशियाई पिचों के स्पिनर माने जाने वाले जडेजा ने विदेशों में भी शानदार प्रदर्शन किया है— इंग्लैंड में 2022 की सेंचुरी, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका में मैच–विनिंग स्पेल, जिससे साबित होता है कि वह सिर्फ होम ट्रैक स्टार नहीं, बल्कि एक ग्लोबल टेस्ट चैंपियन हैं। जडेजा अपनी फिटनेस, कंसिस्टेंसी और बैट–बॉल दोनों से योगदान देकर टीम इंडिया की 'बैलेंस की रीढ़' हैं। उनके आने से ही भारत 5 बॉलर कॉम्बिनेशन आराम से खिलाता है।

युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी बना राइजिंग स्टार्स का हीरो

नई दिल्ली। एशिया कप राइजिंग स्टार्स में इंडिया–ए की ओर से खेलते हुए समस्तीपुर के 14 वर्षीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से पूरे देश का ध्यान खींच लिया है। महज 14 साल की उम्र में 42 गेंदों पर 144 रन बनाने का कारनामा किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होता, लेकिन वैभव ने इसे कर दिखाया। अपनी पारी में उन्होंने 15 छक्के और 11 चौके जड़े और यूएई के गेंदबाजों को पूरी तरह मात दी। इससे पहले, आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने गुजरात के खिलाफ 35 गेंद में शतक लगाकर भी अपने हुनर का प्रदर्शन किया था। वैभव की यह सफलता न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि समस्तीपुर जिले के लिए भी गर्व की बात बन गई है। उनकी इस असाधारण पारी के बाद समस्तीपुर में उत्साह का माहौल है। स्थानीय लोग वैभव को केवल एक क्रिकेटर नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा मान रहे हैं। जिले के युवा खिलाड़ी इस उपलब्धि से बेहद प्रभावित हैं और कहते हैं कि अपने ही जिले का बच्चा अंतरराष्ट्रीय मंच पर नाम कमा रहा है, यह गर्व और प्रेरणा का कारण है। वैभव की सफलता ने खेल के प्रति बच्चों में रुचि और जोश दोनों बढ़ा दिया है। स्थानीय खिलाड़ियों का कहना है कि वैभव का प्रदर्शन सिर्फ रन बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि मेहनत और समर्पण से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। युवा खिलाड़ी अमन कुमार ने कहा कि 144 रन किसी भी क्रिकेटर का मनोबल बढ़ाने वाला रिकॉर्ड है। वहीं, विकाश कुमार ने वैभव की विस्फोटक बल्लेबाजी और धैर्य की तारीफ करते हुए कहा कि इतने कम समय में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होता।

क्रोएशिया ने विश्व कप में बनाई जगह

रिजेका (एजेंसी)। क्रोएशिया ने विश्व कप क्वालीफायर के नौवें दौर में फरो आइलैंड्स को 3-1 से हराकर जीत दर्ज की। इस जीत के साथ क्रोएशिया ने 2026 विश्व कप के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। मैच के 16वें मिनट फरो आइलैंड्स ने मुकाबले में बढ़त हासिल कर ली थी। गेजा डेविड तुरी ने मिडफील्ड में ब्रेक का फायदा उठाते हुए एक तेज शॉट लगाया, जो क्रोएशिया के गोलकीपर के पास से निकल गया। हालांकि, क्रोएशिया ने परिपक्वता और सटीकता के साथ कुछ ही देर में इस गोल का जवाब दिया। सात मिनट बाद, डिफेंडर जोस्को ग्वार्डिओल ने कोने में शॉट मारकर मैच 1-1 की बराबरी पर ला दिया। 23वें मिनट तक मुकाबला 1-1 से बराबरी पर था।

यहां से क्रोएशिया ने मिडफील्ड में खेल पर नियंत्रण बनाए रखा। मुकाबले के 57वें मिनट जोसिप स्टैनिसिक ने दाईं ओर से आगे बढ़कर

पेटार मूसा को एक शानदार पास दिया। मूसा ने चतुराई से गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और गोलकीपर के ऊपर से शॉट लगाया। इसी के साथ क्रोएशिया ने 2-1 से बढ़त हासिल कर ली। यह साल 2023 के बाद उनका पहला अंतरराष्ट्रीय गोल था।

मैच के दूसरे हाफ के बीच में ही उस वक्त मैच का निर्णायक मोड़ आ गया, जब इवान पेरिसिक ने बाईं ओर से एक कर्लिंग क्रॉस दिया, जिसे निकोला व्लासिक ने एक नियंत्रित साइड-फुट फिनिश के साथ गोलपोस्ट के अंदर पहुंचाया और 3-1 से जीत सुनिश्चित की। इस जीत के साथ क्रोएशिया ग्रुप एल में शीर्ष पर पहुंच गया है। टीम के पास एक मैच शेष है। फरो आइलैंड्स अपने सभी 8 मैच खेल चुका है। यह टीम दौड़ से बाहर है।

ग्रुप एल के दूसरे मैच में, मोंटेनेग्रो ने जिब्राल्टर को 2-1 से शिकस्त दी। शुरुआत में पिछड़ने के बाद आखिरी पेनाल्टी को गोल में बदलकर टीम ने जीत दर्ज की। जर्मनी ने निक वोल्टेमाडे के दो गोल की मदद से लक्जमबर्ग को 2-0 से हराकर ग्रुप ए में सीधे क्वालीफिकेशन की ओर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है।

एटीपी फाइनल्स : सेमीफाइनल से पहले बढ़ा रोमांच, फेलिक्स ऑगर–अलियासिम ने अल्काराज को चेतावनी दी

स्पोर्ट्स डेस्क। फेलिक्स ऑगर–अलियासिम ने एलेक्सेंडर ज़्वेरेव को कड़ी टक्कर देने के बाद ATP फाइनल्स के सेमीफाइनल में जगह बनाई और अब उनका सामना कार्लोस अल्काराज से होगा। जीत के बाद ऑगर–अलियासिम ने साफ किया कि वह स्पेनिश स्टार से डरने वाले नहीं हैं। 25 वर्षीय कनाडाई खिलाड़ी ने मैच के दबाव को शांतिपूर्वक संभाला और निर्णायक समय में सर्व बनाए रखा। मैच के बाद उन्होंने कहा, 'यह टूर्नामेंट बहुत खास हैज फाइनल तक पहुंचने के लिए मुझे महान खिलाड़ी से गुजरना होगाज उनका बहुत सम्मान है, लेकिन मौका मिला तो मैं उसे जाऊंगा।' अब कार्लोस अल्काराज के खिलाफ होने वाला सेमीफाइनल खेल का रोमांच चरम पर होगा। ऑगर–अलियासिम की आत्मविश्वासी वापसी और टॉप खिलाड़ियों के खिलाफ प्रदर्शन ने इस मुकाबले को एक बड़े हेडलाइन मुकाबले में बदल दिया है।

बाबर आजम ने 807 दिन के शतक के सूखे को तोड़ा, वनडे करियर का 20वां शतक जड़ा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरे वनडे में 102 रनों की नाबाद पारी खेलते हुए 807 दिनों के लंबे शतक के सूखे को खत्म कर दिया। यह उनकी इंटरनेशनल क्रिकेट में 83 पारियों के बाद पहली वनडे सेंचुरी थी। इस शतकीय पारी के साथ बाबर आजम ने अपने वनडे करियर का कुल 20वां शतक जड़कर पाकिस्तान के लिए इस फॉर्मेट में सबसे ज्यादा शतक बनाने के मामले में सईद अनवर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान हासिल कर लिया। बाबर आजम को 20 वनडे शतक पूरे करने में 136 पारियों का समय लगा, जिससे वे इस श्रेणी में तीसरे स्थान पर हैं। इसके पहले हाशिम अमला ने 108 पारियों में यह कारनामा किया था, जबकि विराट कोहली ने 133 पारियों में 20 शतक पूरे किए थे। बाबर महज तीन पारियों से कोहली की बराबरी से चूक गए। इस तरह के आंकड़े उन्हें विश्व के बेहतरीन बल्लेबाजों की सूची में प्रमुख स्थान देते हैं। मैच की बात करें तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने निर्धारित 50 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 288 रन बनाए। जनिथ लियानागे 54 रन बनाकर टीम के उच्चतम स्कोरर रहे, जबकि कामिंदु मेंडिस (44), समरविक्रमा (42) और वानिंदु हसरंगा (37*) ने भी योगदान दिया। पाकिस्तान की ओर से हारिस रऊफ और अबरार अहमद ने 3–3 विकेट चटकाए। 289 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की टीम को फखर जमन (78) और सैम अयूब (33) ने शुरुआती धमाकेदार साझेदारी दी। इसके बाद बाबर आजम ने फखर जमन के साथ 100 रन की साझेदारी और मोहम्मद रिजवान के साथ 112 रनों की नाबाद साझेदारी निभाई। बाबर की आक्रामक और संतुलित पारी के दम पर पाकिस्तान ने 8 विकेट से जीत दर्ज की। उन्होंने अपनी पारी में 8 चौके जड़े और प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड भी जीता। बाबर आजम की इस पारी ने न केवल पाकिस्तान को जीत दिलाई, बल्कि यह उनके करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक भी बन गई। लंबे शतक के सूखे को तोड़ना और कम पारियों में 20 वनडे शतक पूरे करना उनकी शानदार तकनीक और मानसिक दृढ़ता का प्रमाण है। पाकिस्तान के फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञ अब बाबर को इस फॉर्मेट में और बड़े रिकॉर्ड बनाने के लिए तैयार देख रहे हैं।

जापान मास्टर्स : सेमीफाइनल में लक्ष्य सेन की हार, भारत का अभियान समाप्त

कुमामोटो (जापान)। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन का जापान मास्टर्स सुपर 500 टूर्नामेंट में सफर सेमीफाइनल पर खत्म हो गया। शनिवार को खेले गए मुकाबले में उन्हें मेजबान खिलाड़ी केंटा निशिमोटो ने तीन गेम तक चले कड़े मुकाबले में 19–21, 21–14, 12–21 से हराया। पहले गेम में लक्ष्य ने 8–3 की बढ़त लेकर शानदार शुरुआत की, लेकिन निशिमोटो ने सात लगातार पॉइंट लेकर मैच की गति बदल दी। अंत में नेट पर हुई गलतियों ने भारतीय खिलाड़ी को गेम गंवाने पर मजबूर किया। दूसरे गेम में लक्?य ने शानदार वापसी की। 1–5 से पीछे रहने के बाद उन्होंने नियंत्रित रैलियों और धारदार स्मैश के दम पर 21–14 से मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। तीसरे गेम में निशिमोटो पूरी तरह हावी दिखे। तेज अटैक और सटीक शॉट्स की मदद से उन्होंने 14–7 की बड़ी बढ़त बना ली। इसके बाद लक्ष्य मैच में लौट नहीं सके और जापानी खिलाड़ी ने 21–12 से जीत दर्ज कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इससे पहले लक्ष्य ने क्वार्टरफाइनल में पूर्व विश्व चैंपियन लोह कीन यू को 21–13, 21–17 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। वह टूर्नामेंट में टिके रहने वाले भारत के आखिरी खिलाड़ी थे, क्योंकि एचएस प्रणय दूसरे राउंड में ही बाहर हो गए थे और डबल्स व महिला वर्ग में भारत का सफर बुधवार को ही समाप्त हो गया था।

आईपीएल2026 से पहले राजस्थान रॉयल्स में वापसी पर बोले जडेजा: ये टीम नहीं, मेरा घर है

जयपुर (एजेंसी)। टीम इंडिया के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने 2026 IPL सीज़न से पहले राजस्थान रॉयल्स में अपनी शानदार वापसी पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि RR ने ही उन्हें पहला बड़ा मंच और जीत का पहला स्वाद दिया था, इसलिए यहां लौटना उनके लिए 'घर वापस आने जैसा' है।

IPL इतिहास के सबसे बड़े ट्रेडों में से एक में, संजू सैमसन को CSK भेजा गया, जबकि RR को बदले में रवींद्र जडेजा और सैम करन मिले। यह ट्रेड क्रिकेट जगत में बड़ी चर्चा का विषय बना हुआ है।

जडेजा ने टीम की वेबसाइट पर कहा, 'राजस्थान रॉयल्स ने मुझे मेरा पहला प्लेटफॉर्म दिया। यहां लौटना सिर्फ टीम में वापसी नहीं, बल्कि घर वापसी जैसा है। मैंने यहां अपना पहला IPL जीता था और उम्मीद है कि वर्तमान टीम के साथ और भी खिताब जीतूंगा।'

जडेजा 2008 में RR की पहली IPL विजेता टीम का हिस्सा थे। 27 मैचों में उन्होंने 430 रन बनाए और 6 विकेट भी लिए। 19 विश्व कप जीत के बाद यह उनका पहला बड़ा मंच था जिसने उनके करियर की दिशा बदल दी। RR के क्रिकेट डायरेक्टर कुमार संगकारा ने भी जडेजा की वापसी को 'अत्यंत खास' बताया। उन्होंने कहा कि जडेजा का अनुभव, शांत स्वभाव और गेम-चेंजर क्षमता टीम को नई मजबूती देगी। साथ ही सैम करन को 'दबाव में खिलने वाला खिलाड़ी' बताया।

दूसरी ओर, संजू सैमसन अब CSK का हिस्सा होंगे। RR के लिए वह 11 सीज़न खेल चुके हैं और टीम के सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं–155 मैचों में 4,219 रन। 2024 से 2025 के बीच उनकी कप्तानी और प्रदर्शन ने टीम को मजबूती दी, हालांकि पिछले सीज़न में चोट के कारण RR का अभियान डगमगा गया। उधर, जडेजा का CSK करियर भी बेहद शानदार रहा है– CSK के लिए सबसे ज्यादा विकेट: 143, 254 IPL मैच~ 2,198 रन, 5 फिफ्टी, 2023 IPL फाइनल के हीरो, जब उनकी आखिरी ओवर की बल्लेबाज़ी ने CSK को खिताब दिलाया। CSK के साथ तीन IPL खिताब भी जीते (2018, 2021, 2023)

सैम करन (64 IPL मैच, 997 रन, 59 विकेट) RR के लिए एक महत्वपूर्ण ऑलराउंड विकल्प होंगे और टीम की संतुलन क्षमता को और मजबूत करेंगे।

2026 IPL से पहले यह ट्रेड न सिर्फ RR और CSK के लिए बड़ा बदलाव है, बल्कि पूरे टूर्नामेंट के गतिशीलता को बदल सकता है। जडेजा की घर वापसी ने फैंस में जबर्दस्त उत्साह भर दिया है।

संजय मिश्रा की 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का नया पोस्टर जारी

महिमा चौधरी संग अभिनेता का दिखा अनोखा अंदाज

बॉलीवुड अभिनेता संजय मिश्रा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' से चर्चा में हैं। अभिनेता ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म से जुड़ा नया पोस्टर साझा किया है। इसमें वो महिमा चौधरी के साथ रोमांटिक अंदाज में दिख रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने शानदार कैप्शन भी दिया गया है।

संजय मिश्रा का दिखा अनोखा अंदाज

बॉलीवुड एक्टर्स संजय मिश्रा और महिमा चौधरी ने संयुक्त रूप से इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट साझा किया है। ये पोस्टर उनकी आगामी फिल्म 'दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी' का है। इसमें दोनों कलाकार एक-दूसरे की तरफ पीठ करके बैठे हुए हैं और दोनों किताबें पढ़ने में लगे हुए हैं। इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, 'हो ले जाएंगे ले जाएंगे, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे। अरे रह जाएंगे रह जाएंगे, पैसेवाले देखते रह जाएंगे।'

सेट पर परफेक्ट शॉट पाने के लिए करनी पड़ती है बहुत मेहनत: रसिका दुग्गल

मिर्जापुर वेब सीरीज में 'बाऊजी' की बहू बीना त्रिपाठी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस रसिका दुग्गल की एक और दमदार सीरीज 'दिल्ली क्राइम 3' नेटफ्लिक्स पर गुरुवार को स्ट्रीम हो गई। क्राइम और थ्रिलर से भरी इस सीरीज में एक्ट्रेस हुमा कुरैशी भी हैं। इस सीरीज में पुलिस अधिकारी नीतू सिंह का रोल प्ले करने वाली रसिका दुग्गल ने अपने अनुभव को शेयर किया है। रसिका दुग्गल ने बताया कि 'दिल्ली क्राइम 3' के सेट पर उन्होंने फोकस और तकनीक को लेकर बहुत कुछ सीखा। उन्होंने बताया कि कैसे तकनीकी पहलुओं और रचनात्मकता के बीच संतुलन बनाकर एक शॉट को परफेक्ट बनाया जा सकता है। एक्ट्रेस ने कहा कि 'जब मैं किसी सेट पर जाती हूं तो सोचती हूं, 'काश उनके पास कोई बहुत अच्छा फोकस करने वाला हो, जिससे शॉट्स को बेहतरीन बनाया जा सके।' मैं हमेशा सेट पर इस बारे में पूछती थी। उन्होंने एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि मैंने एक शो किया था और आखिरी सीन में मुझे रोना था। अगर वह सीन नहीं चलता तो बाकी किरदार भी नहीं चलते। ये सीन एक ट्रैक शॉट था जिसमें आधे सेकंड के लिए फोकस चला गया था। मुझे उसका एक और टेक लेने के लिए कहा और उन्होंने उसके लिए एक सेफ्टी टेक लिया, क्योंकि पहले वाले में थोड़ी सी गड़बड़ी थी। दूसरा शॉट इतना परफेक्ट नहीं था, लेकिन फिर भी निर्देशक ने पहला वाला ही रखा। इस बात को लेकर डीओपी निर्देशक से नाराज हो गए। उनका कहना था कि तुमने दर्शकों को मेरे काम की घटिया क्वालिटी दिखाई, लेकिन फिर भी वही सीन लिया गया।' कहने का मतलब है कि फोकस और आपसी सहयोग की वजह से शॉट को बेहतरीन बनाया जा सकता है।

शाहरुख खान की फिल्म 'जब तक है जान' ने पूरे किए 13 साल

यशराज फिल्म्स अक्सर अपनी फिल्मों में प्यार और दिल टूटने के एहसास को बयां करता रहता है। फिल्म 'जब तक हैं जान' इन्हीं में से एक थी। गुरुवार को इस फिल्म ने अपनी रिलीज के 13 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर यशराज फिल्म्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के कुछ पुराने सीन्स की तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसके साथ उन्होंने दिल टूटने के एहसास को अपने शब्दों में बयां किया और लिखा, 'यह एक ऐसी कहानी है

जिसमें प्यार, दिल टूटने का दर्द और किस्मत सब कुछ शामिल है। जब तक है जान एक ऐसी कहानी लेकर आई थी जिसने हमें हमेशा के लिए सच्चे प्यार पर यकीन करना सिखाया है।' फिल्म 'जब तक है जान' साल 2012 में रिलीज की गई रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन यश चोपड़ा ने किया था और निर्माण आदित्य चोपड़ा ने किया था। फिल्म में मुख्य भूमिका में शाहरुख खान, कैटरीना कैफ और अनुष्का शर्मा नजर आए थे। फिल्म में रोमांस के साथ-साथ लव ट्राएंगल भी दिखाया गया था। फिल्म को भले ही 13 साल पूरे हो गए हैं, लेकिन इसकी कहानी, किरदार और गाने दर्शकों के दिलों में आज भी उसी तरह से बरकरार हैं। फिल्म के गाने 'छल्ला', 'इश्क शावा', 'जियारे', और 'जब तक है जान' आज भी लोगों को बेहद पसंद आते हैं। वहीं, कुछ गानों में शाहरुख और कैटरीना के डांस ने दर्शकों का दिल जीता था और सॉन्ग 'जिया रे' में अनुष्का की परफॉर्मेंस ने दर्शकों को चौंका दिया था। वहीं, अनुष्का की ये 8वीं फिल्म भी थी। फिल्म का म्यूजिक इतना शानदार था कि दर्शकों को ये म्यूजिकल फिल्म लगने लगी थी। फिल्म में जहां अनुष्का ने अकीरा का चुलबुला किरदार निभाया था, जो लंदन में डिस्कवरी चैनल में जॉब पाने की चाह रखती हैं, तो वहीं शाहरुख इंडियन आर्मी ऑफिसर के किरदार में नजर आए थे और कैटरीना ने मीरा नाम की भोली-भाली लड़की का किरदार निभाया था। फिल्म में नीतू सिंह और ऋषि कपूर की गेस्ट परफॉर्मेंस भी देखने को मिली।

बड़ी फिल्मों के आगे 'आगरा' को शो न मिलने पर मेकर्स ने जताई नाराजगी

मनोज बाजपेयी ने किया समर्थन

फिल्म फेस्टिवल्स में सराही जाने वाली कनु बहल की फिल्म 'आगरा' को मल्टिप्लेक्स चेन में शो नहीं मिल रहे हैं। इसको लेकर अब मेकर्स ने नाराजगी जताई है और कथित बड़ी फिल्मों को दोषी ठहराया है। हर शुक्रवार की तरह इस बार भी कई फिल्में रिलीज हुई हैं। इन फिल्मों में एक नाम कनु बहल की फिल्म 'आगरा' का भी शामिल है। साल 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाई गई इस फिल्म को काफी सराहना भी मिली थी। अब 14 नवंबर को यह फिल्म भारत में रिलीज हुई है। यह एक स्वतंत्र फिल्ममेकर की फिल्म है, नतीजा फिल्म का उतना शोर-शराबा नहीं है। लेकिन अब फिल्म के निर्देशक कनु बहल ने 'आगरा' को पर्याप्त स्क्रीन न मिलने की बात कहते हुए बड़ी मल्टीप्लेक्स सिनेमा चेन्स पर तंज कसा है। इसके पीछे उन्होंने कथित बड़ी फिल्मों को कारण बताया है। अब दिग्गज अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कनु की इन बातों का समर्थन किया है।

कनु बहल ने ट्वीट कर जताई नाराजगी

निर्माता कनु बहल ने फिल्म 'आगरा' की रिलीज को लेकर एक ट्वीट किया। इस ट्वीट में कनु ने 'आगरा' पर अपडेट देते हुए लिखा, 'हमें तथाकथित 'बड़ी ब्लॉकबस्टर' फिल्मों और छोटी फिल्मों के मल्टीप्लेक्स चेन प्रोग्रामिंग में फिट न होने के कारण शो देने से मना किया जा रहा है। अब यह आप दर्शकों पर निर्भर है। बोलिए और चेन को टैग कीजिए। कहिए कि आप फिल्म देखना चाहते हैं।' अपने इस ट्वीट में कनु ने किसी फिल्म का नाम तो नहीं लिया है, लेकिन उनका इशारा उन कथित बड़े स्टार्स और बड़े बजट वाली कमर्शियल फिल्मों की ओर ही है। इस हफ्ते भी रिलीज हुई फिल्मों में अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' इसी तरह की बड़े बजट और बड़ी स्टार वाली फिल्म है।

अक्षरा सिंह ने दिखाई नए गाने 'हमार तिरछी नजर' की झलक, रिलीज डेट से उठाया पर्दा

भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय एक्ट्रेस अक्षरा सिंह अपने नए म्यूजिक वीडियो 'हमार तिरछी नजर' के जरिए चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर गाने की झलक साझा कर अक्षरा ने फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया है। अक्षरा सिंह के इस पोस्ट ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है। वीडियो में वह ग्लैमरस लुक में नजर आ रही हैं। इस लुक को देख हर कोई उनका दीवाना हो रहा है। चमकीले आउटफिट और खुले बालों में उनका यह अवतार बेहद आकर्षक लग रहा है। गाने की झलक में अक्षरा के ठुमके और जबरदस्त डांस मूव्स नजर आ रहे हैं, वहीं बैकग्राउंड में बजते बीट्स लोगों को थिरकने पर मजबूर कर रहे हैं। इंस्टाग्राम पर पोस्ट किए गए वीडियो में उनका स्टाइल और एनर्जी साफ दिखाई दे रही है। पोस्ट की गई ये छोटी सी क्लिप गाने के रिलीज होने से पहले काफी वायरल हो रही है।

कार्डी बी ने दिया बेटे को जन्म अपने बॉयफ्रेंड स्टीफन डिग्स के साथ किया नन्हें मुन्ने का स्वागत

अमेरिकी रैपर कार्डी बी ने अपने चौथे बच्चे, एक बेटे को जन्म दिया है। उन्होंने अपने बॉयफ्रेंड स्टेफन डिग्स के साथ अपने पहले बच्चे का स्वागत किया। कार्डी बी ने अपने जीवन का नया अध्याय शुरू किया है, जिसमें संगीत, प्यार और अब परिवार में एक नन्हा मेहमान भी शामिल हो गया है। 33 साल की रैपर कार्डी बी चार बच्चों की मां बन गई हैं। उन्होंने अपने चौथे बच्चे, एक बेटे, को जन्म दिया है, जिसकी पुष्टि उनके प्रतिनिधि ने की। प्रतिनिधि ने बताया कि कार्डी स्वस्थ और खुश हैं। यह बच्चा उनके प्रेमी, एनएफएल स्टार स्टीफन डिग्स के साथ उनका पहला बच्चा है।

कार्डी बी ने शेयर किया वीडियो कार्डी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर इस खुशखबरी की घोषणा की, जिसमें वह अपने नए एल्बम 'एम आई द ड्रामा?' के गाने 'हैलो' पर लिप-सिंक कर रही थीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा कि यह नया दौर उनके लिए चुनौतीपूर्ण लेकिन बहुत खास रहा। इसने उन्हें नया संगीत, नया एल्बम और अब एक नया बच्चा। कार्डी ने कहा कि यह सब उन्हें अपने बच्चों के लिए बेहतर बनने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि अब वह खुद को और मजबूत बनाने पर ध्यान दे रही हैं। वह टूर की तैयारी कर रही हैं, अपने शरीर और दिमाग को संतुलित कर रही हैं और पहले से ज्यादा आत्मविश्वास महसूस कर रही हैं। कार्डी ने कहा, 'मैंने सीखा है, मैं ठीक हूं, और मैं उस महिला से प्यार करती हूं, जो मैं बन गई हूं।

प्राइवेसी की इज्जत करो...

ये शर्मनाक है...

फेक न्यूज पर भड़के राकेश बेदी

अभिनेता और कमीडियन राकेश बेदी ने सोशल मीडिया पर फेक न्यूज और लोगों की निजता भंग करने पर कड़ा ऐतराज जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपलोड वीडियो में न केवल मीडिया, बल्कि फेक न्यूज फैलाने वाले लोगों को भी फटकार लगाई। इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का उल्लेख करते हुए लोगों से अपील की कि बिना पुष्टि के कोई खबर न फैलाएं, खासकर जब बात किसी की निजी जिंदगी और स्वास्थ्य की हो। राकेश बेदी ने अपने वीडियो में कहा, 'दोस्तों, धरम जी के मामले में जो कुछ हुआ, उसे लेकर जो खबरें चल रही हैं, वो पूरी तरह गलत हैं। मुझे बहुत दुख हो रहा है। मीडिया, सोशल मीडिया हो या आम लोग कोई भी बिना सत्यता जांचे खबरें फैला रहा है।

दबंग टूर पर सलमान खान, कतर में शानदार स्वागत; भाईजान के अलग अंदाज ने लूटी महफिल

इन दिनों सलमान खान दबंग टूर के सिलसिले में कतर गए हैं। कतर में उनका शानदार स्वागत हुआ, जिसके वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सलमान खान का बिल्कुल अलग अंदाज नजर आता है, जिसे देखकर फैंस उनके कायल हो गए। सलमान खान की फैन फॉलोइंग देश ही नहीं विदेशों में भी अच्छी-खासी है। वह जहां जाते हैं, फैंस की भीड़ उन्हें देखने के लिए जमा हो जाती है। हाल ही में सलमान खान कतर पहुंचे। वह अपने दबंग टूर के लिए कतर गए हैं। कतर पहुंचने पर फैंस ने उनका जोरदार स्वागत किया। इस स्वागत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। साथ ही भाईजान ने भी अपने फैंस को निराश नहीं किया, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उनके अलग अंदाज ने सबका दिल जीत लिया।

वायरल वीडियो में सलमान खान जब फैंस के बीच पहुंचे तो उनका शानदार स्वागत हुआ। कई फैंस के साथ हाथ में भारत का झड़ा था। साथ ही कई लोगों ने उन्हें फूलों का गुलदस्ता भी दिया। सलमान खान भी इस स्वागत से काफी खुश नजर आए। इस पूरे इवेंट में उनकी सुरक्षा में कोई चूक नहीं दिखी। हर पल बॉडीगार्ड शेरा साथ में नजर आया।

जॉब पर वे बातें
जो आपको कोई नहीं बताएगा...

पढ़ाई खत्म करने के बाद जब आप किसी कंपनी में काम करने जाते हैं तो शुरू के कुछ साल आपको बिजनस एथिक्स समझने में लग जाते हैं। पर कंपनियां यह सोचती हैं कि आपको ये एथिक्स पहले से पता होना चाहिए। ये बातें आपको अपने कार्यस्थल पर कोई नहीं बताएगा, लेकिन हम आपकी मदद कर सकते हैं।

1. पहली नौकरी आपको कई अनुभव देती है। याद रखिए कि अब आप एक प्रोफेशनल बन चुके हैं और आपकी पहली नौकरी आपके करियर के लिए महत्वपूर्ण है। तो अपने कार्यस्थल पर हद से ज्यादा गपशप और देर से आना और बहाने देना अब अच्छा नहीं होगा।
2. कार्यस्थल पर फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सएप आदि सोशल नेटवर्किंग का उपयोग न के बराबर ही करें। इनका अत्यधिक उपयोग आपकी काम में अरुचि को दर्शाता है, इसलिए कई कंपनियां इन साइट्स को ब्लॉक कर देती हैं। अच्छा होगा कि बातचीत करने के लिए लंच ब्रेक का प्रयोग करें।
3. अपने सीनियर से बहस न करें। अपनी गलती मानें और उसे समझें और दोबारा न दोहराने की बात कहें, क्योंकि वे आपके बॉस हैं कई सालों से काम करते हुए उन्हें काम का खासा अनुभव है। आपका ज़रा-सा गलत रवैया बॉस की नज़रों में आपकी इमेज गिरा सकता है।
4. कार्यस्थल एक ऐसी जगह है जहां अलग-अलग प्रकार के, अलग विचारों के लोग एकसाथ काम करते हैं। कभी-कभी किसी बात पर मतभेद भी हो जाता है, तो याद रखें कि मतभेद को मनभेद में परिवर्तित ना होने दें।
5. खुलेआम अपने सहयोगी की बुराई न करें। लोगों की बुराई से ज्यादा अच्छाई देखें।
6. अपना काम हमेशा ईमानदारी से करते रहें। अगर कोई काम समझ नहीं आ रहा है तो अपने सीनियर या सहयोगियों से पूछने में हिचकें नहीं।
7. अगर आप ओवरवर्कड महसूस कर रहे हैं तो अपने सीनियर से अपनी समस्या पर बात करें।
8. कार्यस्थल पर हमेशा विनम्र बने रहें।

बेरोज़गारी का भी मजा लीजिए

कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद ज़रूरी नहीं है कि आपको जॉब मिल ही जाए। आपमें काबिलियत है इसमें कोई शक नहीं लेकिन कभी-कभी समय अनुकूल नहीं होता। जीवन के इस पॉइंट पर जब आपके ज्यादातर दोस्त जॉब पर लग चुके हैं और आप बेरोजगार हैं तो आपको अपने आप को अयोग्य या अनसक्सेसफुल महसूस करने की कोई जरूरत नहीं है। ऐसा तो बिलकुल नहीं है कि भविष्य में आपको जॉब नहीं मिलेगा। आप बेरोज़गार हैं तो इसका भी मज़ा लीजिए और अपने इस खाली समय का सदुपयोग करें। हम बता रहे हैं कैसे-

अपनी हॉबी को समय दें - आप अपने इस खाली समय का उपयोग अपने शौक को पूरा करने के लिए कर सकते हैं। ऐसी चीज़ें करें जो आप करना चाहते थे लेकिन पढ़ाई और दूसरे कामों के चलते आप उसके लिए समय नहीं निकाल पाए। वो डांस सीखना, सिंगिंग क्लास जाना, कोई इंसट्रुमेंट बजाना सीखने से लेकर कुछ भी हो सकता है। खुद के लिए उस समय का भरपूर उपयोग करें।

रिश्तों को नयापन दें - ये खाली समय अपने परिवार और दोस्तों को दें। ऐसे दोस्तों से मिलें जिनसे मिले आपको सालों हो गए हैं। अपनी सोशल लाइफ को ट्रैक पर लाएं और चाहें तो नए दोस्त बनाएं। इस खाली समय का आप इस तरह अच्छा उपयोग कर सकते हैं।

छुट्टियों पर निकल जाएं - अभी आप किसी के अंडर काम नहीं कर रहे हैं। आपके पास ना 9 से 5 की बंधी हुई दिनचर्या है ना बॉस की झिक-झिक है। एक बार ये सब शुरू हो गया तो आप इससे निकल नहीं पाएंगे तो मान कर चलें कि ये आपकी जिंदगी का सबसे अच्छा समय है जो आप अपने लिए खर्च कर सकते हैं जैसे आप चाहें। एक वेकेशन प्लान करें, वीडियो गेम खेलें, स्पा का मज़ा लें आदि।

डॉक्टर बनने का बेहतर प्लेटफॉर्म

एक पुरानी चीनी कहावत हैकि सबसे बेहतर डॉक्टर वह है , जो बीमारी के आने से पहले ही उसे दूर कर देता है। इसके बाद वे चिकित्सक आते हैं,जो किसी बीमारी को आने पर उसे और बढने से रोकता है। सबसे निचले स्तर पर वे आते हैं, जो बीमारी का इलाज करते हैं। आज मेडिकल के प्रोफेशन में हर कदम पर यह कहावत खुद को चरितार्थकरती है। सालों पहले जब मेडिक ल सुविधाओं का विकास इतना नहीं हुआ था, तब हम हर बीमारी को अपना प्रारब्ध या प्रकृति का न्याय माना करते थे। लोग बीमारी से लडना तो दूर रहा, उसके नाम से ही घबराया करते थे। ऐसे में अमूमन साधारण बीमारियां भी जानलेवा हुआ करती थीं। लेकिन आज ऐसा नहीं है। पिछले सौ सालों में मेडिकल साइंस में हुई तेज तरक्की ने लोगों की पुरानी धारणा को तो बदला ही है, लोगों को जीने का हौसला भी दिया है। इस हौसले को अपनी क्षमताओं और गहरे समर्पण के बूते आधुनिक धन्वंतरि और भी आसान बना रहे हैं। यदि आपमें भी दर्द झेल रही मानवता के कष्टों के बरक्स अपनी जिम्मेदारी का अहसास है तो चिकित्सक बनकर अपनी इस जिम्मेदारी को बखूबी पूरा कर सकते हैं। ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्टयानि एआईपीएमटी इस क्षेत्र में आपकी राह प्रशस्त कर सकता है।

क्यों खास है एआईपीएमटी

डॉक्टर की पृथ्वी के ईश्वर के रूप में पूजा की जाती है। लोग इस पेशे को सम्मानित नजरिए से देखते हैं। यही कारण है कि डॉक्टर बनने का स्वप्न हर युवा देखता है। अभिभावक भी चाहते हैं कि उसका बेटा चिकित्सक बनकर देश की सेवा करे और प्रसिद्धि पाए। लेकिन यह सपना उसी का पूरा हो पाता है, जो सिस्टमेटिक पढाई करता है। यदि आपने सीबीएसई द्वारा आयोजित एआईपीएमटी के माध्यम से एमबीबीएस तथा बीडीएस की पढाई करने का स्वप्न देखा है तो एआईपीएमटी में अच्छी रैंक लाकर सपने को हकीकत में बदल सकते हैं।

संस्थान चयन के फार्मूले

एआईपीएमटी में स्टूडेंट्स को रैंकिंग के आधार पर मेडिकल कॉलेज आवंटित किए जाते हैं। कभी विकल्प भी मांगे जाते हैं। यदि ऐसा अवसर मिले तो शीर्ष संस्थानों को प्रथम वरीयता दें। प्रयास करें होम स्टेट के मेडिकल कॉलेज को सर्वप्रथम वरीयता दें। यदि आप ऐसा करते हैं तो इससे भाषा या इससे संबंधित प्रांतीय समस्याएं सामने नहीं आएंगी।

बारहवीं में बायोलॉजी है अनिवार्य

अखिल भारतीय प्री-मेडिकल/प्री-डेंटल प्रवेश परीक्षा देने के लिए वही कैंडिडेट्स योग्य हैं, जिनकी उम्र 31 दिसम्बर को 17 से 25 वर्ष के बीच हो और 50 प्रतिशत अंकों के साथ फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी यानि पीसीबी के साथ 10+ 2 उत्तीर्ण हों या फिर 2012 में परीक्षा दे रहा हों।

जानिए प्रारंभिक परीक्षा का पैटर्न

एआईपीएमटी की प्रारंभिक परीक्षा में एक प्रश्नपत्र होगा जिसमें 200 ऑब्जेक्टिव टाइप प्रश्न होंगे। समयावधि तीन घंटे की होगी। परीक्षा में पूछे जाने वाले सभी प्रश्न फिजिक्स, केमिस्ट्री, बॉटनी और जुलॉजी से होंगे। प्रारंभिक परीक्षा की तरह फाइनल परीक्षा में भी फिजिक्स, केमिस्ट्री, बायोलॉजी (जुलॉजी और बॉटनी) के प्रश्न पूछे जाएंगे। इसमें भी केवल एक प्रश्नपत्र होगा, जिसमें 120 ऑब्जेक्टिव प्रश्न पूछे जाएंगे।

क्या है मीडियम आफ क्वैश्चन

एआईपीएमटी परीक्षा का मीडियम अंग्रेजी और हिन्दी दोनों भाषाएं होंगी। आप जिस भी भाषा में परीक्षा देना चाहते हैं, उसके लिए फार्म भरते समय संबंधित कॉलम में टिक करना जरूरी है। आवेदन फार्म भरने के बाद भाषा बदलना संभव नहीं होगा।

तैयारी के मंत्र

कडी मेहनत के साथ यदि तैयारी में बेहतर गाइडेंस व पुख्ता रणनीति का रंग मिला दें तो यहां कामयाबी काफी कुछ सहज हो सकेगी। 12वीं के सिलेबस से क्लियर होगा फंडा एआईपीएमटी में पूछे जाने वाले प्रश्न दसवीं व बारहवीं स्टैंडर्ड के होते हैं। स्टूडेंट्स यदि दसवीं से ही इस प्रतियोगिता की तैयारी शुरू कर दे तो वे आसानी से अच्छी रैंक ला सकते हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि वे छात्र जो अपनी बारहवीं की पढाई में संजीदा रहते हैं, उनके लिए इस परीक्षा के भंवर को पार करना थोडा आसान रहता है। ऐसे में आवश्यक है कि स्टूडेंट्स फिजिक्स, केमिस्ट्री और बायोलॉजी के बेसिक्स पर ज्यादा ध्यान दें और उससे भी पहले सिलेबस को अच्छी तरह समझ लें।

प्रैक्टिस का नहीं है अल्टरनेटिव

लगातार प्रैक्टिस इस परीक्षा में कामयाबी का मंत्र है। चूंकि इस परीक्षा का नेचर ऑब्जेक्टिव टाइप होता है, इसलिए इसकी प्रैक्टिस बहुत जरूरी है। ऐसे में जरूरी है कि कैंडिडेट्स पिछले वर्षो के प्रश्नों पर ध्यान दें। घर में ही परीक्षा जैसा महौल बनाएं। कि स चेप्टर से कितने प्रश्न पूछे गए हैं , को भी दिमाग में रखना अहम होगा। ऐसा बार-बार करने से विषय में पकड मजबूत होगी व तैयारी भी बेहतर होगी।

और भी हैं डाक्टर बनने की राह

यदि आपने मेडिकल में सुनहरे कल की इबारत लिखने का संकल्प लिया है तो आने वाले समय में कई संभावनाएं हैं। एसोचैम रिपोर्ट बताती है कि वर्ष 2015 तक भारतीय दवा उद्योग करीब 20 अरब डॉलर होने की संभावना है। अनुमान है कि इस समयावधि में ही देश का दवा बाजार दुनिया के शीर्ष 10 दवा बाजारों में शामिल हो जाएगा। वहीं एक अन्य रिपोर्ट के आंकडे बताते हैं कि देश के दूसरे और तीसरे दर्जे के शहरों में निजी अस्पताल कारोबार में बढोत्तरी के मद्देनजर इस सेक्टर के अगले तीन साल में 45 अरब डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। देश में मेडिकल प्रोफेशनल के लिए आज एआईपीएमटी के अलावा भी कई विकल्प हैं।

कौन-कौन सी प्रवेश परीक्षाएं

एआईपीएमटी के अलावा कईसंस्थान राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर मेडिकल परीक्षा आयोजित करते हैं, जिसमें आ?र्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे (एएफएमसी), बीएचयू एमबीबीएस इंट्रेंस एग्जामिनेशन , एमजीआईएमएस वर्धा एमबीबीएस प्रमुख हैं। इसके अलावा सीपीएमटी, पीएमटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं की मेरिट में आकर भी डॉक्टर बनने का सपना आबाद कर सकते हैं। भारत में मेडिकल की कई शाखाएं हैं, जिसमें कई तो बेहद परंपरागत और प्राचीन समय से चली आ रही हैं। ऐलोपैथ, आयुर्वेद (बीएएमएस), होम्योपैथ (बीएचएमएस) तथा यूनानी (बीयूएमएस) मेडिकल की कुछ ऐसी ही उपशाखाएं हैं। इन सभी में इंट्री के लिए आपको बायोग्रुप से बारहवीं होना अनिवार्य है, वहीं बीयूएमएस के लिए उर्दू का ज्ञान होना जरूरी है।

सफलता सिर्फ एक बार हासिल करने की चीज नहीं है

सफलता की विशेषताओं के बारे में जानना एवं विशेषण करना सरल है, परंतु इनको अपने व्यक्तित्व में समाहित करना एक वास्तविक चुनौती है। सफलता की विशेषताओं में सकारात्मक सोच, स्वयं पर विश्वास, साहस, लक्ष्य के प्रति समर्पण, कुशल समय प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन आदि गुण सम्मिलित होते हैं। इनसे एक सजग व्यक्ति भली-भांति परिचित होता है। हर व्यक्ति इन गुणों को स्वयं में उतारने एवं बनाए रखने का इच्छुक होता है। किंतु जब उसका वास्तविकता से सामना होता है, तो पता चलता है कि इनका अभ्यास करना कठिन है। ऐसा आकांक्षा एवं इच्छाशक्ति के बीच एक बड़ा अंतर होने की वजह से होता है। सफलता के कारकों की सूची काफी लंबी हो सकती है, यदि इनको विभिन्न शीर्षकों-उपशीर्षकों में रखा जाए, परंतु सरल बनाने के क्रम में उनको चार शीर्षकों के अंतर्गत रखना पसंद करता हूं। जिनको सफलता के पहिए की चार तीलियां कहा जा सकता है। ये हैं-मस्तिष्क, समय, ऊर्जा एवं मानवीय संबंध। ईश्वर द्वारा मनुष्य को प्रदान किए गए इन चार बेशकीमती उपहारों का कुशलतापूर्वक प्रबंधन कर आप जीवन की किसी भी ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं।

सफलता की शुरुआत आप के स्वयं की पहचान के साथ होती है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता, शांति एवं प्रसन्नता हासिल करने एवं उसका अभिवर्धन हासिल करने की असीम क्षमता के साथ ईश्वर का एक अद्वितीय सृजन होता है। स्वयं की क्षमता एवं अद्वितीयता की समझ एवं पहचान एक अद्भुत अनुभव है। मैक्स लुकाडो कहते हैं-आप एक दुर्घटना नहीं हो सकते। आप थोक में पैदा नहीं हुए। आप जैसे तैसे पुर्जों को जोड़कर बनाए गए उत्पाद नहीं हैं। आप सर्वशक्तिमान स्त्रष्टा द्वारा जानबूझकर नियोजित, विशिष्ट उपहार में दिए गए तथा बड़े प्यार से इस धरती पर उतारे गए हैं। हममें से हरेक व्यक्ति का इस धरती पर आने का एक उद्देश्य होता है और हर व्यक्ति में अपने लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कुछ अद्वितीयता होती है।

सफलता की कला वास्तव में हमारे मस्तिष्क के दक्षतापूर्ण संचालन की एक कला है। यहां, यह समझना महत्वपूर्ण है कि साक्षरता एवं शिक्षा में बहुत बड़ा अंतर होता है। एक व्यक्ति बिना साक्षर हुए भी पूर्ण रूप से शिक्षित हो सकता है। अकबर महान इसका एक सर्वोत्तम उदाहरण हैं। बहुत से संत महात्मा एवं धार्मिक गुरु निरक्षर थे, किंतु वे काफी ज्ञानी थे। दूसरी ओर, हमारे देश में या विश्व में कहीं भी साक्षर और उच्च डिग्री प्राप्त लोगों की संख्या काफी अधिक है, लेकिन उन लोगों की संख्या काफी कम होती है जो उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने तथा इस विश्व को कुछ अर्थपूर्ण योगदान दे जाने के लिए वास्तविक रूप से स्वयं को शिक्षित होने का दावा करते हैं। सच्चे अर्थ में शिक्षा का सीधा संबंध आत्मबोध से होता है। अकादमिक शिक्षा हमें साक्षर और सूचनाओं एवं ज्ञान से समृध्द बना सकती है, लेकिन उनका इस्तेमाल एवं अर्थवत्ता हमारी वास्तविक शिक्षा की शक्ति पर निर्भर करती है। गैलीलियो का कहना है कि आप व्यक्ति को कुछ भी नहीं सिखा सकते। आप उसे स्वयं के अंदर ढूंढ़ने में केवल सहायता कर सकते हैं। ईश्वर ने पहले से ही हमारे मस्तिष्क को शक्ति प्रदान कर रखी है, हमें सिर्फ इस बात की खोज करनी है कि हम अधिकतम लाभ के लिए उसका कैसे इस्तेमाल कर सकते हैं। एक सच्चा शिक्षक वही है, जो अपने विद्यार्थी के मस्तिष्क की मौलिकता को मारे नहीं, बल्कि उसे आत्मानुभूति करने में सहायता प्रदान करे। मैं इस संबंध में गौतम बुध्द के दर्शन में काफी विश्वास करता हूं। वे कहते हैं कि किसी भी चीज पर तब तक विश्वास मत करो, जब तक कि वह तुम्हारे अपने विवेक एवं अपनी सहज बुध्दि को स्वीकार्य न हो, चाहे जहां से तुमने उसे पढ़ा हो, या जिसने भी कहा हो, यहां तक कि मैंने भी कहा हो।